एचडीएफसी बैंक ने बाहरी कानूनी कंपनी को सौंपी जांच - 10

बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत - 10

किम जोंग का एलान-उत्तरी कोरिया को बनाएंगे परमाणु शक्ति संपन्न - 11

टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे ऋषभ पंत : एलएसजी कोच जस्टिन लैंगर - 12

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.11 सूर्यास्त 06.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी 01:50 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 25 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 46, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

देश में पहली बार इच्छामृत्यु, हरीश राणा का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

- 13 साल से थे कोमा में, शाम 4:10 बजे दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद एम्स-दिल्ली में मंगलवार को निधन हो गया। राणा (32) को 14 मार्च को गाजियाबाद स्थित उनके घर से एम्स के डॉ. बीआर आंबेडकर इंस्टिट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की उपशामक देखभाल इकाई में स्थानांतरित किया गया था। वह 2013 से कोमा में थे।

एम्स ने कहा, हरीश राणा का 24 मार्च को शाम चार बजकर 10 मिनट पर दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह डॉक्टरों की एक विशेष टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग की प्रमुख डॉ. सीमा मिश्रा के नेतृत्व वाली पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट में भर्ती कराया गया था। इस कठिन समय में एम्स उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

शीर्ष कोर्ट ने 11 मार्च को ऐतिहासिक फैसले में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। राणा पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्र थे। वह 2013 में चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे और उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से वह कोमा में। अदालत ने माता-पिता निर्मला राणा और अशोक राणा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अपने बेटे के प्रति अपार स्नेह और देखभाल के लिए उनकी सराहना व्यक्त की। कहा था, उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश अदालत के 2018 के कॉमन कॉज मामले में निर्णय के अनुरूप है, जिसे 2023 में संशोधित किया गया था और गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग के मामले में इच्छामृत्यु के लिए याचिका दायर करने वाली पत्रकार और कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने एम्स के डॉक्टरों व नर्सों को करुणापूर्वक निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आग्रह किया कि यदि कोई व्यक्ति इस अधिकार का प्रयोग करना चाहता है, तो उसे अपने परिवार के सदस्यों को बता देना चाहिए। कोर्ट ने शानबाग की ओर से विरानी की याचिका खारिज कर दी थी, जो नवंबर 1973 में हुए बर्बर यौन हमले के बाद से मुंबई के अस्पताल में कोमा जैसी स्थिति में बिस्तर पर पड़ी थीं। मुंबई की नर्स शानबाग की अंततः 2015 में निमोनिया से मृत्यु हो गई।

मृत्यु के बाद परिवार ने कॉर्निया, हृदय वाल्व दान किए

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद राणा की पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे बंद कर दी गई। राणा की मृत्यु के बाद, उनके परिवार ने उनका कॉर्निया और हृदय वाल्व दान कर दिए, जिन्हें अस्पताल द्वारा प्राप्त किया गया। कोर्ट के फैसले के बाद राणा के परिवार ने कहा था कि कृत्रिम जीवनरक्षक सहायता हटाने से परिवार को व्यक्तिगत रूप से कोई लाभ नहीं होगा, लेकिन व्यापक जनहित में यह निर्णय समान परिस्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों की मदद कर सकता है। हरीश राणा का अंतिम संस्कार बुधवार सुबह दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट पर किया जाएगा।

हवाई हमले में तेहरान का गैस प्लांट उड़ाया, ईरान ने भी खाड़ी देशों व इजराइल पर दागे बम

दुबई, एजेंसी

- खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात करेगा ब्रिटेन
- जोलघाद्र ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए सचिव नियुक्त

ईरान पर मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान में भारी तबाही मचाई और गैस प्लांट के साथ पाइपलाइन उड़ा दी, लेकिन ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने भी इजराइल के तेल अवीव और पश्चिम एशिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य के साथ बातचीत कर रहा है। हजारों और अमेरिकी मरीन सैनिकों के खाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना होने, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर तीव्र हमला जारी रहने और ईरान द्वारा किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार करने के बीच युद्ध तेज होता दिखा। वहीं, ब्रिटेन खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात तैनात करेगा।

हालांकि, इसके एक दिन पहले ट्रंप ने ईरान को दी गई वह समयसीमा भी आगे बढ़ा दी, जिसके तहत होर्मुज को जहाजों के लिए नहीं खोलने पर ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को हवाई हमलों में निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

पाकिस्तान ने राजनयिक वार्ता की मेजबानी की पेशकश की, लेकिन ईरान अपने रुख पर अड़ा रहा और पूर्ण विजय प्राप्त होने तक लड़ने की कसम खाई। ईरान ने मंगलवार को एक ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर को देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नया सचिव नियुक्त किया, जिन्होंने हवाई हमले में मारे गए अली लारीजानी की जगह ली। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने नए सचिव की पहचान मोहम्मद बागेर जोलघाद्र के रूप में की है

होर्मुज स्ट्रेट से आने को किसी अनुमति की जरूरत नहीं: भारत

नई दिल्ली। जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ने वाले एकमात्र समुद्री मार्ग होर्मुज से गुजरने के लिए किसी भी देश की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय नौवहन नियमों के अनुसार जलडमरूमध्य में आवागमन की स्वतंत्रता है। चूंकि होर्मुज संकरा है, केवल प्रवेश और निकासी मार्ग चिन्हित हैं, जिनका पालन सभी जहाजों को करना आवश्यक है।

सऊदी बोला- हमले जारी रखो

वहीं, सउदी के क्राउन प्रिंस ने ट्रंप से कहा, अमेरिका को ईरान पर जोरदार प्रहार जारी रखना चाहिए। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार संघर्ष के दौरान सऊदी नेता लगातार ट्रंप के संपर्क में हैं।

ब्रीफ न्यूज

गुजरात, उत्तराखंड के बाद यूसीसी पारित करने वाला दूसरा राज्य

गांधीनगर। गुजरात विधानसभा ने धर्म से परे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और सहजीवन को विनियमित करने के लिए एक समान कानूनी ढांचा स्थापित करने के उद्देश्य से लाए गए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को मंगलवार को सात घंटे की लंबी बहस के बाद मंजूरी दे दी। इस विधेयक में बलपूर्वक, दबाव डालकर या धोखाधड़ी से किए गए विवाह के लिए सात वर्ष की कारावास की सजा का प्रावधान है। साथ ही बहुविवाह पर भी रोक लगाई गई है। इसके अलावा, इसमें विवाह और सहजीवन (लिव-इन रिलेशनशिप) का पंजीकरण कराना भी अनिवार्य किया गया है। इस विधेयक के पारित होने के साथ ही भाजपा शासित गुजरात, उत्तराखंड के बाद यूसीसी पारित करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से बजट पेश किए जाने से कुछ घंटे पहले मंगलवार को विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। विधानसभा परिसर की तलाशी के बाद अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि सुबह सात बजकर 28 मिनट पर विधानसभा को बम की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ और इसके बाद सुबह सात बजकर 49 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भी एक ईमेल भेजा गया।

प. एशिया जंग जारी रही तो यह भारत के लिए चिंताजनक : मोदी

राज्यसभा में कहा- संकट से निपटने के लिए 7 नए समूह गठित किए

- प्रधानमंत्री बोले- आने वाला समय देश की सबसे कड़ी परीक्षा लेगा
- पूरे भारत को टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री ने जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए कहा कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। कहा, हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है। सरकार इसके अल्पकालिक, मध्य कालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों पर नजर रखने के लिए एक रणनीति के तहत काम कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली बाधाओं का आकलन करता है। जैसे कोरोना महामारी के दौरान अलग अलग क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के विभिन्न समूह बने थे, वैसे ही सोमवार को सात नए समूहों का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समूह गैस, महंगाई आदि विषयों पर विचार कर समाधान के लिए काम करेंगे।

खाड़ी में एक करोड़ भारतीयों की आजीविका चिंता का कारण

मोदी ने कहा कि खाड़ी के देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को किया फोन प्रधानमंत्री बोले-होर्मुज का खुला रहना सुनिश्चित करना आवश्यक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जल्द से जल्द तनाव कम करने, शांति बहाल करने और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का समर्थन करता है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत है। इस बातचीत में मोदी ने होर्मुज को खुला, सुरक्षित और सुलभ बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि यह वैश्विक शांति, स्थिरता एवं आर्थिक खुशहाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के वास्ते ईरान के लिए अमेरिका की ओर से समयसीमा पांच दिन बढ़ाए जाने के एक दिन बाद ट्रंप ने मोदी को फोन किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है।

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड चारधाम यात्रा-2026 की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को कहा कि चारधाम यात्रा प्रदेशवासियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान उत्तराखंडवासी देश और दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हैं। इस वर्ष चार धाम यात्रा का शुभारंभ 19 अप्रैल से है, जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा को सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए सड़कों के सुदृढ़ीकरण, अवस्थापना सुविधाओं के विकास, दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा परिवहन व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्गों पर सभी मूलभूत सुविधाएं, जैसे-पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 की यात्रा प्राकृतिक आपदाओं के कारण डेढ़ महीने से अधिक समय तक बाधित रही थी, इसके बावजूद 51 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चार धाम के दर्शन किए। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2026 की चार धाम यात्रा के लिए अब तक 10 लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं।

धर्म बदलते ही खत्म होगा अनुसूचित जाति का दर्जा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला रखा बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित व्यक्ति, किसी अन्य धर्म को अपनाकर एससी का दर्जा तुरंत और पूरी तरह खो देता है।

पीठ ने कहा, ऐसे किसी भी व्यक्ति को धारा तीन के अनुसार अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता। उसे संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल के किसी कानून के तहत कोई भी वैधानिक लाभ, संरक्षण या आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। कोई व्यक्ति धारा तीन में उल्लेखित धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करते हुए अनुसूचित जाति की सदस्यता का दावा नहीं कर सकता। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2025 को कहा था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है और उसे सक्रिय रूप से मानता व पालन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है और इसलिए ईसाई धर्म अपनाने वाले व्यक्ति पर अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होते।

2021 में एक मामले में सुनाया आदेश

पादरी सी आनंद ने 2021 में एक आपराधिक मामला दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने एआर रेड्डी नामक व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और एससी/एसटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं का हवाला दिया था। आनंद ने आरोप लगाया कि पादरी के तौर पर कर्तव्यों का पालन करते समय आंध्र प्रदेश के एक गांव में रविवार की प्रार्थना के दौरान उन पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि आर रेड्डी ने उन पर कई बार हमला किया और जातिसूचक अपशब्द कहकर अपमानित किया।

प. एशिया पर सर्वदलीय बैठक आज

- रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे बैठक की अध्यक्षता, राहुल गांधी नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। सरकार ने प. एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बुधवार शाम पांच बजे बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर सकते हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर के भी इसमें मौजूद रहने की उम्मीद है।

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि वह सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनका केरल में एक कार्यक्रम पहले तय है। विपक्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य के बाद इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की मांग उठाई थी। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल पश्चिम एशिया युद्ध और इसके भारत पर प्रभाव को लेकर सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं। राज्यसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

रेलवे टिकट 8 घंटे पहले कैंसिल करने पर ही रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी

- चार घंटे का नियम खत्म, ट्रेन छूटने के 30 मिनट पहले बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे

रेल मंत्री ने मंगलवार को टिकट क्षेत्र में सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि ट्रेन के प्रस्थान करने के आठ घंटे पहले तक कंफर्म टिकट रद्द करने पर कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा, जबकि वर्तमान में यह नियम चार घंटे का है। मंत्री ने बताया कि पुनर्भुगतान का नया नियम इस साल एक से 15 अप्रैल के बीच लागू होगा।

उन्होंने बताया कि टिकट रद्दीकरण के अन्य नियमों में भी बदलाव किया गया है। अब ट्रेन के प्रस्थान करने से 24 घंटे से आठ घंटे पहले टिकट रद्द करने पर केवल 50 प्रतिशत राशि का पुनर्भुगतान किया जाएगा जबकि वर्तमान में यह अवधि 12 घंटे से चार घंटे है। इसी प्रकार, ट्रेन के प्रस्थान करने के समय से 72 से 24 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर टिकट की कुल राशि में से 25 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। संशोधित नियमों के तहत ट्रेन के प्रस्थान से 72 घंटे से अधिक समय पहले किए गए टिकट रद्दीकरण पर प्रति यात्री एक निश्चित राशि काटने के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। वर्तमान नीति के तहत ट्रेन के प्रस्थान करने से 48 से 12 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर कुल राशि में 25% की कटौती होती है, जबकि 48 घंटे से अधिक पहले किए गए रद्द करने पर पूरी राशि वापस कर दी जाती है। वैष्णव ने कहा कि कालाबाजारी और एजेंटों द्वारा अंतिम समय में टिकट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए पुनर्भुगतान नियमों में बदलाव किया जा रहा है।

पारदर्शिता

मुख्यमंत्री ने लांच किया निवेश मित्र 3 .0, उद्योगों को दिए 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव, कहा, 50 हजार रोजगार का मार्ग प्रशस्त

वैश्विक अनिश्चितता के बीच यूपी बना भरोसेमंद निवेश गंतव्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में उत्तर प्रदेश निवेश और उद्योग के लिए सबसे सुरक्षित व भरोसेमंद गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने निवेशकों के बढ़ते भरोसे को प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि बीते नौ वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यूपी की छवि पूरी तरह बदली है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को लोकभवन में 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान 85 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट और एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर 2781 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई। साथ ही 62 कंपनियों को एलओसी जारी किए गए, जिनके माध्यम से करीब 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 50 हजार रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा। 'निवेश मित्र 3.0' उद्योग स्थापना को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाएगा। इसमें एआई चैटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, जीआईएस लैंड बैंक और एंड-टू-एंड डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे निवेशकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं मिल सकेंगी। 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को समेकित कर 200 से कम सेवाओं में बदल दिया गया है, जिससे प्रक्रिया अधिक सुगम और समयबद्ध हो गई है। सीएम ने बताया कि प्रदेश में निजी बिजनेस पार्क नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई गति दी जा रही है। प्लग-एंड-प्ले मॉडल के तहत निवेशक आसानी से उद्योग स्थापित कर सकेंगे, जिसमें सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के साथ पारदर्शी रेवेन्यू शेयर व्यवस्था लागू होगी। साथ ही 'स्किल कनेक्ट' और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल के माध्यम से उद्योगों को कुशल मानव संसाधन और नए उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह भी बताया, 2012 से 2017 के बीच जहां मात्र 16 एलओसी जारी हुए थे, वहीं पिछले नौ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 3367 हो गई है, जो निवेश में आए बड़े बदलाव को दर्शाता है।

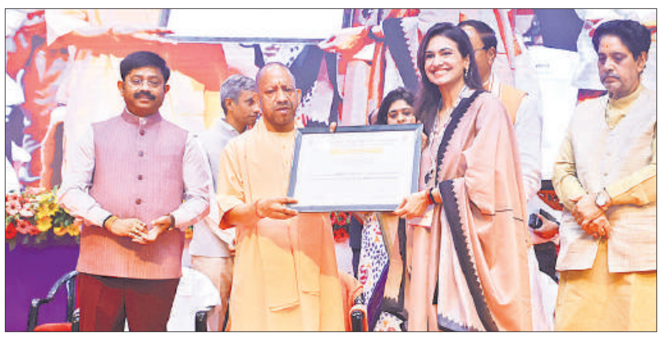

उद्योगों को 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव व लेटर ऑफ कंफर्ट देते मुख्यमंत्री योगी।

अपराधी-माफिया दुस्साहस करेगा तो यमराज का टिकट

कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उद्योगों के संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधी या माफिया यदि दुस्साहस करते हैं तो वे अपने लिए "यमराज का टिकट" स्वयं काटते हैं। मुख्यमंत्री ने कानपुर की 'लाल इमली' मिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व में गलत नीतियों और ट्रेड यूनियन के भ्रष्टाचार के कारण उद्योग बंद हुए, वर्तमान सरकार ने सकारात्मक माहौल दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार,25 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

एसआई परीक्षा में आंसर-की पर मांगी आपत्तियां

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने उप निरीक्षक (एसआई) के लिए हुई लिखित परीक्षा की आंसर-की जारी कर दी है। साथ ही प्रश्नों पर आपत्तियां भी मांगी हैं। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक अभ्यर्थी यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in से आंसर-की डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने उत्तरों का मिलान करके संभावित स्कोर का अनुमान भी लगा सकते हैं। यह आंसर-की प्रोविजनल रूप में जारी की गई है। गौरतलब है कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वार बीते 14 और 15 मार्च को प्रदेश भर के 75 जिलों में 1090 केन्द्रों पर एसआई पद क लिए लिखित परीक्षा कराई गई थी। एसआई के 4,543 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में 10 .77 लाख अभ्यर्थियों परीक्षा दी थी, जबकि एक तिहाई ने परीक्षा छोड़ दी थी। दोनों दिनों की परीक्षा में नकल कराने के नाम पर गुमराह करने आठ आरोपियों की गिरफ्तार किया गया था, जबकि दर्जन भर से अधिक मुकदमे कायम किए गए थे।

मिशन शक्ति में 29,193 बालिकाओं से संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : 'मिशन शक्ति' के तहत प्रदेशभर में व्यापक अभियान चलाकर 29,193 बालिकाओं से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान उन्हें आत्मरक्षा, जीवन कौशल और करियर मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बालिकाओं को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अभियान के तहत 6,587 विद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुए, जबकि 6,256 स्कूलों में 'सेल्फ डिफेंस क्लब' बनाए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन प्रयासों से बालिकाओं में आत्मबल, जागरूकता और निर्णय क्षमता का विकास हो रहा है।

शिक्षा जागरुकता को लगाया शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में मंगलवार को महात्मा गांधी विक्रमादित्य वार्ड के चित्ता का पुरवा, नई बस्ती में शिविर लगाया गया। इस दौरान शिक्षा के प्रति जागरुक करते हुए जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को अधिक से अधिक दाखिला कराने के लिए अभिभावकों से कहा गया। इस दौरान जन भवन की अधिकारी निधि पांडे ने स्कूल में उपलब्ध उन्नत सुविधाओं, अनुशासित वातावरण एवं उच्च शिक्षण गुणवत्ता के बारे में बताया। कहा कि राज्यपाल के संरक्षण, आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित यह स्कूल निजी विद्यालयों से भी बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

यू-राइज पोर्टल से ही संबद्धता विस्तार आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : प्राविधिक शिक्षा परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए निजी तकनीकी संस्थानों की संबद्धता विस्तार प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए यू-राइज पोर्टल 23 मार्च से खोल दिया गया है और सभी संस्थानों को समयबद्ध आवेदन करने के निर्देश दिए गए हैं। परिषद के सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि संबद्धता विस्तार के लिए केवल यू-राइज पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन मान्य होंगे। ऑफलाइन या अन्य किसी माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगिन कर अपने शैक्षणिक स्टाफ का पूरा विवरण अपडेट करें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें। यह संबद्धता विस्तार एआईसीटीई, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर दिया जाएगा।

सीएसआर कॉन्क्लेव से जुड़ेंगी बड़ी कंपनियां

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार अब कॉरपोरेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने निर्देश दिए हैं कि विभाग की योजनाओं से बड़ी कंपनियों को जोड़ने के लिए सीएसआर कॉन्क्लेव आयोजित किया जाए, ताकि विद्यालयों के विकास में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का सहयोग लिया जा सके। विधानसभा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर बालक-बालिका तक समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। उन्होंने बालिका शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

खरीफ सीजन में खाद की किल्लत नहीं, पर्याप्त भंडार: कृषि मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूरिया रैक से 35% आपूर्ति सहकारिता को, जमाखोरी न करने की अपील

अमृत विचार: प्रदेश में आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी।

विधान भवन में उर्वरक कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि केंद्र से मिले आवंटन के सापेक्ष उत्तर प्रदेश को प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए निर्देश दिया कि हर यूरिया रैक से 35 प्रतिशत खाद सहकारी समितियों को अनिवार्य रूप से दी जाएगी, ताकि किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध हो सके। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के सभी 18 मंडलों में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। 24 मार्च तक राज्य में 11.24 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 9.92 लाख मीट्रिक टन डीएपी-एनपीके उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिक संस्तुति के आधार पर ही खाद खरीदें और अनावश्यक भंडारण से बचें, ताकि सभी किसानों को जरूरत के मुताबिक उर्वरक मिल सके।

कृषि मंत्री की अगुवाई में हुई बैठक में बीमा कंपनी के प्रतिनिधि व अन्य।

फसलों के नुकसान का सर्वे 31 तक पूरा करें बीमा कंपनियां

- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और प्रतिकूल मौसम से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बीमा कंपनियों को कड़े निर्देश दिए कि वे आगामी 31 मार्च तक प्रभावित जिलों में मौके पर जाकर सर्वे का कार्य हर हाल में पूरा कर लें। इस मामले में ढिलाई बरतने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कृषि मंत्री ने मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अप्रैल के पहले सप्ताह में बीमा कंपनियों द्वारा किए गए सर्वे की समीक्षा की जाएगी, जिससे वास्तविक क्षति का आंकलन कर पीड़ित किसानों को राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अभी तक प्रदेश के 67 .52 लाख किसानों को 5,660 .33 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की जा चुकी है।

डीपीसी-एसीपी मामलों में देरी पर नाराजगी

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश राज्य कर अधिकारी सेवा संघ ने विभाग में लंबित डीपीसी (पदोन्नति) और एसीपी मामलों को लेकर प्रमुख सचिव से शीघ्र निस्तारण की मांग की है। संघ के अध्यक्ष दिव्येन्दु शेखर गौतम और महासचिव सुशील कुमार गौतम कहा है कि पदोन्नति और वित्तीय लाभ से जुड़े मामलों के लंबित रहने से उनमें असंतोष की स्थिति बन रही है।पत्र में बताया गया कि वर्ष 2025-26 में कई पदों पर डीपीसी हो चुकी है, लेकिन डीसी से आईसी, एसी से डीसी और सीटीओ से एसी पदों पर पदोन्नति अभी लंबित है। संघ के अनुसार, एसीपी के विभिन्न चरणों के मामले भी लंबे समय से अटके हैं, जिससे वित्तीय लाभ नहीं मिल पा रहा।

जर्मन तकनीक से लैस होंगी यूपी की गोशालाएं

गो सेवा आयोग और जीआईजेड के बीच हुआ एमओयू, आत्मनिर्भर मॉडल पर दिया जाएगा जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में गोशालाओं को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब प्रदेश की चयनित गोशालाओं को जर्मन तकनीक से लैस किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग और जर्मनी की प्रतिष्ठित संस्था जीआईजेड के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर काम किया जाएगा। इसके लिए गोशालाओं का चयन गो सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा। इस पहल से प्रदेश की गोशालाएं अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगी। साथ ही, गो सेवा से जुड़े लोगों को नई तकनीकों की जानकारी मिलने से उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। योगी सरकार की मंशा है कि गोशालाओं को आश्रय स्थल तक सीमित न रखकर उत्पादक इकाई के रूप में विकसित किया जाए।

एमओयू का आदान-प्रदान करते गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता व जर्मनी के प्रतिनिधि।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

- सरकार की मंशा गोशालाओं को केवल आश्रय स्थल तक सीमित रखने की नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर इकाई के रूप में विकसित करने की है। इसके तहत गोबर, गोमूत्र और अन्य गो-आधारित उत्पादों के वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल से न केवल गो सेवा मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा मिलेगी।

राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी करेंगे गोशालाओं का निरीक्षण

- अमृत विचार, लखनऊ : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा गाय के संरक्षण को लेकर धर्म युद्ध छेड़ने का ऐलान किया तो राज्य सरकार हरकत में आ गई है। राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी गोशालाओं का निरीक्षण कर गायों के बेहतर रख-रखाव के उपाय करेंगे। वहीं पुलिस से भी कहा गया है कि वह गो तस्करों के खिलाफ रासुका और गैंगस्टर जैसी सख्त कार्रवाई करे, जिससे गोवंश की सुरक्षा हो सके। शंकराचार्य ने बीते दिनों लखनऊ प्रवास के दौरान कहा था कि यूपी में गायों की हालत खासी खराब है। उनका सही संरक्षण नहीं हो पा रहा है। वह गायों की सुरक्षा के लिए धर्मयुद्ध छेड़ेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य गो सेवा आयोग ने गोशालाओं का निरीक्षण करने का प्लान तैयार किया है। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने बताया कि गोशालाओं में गोवंश के संरक्षण, भरण-पोषण, हरा चारा, भूसा, चोकर, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। ये अभियान दो चरणों में होगा। प्रदेश भर के मंडल में आयोग के पदाधिकारी स्वयं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। साथ ही जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठकों में भाग लेंगे। प्रत्येक निरीक्षण के बाद रिपोर्ट शासन को को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा झांसी, आगरा, चित्रकूटधाम, देवीपाटन, गोरखपुर, लखनऊ, आजमगढ़, विन्ध्यांचल एवं अयोध्या मंडलों में निरीक्षण किया जाएगा। दूसरे चरण में अन्य मंडलों को लिया जाएगा। इसके अलावा पशुपालन और प्रशासन के अधिकारी भी समय-समय पर गोशालाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेजेंगे।

सरकारी योजनाओं से सोमा अनीता की बदली तकदीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गुड़ उद्योग से सोमा की 90 हजार मासिक कमाई, कई राज्यों में सप्लाई
- स्वयं सहायता समूह से अनीता बनीं 'लखपति दीदी', 4400 को मिला सहारा

अमृत विचार: योगी सरकार की योजनाएं अब जमीन पर असर दिखा रही हैं। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करते हुए गांवों की महिलाएं रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली बन रही हैं। लखीमपुर-खीरी की सोमा गुप्ता और अमरोहा की अनीता देवी इसकी जीवंत उदाहरण हैं।

लखीमपुर-खीरी के सिंगहाखुर्द गांव की सोमा गुप्ता ने 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' के तहत वर्ष 2022 में 25 लाख रुपये का ऋण लेकर गुड़ कोल्हू उद्योग शुरू किया। आज उनका उद्यम सफलता की नई मिसाल बन चुका है। सीजन में प्रतिदिन करीब 18 क्विंटल गुड़ उत्पादन के साथ उनका उत्पाद यूपी के अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल तक पहुंच रहा है। अपनी 6 एकड़ गन्ने की खेती के साथ अन्य किसानों से खरीद कर उत्पादन बढ़ाने वाली सोमा हर महीने 80 से 90 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं और क्षेत्र के कई लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

वहीं, अमरोहा जिले के सलेमपुर गोसाईं गांव की अनीता देवी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी बदल दी। कभी मजदूरी कर परिवार चलाने वाली अनीता आज "लखपति दीदी" के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने सिलाई कार्य से शुरुआत कर इसे व्यवसाय का रूप दिया और बाद में 'शक्ति ट्रेडर्स' के नाम से किराना दुकान भी शुरू की।

सरकारी सहयोग से उन्हें विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता मिली, जिससे उनका व्यवसाय मजबूत हुआ। आज उनकी मासिक आय 40 से 45 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इतना ही नहीं, उनके नेतृत्व में 27 समूह सक्रिय हैं, जिनसे जुड़ी करीब 4400 महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

दोनों कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सही नीति, आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी उद्यमिता में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में यूपी बना देश में अग्रणी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5.76 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, डिजिटल हेल्थ में शीर्ष पर
- आयुष्मान योजना, मातृ-शिशु योजनाओं से करोड़ों को मिला लाभ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी स्थान हासिल किया है। बीते नौ वर्षों में प्रदेश ने स्वास्थ्य ढांचे के साथ डिजिटल हेल्थ, आपात सेवाओं और मातृ-शिशु देखभाल में बड़े बदलाव किए हैं।

प्रदेश में अब तक 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के तहत 35 केंद्र संचालित हो रहे हैं, जहां 4.4 लाख से अधिक रिकॉर्ड पंजीकृत किए गए हैं। यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के जरिए रोगों की निगरानी और नियंत्रण को भी मजबूत किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुधार देखने को मिला है। गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जा रही है, जबकि जननी सुरक्षा योजना से 13.5 लाख से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 8.79 लाख बच्चों का उपचार किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में 6,213 अस्पतालों का नेटवर्क इस योजना से जुड़ा है, जो देश में सबसे बड़ा है। अब तक 13,353 करोड़ रुपये खर्च कर 81.55 लाख मरीजों का इलाज किया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स और एम्बुलेंस सेवाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। 108 एम्बुलेंस सेवा से 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिला है, जबकि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए 1.80 करोड़ मरीजों का उपचार किया गया है।

एमएसएमई और युवा गैप कम करने की पहल

अमृत विचार: प्रदेश में युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने और एमएसएमई सेक्टर की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देने के लिए नई पहल शुरू हुई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के बीच हुई बैठक में उद्योग आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने पर सहमति बनी। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिए कि औद्योगिक संगठनों को प्रशिक्षण भागीदार के रूप में जोड़ा जाए, जिससे युवाओं को बाजार की मांग के अनुसार कौशल मिल सके और प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्लेसमेंट सुनिश्चित हो। बैठक में डिजिटल सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया। एपीआई आधारित डेटा एकीकरण के जरिए प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ी सूचनाओं को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। इसके अलावा क्यूआर कोड आधारित प्रणाली से एमएसएमई, नियोक्ता और नौकरी चाहने वालों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

औद्योगिक इकाइयों को 2000 करोड़ प्रोत्साहन: नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्री ने जताई बजट उपयोग 87% तक पहुंचने की उम्मीद
- वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले 6000 करोड़ की और स्वीकृति संभव

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में बड़ा निवेश किया है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विभागीय बजट की समीक्षा करते हुए बताया कि औद्योगिक इकाइयों को करीब 2000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग को 28,864.98 करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ था, जिसमें से अब तक 19,218 करोड़ रुपये (66.58%) खर्च की स्वीकृति जारी हो चुकी है। वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले करीब 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति मिलने की संभावना है, जिससे कुल बजट उपयोग 87 प्रतिशत से अधिक पहुंच जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर औद्योगिक नीति, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के चलते उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, इस वर्ष यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भूमि खरीद पर 2900 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि एक्सप्रेसवे और औद्योगिक कॉरिडोर विकास पर भी महत्वपूर्ण निवेश हुआ है।

कहां हुआ बड़ा खर्च

- 2000 करोड़ : औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन
- 2900 करोड़ : भूमि खरीद (यमुना प्राधिकरण)
- 550 करोड़ : जेवर व फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे
- 250 करोड़ : औद्योगिक कॉरिडोर विकास
- 250 करोड़ : डिफेंस कॉरिडोर भूमि

मंत्री राकेश सचान को सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम दिखाता छात्र।

छात्र का 'सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम' बना स्टार्टअप की राह

- **अमृत विचार, लखनऊ :** एमएसएमई मंत्री राकेश सचान के मार्गदर्शन में एक युवा नवाचार ने नई दिशा पाई है। जीएल बजाज संस्थान के बीटेक छात्र देव मंथन द्वारा विकसित सोलर आधारित रिचार्जेबल लाइट-प्रोजेक्शन फोटो फ्रेम अब तकनीक, रचनात्मकता और स्वच्छ ऊर्जा का अनूठा उदाहरण बनकर उभर रहा है।यह फ्रेम सामान्य स्थिति में साधारण दिखाई देता है, लेकिन प्रकाश पड़ते ही इसमें छिपा चित्र या संदेश उभरकर सामने आता है। हिडेन इन प्लेन साइट अवधारणा पर आधारित यह प्रोजेक्ट शुरुआत में बिजली आधारित बैकलाइट पर निर्भर था, जिससे इसकी उपयोगिता सीमित थी। मंत्री राकेश सचान ने इस प्रोटोटाइप का अवलोकन कर इसे सोलर ऊर्जा से जोड़ने का सुझाव दिया, जिसने इस प्रोजेक्ट को नया आयाम दिया। इसके बाद देव मंथन ने अपने मेंटर विश्वास गुप्ता के साथ मिलकर 15-20 दिनों के प्रयास में इसे सोलर पैनल से संचालित, पूरी तरह वायरलेस उत्पाद में बदल दिया। अब यह फ्रेम कहीं भी आसानी से लगाया जा सकता है और बिजली की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है।

राजनीति | लोकसभा में सबसे अधिक खराब प्रदर्शन रहा वर्ष 2014 और 2024 में

चार राज्यों के चुनाव में भाग लेने पर बसपा कर रही मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी विधान सभा चुनावों में भी 30 से फिसलकर आ पहुंची 12 फीसदी वोटों पर

अमृत विचार : यूपी में चार बार सत्ता संभालने वाली और कभी लोकसभा में सत्ताधारी दलों से अपनी बात मनवाने की ताकत रखने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अपने सबसे खराब वक्त से जूझ रही है। हालात यह हैं कि बसपा का 403 सदस्यों वाली यूपी विधान सभा महज एक विधायक है, वहीं लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं हैं। अब सियासी वजूद बचाने के लिए बसपा वेस्ट बंगाल, तमिलनाडु असम और केरल राज्यों के चुनावों में उतरने पर गंभीरता से मंथन कर रही है।

अनुसूचित जाति के दिग्गज नेता माने जाने वाले कांशीराम ने वर्ष 1984 में बसपा की स्थापना की थी। कठिन संघर्ष के बल पर स्थापना के महज पांच साल के बाद वर्ष 1989 में यूपी विधान सभा के चुनाव हुए। पहली बार में ही 19 सीटें जीतकर बसपा ने 9.41 फीसदी मत प्राप्त कर सभी को चौंका दिया था। उसके बाद बसपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बसपा ने यूपी को मुख्य फोकस पर रखा तो 1991 में 12 सीटें पाकर 9.44 फीसदी मत, 1993 में 67 सीटें लाकर 11.12 फीसदी, 1996 में फिर 67 सीटें और फिर 2002 में संख्या बढ़कर 98 सीटें हो गई। साथ ही मत प्रतिशत भी बढ़कर 23.06 फीसदी पर जा पहुंचा।

इससे बसपा का हौसला बढ़ा और 2007 में 30.43 फीसदी वोट प्राप्त कर 206 सीटें लाकर यूपी में अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली थी। लेकिन उसके बाद पांच साल बाद हुए 2012 में बसपा का ग्राफ एकाएक गिर गया। 80 सीटें प्राप्त कर पार्टी को 25.91 फीसदी वोटों पर ही संतोष करना पड़ा। उसके बाद ग्राफ इस कदर गिरा कि 2017 में 19 सीटें प्राप्त कीं और 22.23 फीसदी वोट प्राप्त किए, वहीं 2022 में 12.80 फीसदी वोट प्राप्त कर महज एक सीट पर आकर सिमट गई। बसपा के यूपी जैसे हालात अन्य राज्यों में भी रहे। 2022 में पंजाब में एक, 2025 के बिहार चुनाव में एक, राजस्थान के 2023 के चुनाव में दो और उत्तराखंड में हुए 2022 के चुनाव में दो सदस्य ही जीत पाए।

लोकसभा में पार्टी का एक भी सदस्य नहीं

- बसपा का मौजूदा समय में लोकसभा का एक भी सदस्य नहीं हैं। यही हाल वर्ष 2014 के चुनाव में रहा था। उस समय भी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। जबकि 2019 में 10, 2009 में 21, 2004 में 19, 1999 में 14, 1998 में पांच, 1996 में 11, 1991 तीन और 1989 में चार सीटें जीती थीं। राज्यसभा में बसपा के एक सदस्य रामजी गौतम हैं। उनका कार्यकाल नवंबर 2026 तक है। इसके बाद राज्यसभा में भी बसपा का एक भी सदस्य नहीं रहेंगे।

हज-2026: अंतिम किश्त जमा करने का निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 तक जमा करनी होगी शेष धनराशि, देरी पर प्रक्रिया प्रभावित

अमृत विचार: हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के यात्रियों के लिए अंतिम किश्त जमा करने के निर्देश जारी किए हैं। जारी सर्कुलर के अनुसार, हज यात्रियों को पूर्व में जमा की गई 2,77,300 की राशि के अतिरिक्त शेष धनराशि 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी।

यात्री यह भुगतान स्टेट बैंक या यूनियन बैंक के माध्यम से, या हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट से पे-स्लिप डाउनलोड कर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए कर सकते हैं। उड़ान स्थल के अनुसार शेष राशि तय की गई है, जिसमें लखनऊ से जाने वाले यात्रियों को 75,250, दिल्ली से 69,300, मुंबई से 62,950, अहमदाबाद से 55,900 और हैदराबाद से 66,050 जमा करने होंगे। यह राशि कुर्बानी शुल्क से अलग है। जिन यात्रियों ने कुर्बानी का विकल्प चुना है, उन्हें 17,280 अतिरिक्त जमा करना होगा। वहीं शिया हज यात्रियों को जोहफा मीकात के लिए 5,520 अतिरिक्त जमा करने होंगे। हज कमेटी ने स्पष्ट किया है कि इस राशि में हवाई किराया, एयरपोर्ट टैक्स, बीमा और अन्य खर्च शामिल हैं, जबकि कैटरिंग शुल्क बाद में अलग से लिया जाएगा।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिचिंत एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

सप्तम कालरात्रि

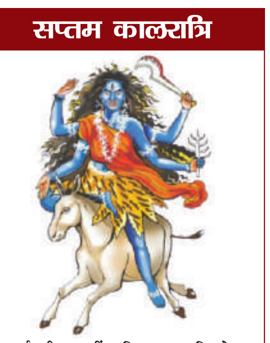

मां दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी – काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।
बीज मंत्र...
माँ कालरात्रि: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नम:

गांव को टीबी मुक्त करने वाले 65 ग्राम प्रधान सम्मानित

विश्व क्षय रोग दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित स्वास्थ्य संगोष्ठी में दिए गए स्वर्ण, रजत और कांस्य स्मृति चिह्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अपने गांव को टीबी मुक्त करने वाले 65 ग्राम प्रधानों को विश्व क्षय रोग दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित स्वास्थ्य संगोष्ठी में सम्मानित किया गया। इन प्रधानों को मुकेश शर्मा ने स्वर्ण, रजत और कांस्य स्मृति चिह्न प्रदान किए। छह लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी दिए गए।

प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे सात दिवसीय आयोजनों के तहत जिला स्वास्थ्य समिति ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता कर रहे मुकेश शर्मा ने कहा कि ग्राम प्रधानों की सक्रियता के कारण ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हो रही हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी ग्राम प्रधानों से अपील की कि वे अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाएं और अपनी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने में योगदान दें।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि टीबी उन्मूलन के प्रयासों को निरंतर जारी रखना होगा और इसके लिए सामुदायिक सहभागिता बेहद जरूरी है। उन्होंने चेताया कि दवाओं का नियमित सेवन न होने पर सामान्य टीबी, एमडीआर-टीबी का रूप ले सकती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने जनपद की स्वास्थ्य उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए ग्राम प्रधानों से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, आयुष्मान कार्ड बनवाने और वीएचएनडी सत्रों को सक्रिय बनाने में सहयोग की अपील की।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में स्वर्ण, रजत और कांस्य स्मृति चिह्न के साथ सम्मानित किए गए ग्राम प्रधान, साथ में अन्य। अमृत विचार

"मेरे ग्राम पंचायत में वर्ष 2021-22 में टीबी के तीन मरीज मिले थे। जांच के बाद उनका उपचार शुरू कराया गया। सीएचसी बीकेटी टीम को बुलाकर लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। संदिग्ध मरीजों की भी जांच कराई गई। कोशिश की गई कि कोई भी मरीज बीच में दवा न छोड़े। तीन साल से गांव में टीबी का कोई भी मरीज नहीं है।"
– **आदर्श कुमार सिंह**, स्वर्ण स्मृति चिन्ह से सम्मानित, पंचायत दिगोई, बीकेटी

"शुरुआत में गांव में तीन–चार मरीज थे, सभी का इलाज सुनिश्चित कराया गया। ग्राम पंचायत की बैठकों में ग्रामीणों को टीबी से बचाव को लेकर जागरूक किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम का विशेष सहयोग रहा। अब मेरी पंचायत में एक साल से टीबी का कोई भी रोगी नहीं है।"
–**मालती शुक्ला**, कांस्य स्मृति चिन्ह से सम्मानित, ग्राम पंचायत लतीफ नगर, सरोजनी नगर

जिले में 15 लाख आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि जनपद में 15 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का लक्ष्य है, जिनमें से अब तक करीब साढ़े आठ लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं। केजीएमयू के प्रो. डॉ. राजीव गर्ग ने टीबी की रोकथाम और उपचार पर विस्तृत जानकारी दी, जबकि डॉ. आरएएस कुशवाहा ने टीबी मुक्त अभियान में ग्राम पंचायतों की भूमिका को अहम बताया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके सिंघल ने कहा कि टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, लेकिन इसके प्रति जागरूकता और भ्रांतियों को दूर करना जरूरी है।

महिला को प्रतीकात्मक आयुष्मान कार्ड देते अधिकारी। अमृत विचार

टीबी से मुक्त पंचायतें

स्वर्ण स्मृति चिन्ह

- बीकेटी ब्लॉक की ग्राम पंचायत डिगोई।

रजत स्मृति चिन्ह

- बीकेटी ब्लॉक की ग्राम बाहरगांव, कौड़ियामऊ, हरधौरपुर, कपासी, मिसिरपुर, मोहम्मदपुर गढ़ी, पालपुर, पारा, सीवां, सुभान नगर अरिगवां, रजौली, राजपुर सलेमपुर। काकोरी ब्लॉक की जगतपुर, मलिहाबाद ब्लॉक की हतौली, सरोजनी नगर की चार ग्राम पंचायत, पहाड़पुर, तेरवा, बेंती, परवर पूरब।

कांस्य स्मृति चिन्ह

- बीकेटी ब्लॉक की ग्राम पंचायत अस्ती, चक पृथ्वीपुर, चन्दा कोडर, दरियापुर, हनुमंतपुर, जमखनवा, करौंदी, खेसरावन, किशुनपुर, मंडौली, मानपुर लाला, सोनवां, परसऊ। चिनहट ब्लॉक की ग्राम पंचायत धतींगरा, बोरुमऊ, धोबेला, गोसाईंगंज ब्लॉक की भट्टी बरकत नगर और घुर सारा। काकोरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत बंशी गढ़ी, गहलवारा, कुसुमी और गोहरामऊ। मलिहाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत हमिरापुर, मोहम्मदनगर रहमत नगर, भदेसरमऊ ग्राम पंचायत। माल ब्लॉक की ग्राम पंचायत हसनपुर, सरथरा, मोहनलालगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत दहियर, देवती, गोविंदपुर, पारसपुर ठट्ठा, पेरहटा, तमोरिया मदारपुर, बधौना, देधारी, हसनपुर कनेरी, रघुनाथ खेड़ा, रतनपुर ग्राम पंचायत। सरोजनीनगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत शाह मोहम्मदपुर अपैया, अंधपुर देव, खटोला, मेमोरा, गोदौली, लतीफ़नगर और रहीमनगर पढ़ियाना।

न्यूज ब्रीफ

युवक को टक्कर मारने वाले डीसीएम चालक पर रिपोर्ट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में रविवार शाम डीसीएम की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में घायल के भाई ने डीसीएम के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गिंदनखेड़ा निवासी कुलदीप यादव ने बताया कि भाई विनय यादव गिंदन खेड़ा नहर के पास सब्जी खरीद रहा था। तभी नादरगंज की ओर से आ रही डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में विनय यादव के बाएं हाथ की हड्डी टूट गई और गंभीर चोटें आईं। घायल का कृष्णानगर स्थित अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में ले लिया है।

किशोरी ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

अमृत विचार, मोहनलालगंज : थाना क्षेत्र के बहादुरखेड़ा गांव में मंगलवार को किशोरी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मां खेत से लौटी तो बेटी का शव फंदे से लटका देख चीख पड़ी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कमला देवी ने बताया कि मंगलवार सुबह वह तीनों बेटों के साथ खेत पर थी। इस दौरान बेटी सताना (17) ने घर में कमरे की छत में लगे कुंडे में रूपट्टे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है किशोरी सताना बीमार रहती थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां की डांट से नाराज होकर घर से भागा किशोर मिला

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के गोसालाल पुर गांव में 23 मार्च को मां की डांट से नाराज होकर घर से निकले 13 वर्षीय अक्षय को मलिहाबाद पुलिस ने नवीनगर गांव से 23 घंटे के बाद सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। बहन इशा रावत ने बताया कि मां ने भाई अक्षय को किसी बात को लेकर डांटा था। जिस पर नाराज होकर सोमवार दोपहर अक्षय घर से बिना बताए चला गया था। देर रात तक वापस न आने पर परिजन ने खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चल सका था। सूचना पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि मंगलवार दोपहरनवीनगर गांव स्थित एक मंदिर के पास से अक्षय को बरामद कर लिया गया। अक्षय कक्षा छह का छात्र है।

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने के लिए प्रदर्शन 27 को

अमृत विचार : सांसद बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता वाली श्रम व रोजगार मंत्रालय की 15वीं स्थायी समिति ने अपनी हालिया रिपोर्ट में 1000 रुपये की न्यूनतम पेंशन को अपर्याप्त बताते हुए इसे बढ़ाने की सिफारिश की है। केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक ने अभी इस पर कोई निर्णय नहीं लिया। इससे नाराज ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति 27 मार्च को देशभर में ईपीएफओ कार्यालयों पर प्रदर्शन करेगी।

ग्राम प्रधान पर रॉड से जानलेवा हमला, मृत समझ भागे बदमाश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मलिहाबाद स्थित नजर नगर अंडरपास के निकट हुई वारदात

अमृत विचार: मलिहाबाद स्थित नजर नगर अंडर पास के पास सोमवार रात ग्राम प्रधान पर बाइक सवार दो लोगों ने रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। खून से लथपथ होकर वे बेहोश होकर सड़क पर गिर गए। ग्रामीणों को आता देख आरोपी वहां से भाग निकले। होश आने पर ग्राम प्रधान लहूलुहान हालत में घर पहुंचे। वहां से उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मलिहाबाद कोतवाली में तहरीर दी है।

बिराहिमपुर गांव निवासी ग्राम प्रधान रामशंकर ने बताया कि वह सोमवार रात बाइक से गांव जा रहे थे। रात करीब 10 बजे लखनऊ-हरदोई हाईवे के नजर नगर अंडर पास के पास पहुंचते ही मोबाइल पर कॉल आने लगी। वह बाइक रोककर फोन पर बात कर रहे थे। तभी पीछे से एक बाइक सवार दो लोग आए और उन पर हमला कर दिया। ग्राम प्रधान ने विरोध करते हुए मदद के लिए शोर मचाया। चीखपुकार सुनकर ग्रामीण मदद के लिए दौड़े।

इस बीच एक हमलाकर ने रामशंकर के सिर पर रॉड से हमला कर दिया। खून से लथपथ होकर वे बेहोश होकर सड़क पर गिर गए। ग्राम प्रधान को मृत समझकर बदमाश भाग निकले। इस बीच ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने पानी डालकर उन्हें होश में लाए। इसके बाद रामशंकर लहूलुहान हालत में घर पहुंचे। घरवालों ने आनन-फानन में उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर बताई।

जानकारी मिलते ही मलिहाबाद पुलिस पहुंची और छानबीन की। घायल प्रधान ने मलिहाबाद कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोड जाम कर हंगामा करने वालों पर रिपोर्ट

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर :** थाना क्षेत्र के नादरगंज-अमौसी रोड पर रविवार शाम एक सड़क हादसे के बाद रोड जाम कर हंगामा करने वालों के खिलाफ नादरगंज चौकी प्रभारी वीर बहादुर दुबे ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। चौकी प्रभारी वीर बहादुर ने बताया कि रविवार शाम गिन्दनखेड़ा नहर के पास एक डीसीएम सड़क पर आए जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में वहां खड़े गिंदन खेड़ा निवासी बब्लू यादव घायल हो गए थे। घटना के बाद सड़क के बीचों-बीच वाहन पलटने से दोनों ओर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहन हटाकर यातायात सुचारू करने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि सोनू, मोनू, सुनील, महेंद्र सहित कई नामजद व 20-25 अज्ञात लोगों ने सड़क जाम कर दिया और वाहन हटाने नहीं दिया। इस दौरान कुछ लोगों ने वाहन चालक के साथ गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी, जिससे चालक मौके से भाग गया।

सड़क हादसे में घायल युवक ने दम तोड़ा

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के महमूदनगर गांव मोड़ पर 13 मार्च को हुई कार-बाइक भिड़ंत में घायल युवक की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 13 मार्च की रात रहमतनगर निवासी राम अवतार, पंकज मौर्य और आशीष (18) उन्नाव के सफीपुर में निमंत्रण कार्यक्रम से लौट रहे थे। जैसे ही वे महमूदनगर गांव के मोड़ पर अपने गांव की ओर मुड़ रहे थे। तभी हरदोई की ओर से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सड़क पर घिसटते चले गए। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पंकज और आशीष की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बाद में दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार सुबह आशीष ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक को कब्जे में ले लिया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मामले में सीसी फुटेज खंगालने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कुपोषण से 10 गुना बढ़ता है टीबी का खतरा: डॉ. सूर्यकांत

- **अमृत विचार, लखनऊ :** किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में विश्व टीबी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसमें विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि सामान्य व्यक्तियों की तुलना में कुपोषित लोगों में टीबी होने का खतरा 10 गुना अधिक होता है। बचाव के लिए संतुलित पोषण, मजबूत इम्यूनिटी और समय पर टीकाकरण बेहद जरूरी है। कुपोषण से ग्रसित बच्चों और महिलाओं में संक्रमण का खतरा अधिक होता है, इसलिए सभी को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में पोषण पोटली का वितरण करने के साथ पोस्ट टीबी डिजीज क्लीनिक का उद्घाटन भी किया गया। कुलसचिव अर्चना गहरवार, सीएमएस डॉ. बीके ओझा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. आरएएस कुशवाहा, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. दर्शन कुमार बजाज, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति बाजपेयी, डॉ. अंकित कुमार सहित पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन केंद्र की टीम डॉ. शिवम, डॉ. प्रकृति और पवन उपस्थित रहे।

माल के मां अस्पताल के संचालन पर रोक

अमृत विचार, माल : बच्चे की डेंगू रिपोर्ट देने वाले डायग्नोस्टिक सेंटर और इलाज करने वाले अस्पताल के संचालन पर रोक लगा दी गई है। पीरनगर निवासी अजीत के 2.5 वर्षीय बेटे अविश को तबियत बिगड़ने पर 12 मार्च को इटौंजा रोड स्थित मां अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां जांच में उसे डेंगू और प्लेटलेट्स 33 हजार बताई गई थी। बच्चे को प्लेटलेट्स चढ़ाई गईं थी। रुपये खत्म होने पर बच्चे को सीएचसी भेज दिया गया। वहां की जांच में डेंगू की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने बताया कि बच्चे की डेंगू जांच मलिहाबाद के ए-लाइफ डायग्नोस्टिक सेंटर से कराई गई थी। सामान्य बुखार को डेंगू बताया गया था। अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर संचालक को नोटिस देकर तीन दिनों में पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज मांगे गए। निर्धारित अवधि में पंजीकरण न दिखाने पर अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। संचालन होने पर संचालकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर अस्पताल

15 साल से पेट में लगे स्टोमा बैग से हो गया था गंभीर संक्रमण

लावारिस मरीज का ऑपरेशन कर दिया नया जीवन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मानवता और चिकित्सा सेवा का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए बलरामपुर अस्पताल के डॉक्टरों ने एक 60 वर्षीय लावारिस रिक्शा चालक को नई जिंदगी दी है। गंभीर हालत में 20 जनवरी को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराए गए इस मरीज का सफल ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि वर्षों पुरानी पीड़ा से भी मुक्ति दिलाई।

डॉक्टरों के अनुसार, करीब 15 वर्ष पहले मरीज की आंतों का ऑपरेशन हुआ था, जिसमें पेट के बाहर स्टोमा (बैग) लगाकर मल त्याग की व्यवस्था की गई थी। आर्थिक तंगी के चलते वह इस बैग को हटवा नहीं सका, जिससे पेट में गंभीर संक्रमण और घाव बन गया। हालत इतनी बिगड़ गई कि जान पर बन आई।

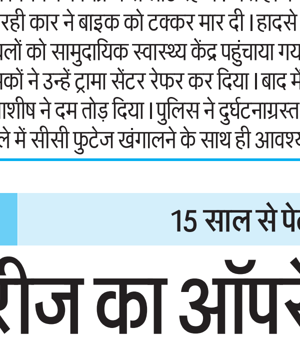

ऑपरेशन टीम

- इस जटिल सर्जरी को सफल बनाने में डॉ. एसआर समद्दर के साथ डॉ. नीरज शेखर, डॉ. शशांक साहू, डॉ. गम्पी सिंह और स्टाफ नर्स सीमा शुक्ला की अहम भूमिका रही।

सर्जरी विभाग के डॉ. एसआर समद्दर के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने चुनौती स्वीकार करते हुए जटिल ऑपरेशन किया। करीब दो घंटे चली इस सर्जरी में संक्रमित और सड़े हुए आंत के हिस्से को हटाकर आंतों को दोबारा जोड़ा गया। स्टोमा बैग को सफलतापूर्वक हटा दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि लंबे समय तक बैग लगे रहने से आंतों में संक्रमण फैल गया था और रुकावट के कारण पेट भी फूल गया था। ऑपरेशन के बाद अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है।

अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने कहा कि लावारिस और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर इलाज देना उनकी प्राथमिकता है। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने इस सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया।

सिटी डायरी

तालाब का निरीक्षण करते मंत्री संजय निषाद।

तालाबों में तैरते फूलों की खेती कराएं : संजय निषाद

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : अकड़रिया कला गांव के तालाब में मछलियां मृत होने की जानकारी पर मंगलवार को प्रदेश सरकार के मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आबादी में बने तालाबों में गड्ढे खोदकर तैरते हुए फूलों की खेती कराई जाए। इससे तालाब का पानी साफ रहेगा और साथ ही आय का अतिरिक्त स्रोत भी विकसित होगा। पट्टा धारकों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे मछली पालन के दौरान बीमारियों और आपदा से बचाव के प्रति जागरूक रह सकें। एडीएम लखनऊ आर.बी. सिंह ने पट्टा धारक रूपन से जानकारी ली। रूपन ने बताया कि मृत मछलियों को पहले गोमती नदी के किनारे फेंक दिया था, लेकिन मामला चर्चा में आने के बाद गड्ढा खोदकर उन्हें दफना दिया गया। उसने बताया कि तालाब का 10 वर्ष का पट्टा है, जिसमें से 4 वर्ष बीत चुके हैं।

महिलाओं को जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

साइबर महिला चौपाल में किया जागरूक

अमृत विचार, सरोजनीनगर : मिशन शक्ति अभियान के तहत सरोजनीनगर थाने में एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा एवं साइनव फाउंडेशन की देखरेख में साइबर महिला चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें एसीपी ने तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के तरीकों की जानकारी देकर लोगों को ठगी से बचने के लिए जागरूक किया। कहा कि अक्सर साइबर जालसाज केवाईसी अपडेट, बैंक खाता बंद होने या पार्सल रुकने का डर दिखाकर जल्दबाजी में ओटीपी मांगते हैं। ऐसे संदेशों से सतर्क रहें। क्यूआर स्कैन करने से पैसा आता नहीं, बल्कि खाते से निकल सकता है, इसलिए अज्ञात क्यूआर कोड स्कैन न करें। किसी अनजान के कहने पर एनीडेस्क और टीमवीवर जैसे स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स डाउनलोड न करें।

आर्थिक सहायता देते सुंदरलाल रावत, साथ में अन्य।

परिवार को दी आर्थिक मदद

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र के नीवां गांव में आर्थिक तंगी और कथित रूप से बैंक कर्मचारियों द्वारा सार्वजनिक अपमान से आहत होकर सामूहिक आत्महत्या कांड करने वालों के परिवार के सदस्य कुलदीप को सुन्दर लाल रावत ने 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कुलदीप को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी हरसंभव मदद के लिए वे साथ खड़े रहेंगे। घटना को अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताते हुए आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों का व्यवहार अमानवीय रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।

ट्रॉफी के साथ सीआरपीएफ की टीम के सदस्य।

सीआरपीएफ ने ट्रॉफी जीती

अमृत विचार, निगोहां : उतरावां में खेले गए ग्रामीण नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल अल्टीमेट वॉरियर्स और सीआरपीएफ की टीमों में खेला गया। इसमें सीआरपीएफ की टीम विजेता बनी। आयोजन शिवम सिंह, जैद मोहम्मद, सचिन मिश्रा और टोनी प्रभात पाण्डेय ने बताया कि 16 टीमों ने प्रतिभाग किया। पहले सेमीफाइनल में अल्टीमेट वॉरियर्स ने सगुन इलेवन को और दूसरे सेमीफाइनल में सीआरपीएफ ने रत्नापुर को हराया।

वकीलों के अवैध कब्जे हटाए नगर निगम : हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा, आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की मदद ले सकता है नगर निगम

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कैसरबाग स्थित जनपद न्यायालय के आसपास वकीलों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को तत्काल हटाने के आदेश नगर निगम लखनऊ को दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर नगर निगम पुलिस की मदद ले सकता है। नगर निगम द्वारा यह कहने पर कि उसे कथित अवैध कब्जेदारों को पहले नोटिस देने की आवश्यकता पड़ेगी, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नोटिस की आवश्यकता अधिकृत निर्माण या कब्जे को हटाने के लिए होती है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों, फुटपाथों और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जा सकता है। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए सात अप्रैल की तिथि नियत करते हुए, कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

- कैसरबाग जनपद न्यायालय के आसपास हैं अवैध कब्जे

यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने अनुराधा सिंह व अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। मामले में नगर निगम द्वारा दाखिल रिपोर्ट के अनुसार संबंधित क्षेत्र में करीब 72 अतिक्रमण पाए गए हैं, जिनमें अधिकांश अधिवक्ताओं के चैंबर और कुछ दुकानों का अवैध निर्माण शामिल है। नगर निगम की ओर से बताया गया कि अतिक्रमण हटाने के लिए पहले नोटिस देना आवश्यक होगा और इसके बाद पुलिस व जिला प्रशासन की मदद से कार्रवाई की जाएगी।

इस पर कोर्ट ने कहा कि सामान्यतः अधिकृत निर्माणों के मामले में नोटिस जरूरी होता है, लेकिन अवैध अतिक्रमण के मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा सकती है और कानून का सख्ती से पालन होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि अतिक्रमणकारी नोटिस प्राप्त नहीं करते हैं तो उसे संबंधित स्थल पर चस्पा किया जाए और समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाए।

हाईकोर्ट ने एक ही मामले में तीसरी बार लगाया सरकार पर हर्जाना

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार पर तीसरी बार हर्जाना लगाया है। इसके पूर्व दो बार हर्जाना लगाने के बाद प्रमुख सचिव, लघु सिंचाई व भूगर्भ जल विभाग ने मामले में अपना शपथ पत्र दाखिल किया था। इस बार कोर्ट के आदेश के बावजूद पंचायती राज विभाग की ओर से हलफ़नामा नहीं दाखिल किया गया। इस पर कोर्ट ने 11 हजार का हर्जाना लगाया व मामले की अगली सुनवाई के लिए छह अप्रैल की तिथि नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके राय की खंडपीठ ने अंजनी कुमार द्विवेदी की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में भूगर्भ जल के दिन-प्रतिदिन दूषित होते जाने का मुद्दा उठाया गया है। कोर्ट ने पाया कि याचिका वर्ष 2019 से विचाराधीन है, इसके पूर्व संबंधित विभाग की ओर से जवाबी शपथ पत्र न दाखिल करने पर 5 जनवरी तथा 19 जनवरी को क्रमश पांच हजार व 25 हजार रुपये का हर्जाना लगाया जा चुका है। इसके पश्चात लघु सिंचाई व भूगर्भ जल विभाग की ओर से तो शपथ पत्र दाखिल कर दिया गया लेकिन 22 जनवरी को दिए आदेश के बावजूद पंचायती राज विभाग की ओर से शपथ पत्र नहीं दाखिल किया गया। कोर्ट ने हर्जाना का आदेश देने के साथ-साथ चेतावनी भी दी है कि वह अन्य कार्रवाई किए जाने पर भी विचार कर सकती है।

एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह को राहत नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भईया की पत्नी भानवी सिंह द्वारा एमेलसी अक्षय प्रताप सिंह पर लगाए गए धोखाधड़ी सहित तमाम आरोपों के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एमएलसी व अन्य को को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने अक्षय प्रताप व अन्य की ओर से दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें विशेष न्यायाधीश, एमपी-एमएलए, लखनऊ के आदेश को चुनौती दी गई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने अक्षय प्रताप सिंह, रोहित कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह एवं रामदेव यादव की ओर से दाखिल याचिका को खारिज करते हुए पारित किया है। याचियों की ओर से विशेष न्यायाधीश, एमपी-एमएलए, लखनऊ के 18 फरवरी के आदेश को चुनौती दी थी। दरअसल भानवी सिंह ने याचियों को आरोपी बनाते हुए सभी के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं कूटरचना की एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग की थी। भानवी सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी मेसर्स सारंग एंटरप्राइजेज नाम की फर्म की मूल्यवान संपत्तियों को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए गए तथा कूटरचना करके उनको अन्यत्र स्थानांतरित किया गया। मांग की गई कि हजरतगंज पुलिस को निर्देश दिया जाए कि वह मुकदमा दर्ज करके आरोपियों के विरुद्ध विवेचना करे। भानवी सिंह की इस अर्जी पर संबंधित अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एफआईआर का आदेश न देकर उसे परिवाद के तौर पर दर्ज करने का आदेश 19 अक्टूबर 2023 को दिया था। मजिस्ट्रेट के इस आदेश को भानवी सिंह ने पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र के माध्यम से चुनौती दी, जिस पर विस्तृत आदेश पारित करते हुए, 18 फरवरी को विशेष न्यायाधीश ने मजिस्ट्रेट के उक्त 19 अक्टूबर 2023 के आदेश को खारिज कर दिया व पुन: सुनवाई का आदेश दिया। 18 फरवरी के इसी आदेश को अक्षय प्रताप सिंह व अन्य ने पुनरीक्षण याचिका के माध्यम, से चुनौती दी थी जिसे हाईकोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दिया है।

- भानवी सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को माना गंभीर, याचिका खारिज

1 अप्रैल से खुलेगी विंडो अपलोड करें क्यूपीआर

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) पंजीकृत परियोजनाओं की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) अपलोड करने के लिए पोर्टल की विंडो 1 से 15 अप्रैल तक खोलेगा। इस अवधि में प्रमोटरों को 31 मार्च 2026 तक समाप्त होने वाली पहली तिमाही का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड करना होगा। प्रावधानों का उल्लंघन करने पर परियोजना लागत का पांच प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जाएगा। रेरा ने स्पष्ट किया है कि क्यूपीआर अपलोड करने से प्रमोटरों द्वारा विकसित की जा रही परियोजना की वास्तविक प्रगति, निर्माण की स्थिति, विभिन्न अनुमोदनों की उपलब्धता समेत अन्य महत्वपूर्ण जानकारी खरीदारों को मिलती हैं। वह सोच-समझकर भूखंड, फ्लैट, विला, कॉम्पलेक्स, दुकान आदि खरीदते हैं। प्रत्येक प्रमोटर को तिमाही समाप्त होने के बाद अपनी परियोजना से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपडेट करना है।

न्यूज ब्रीफ

गुमशुदा मोबाइल बरामद स्वामियों को सौंपे

अमृत विचार, लखनऊ : मिशन शक्ति के तहत विकासनगर पुलिस ने 23 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया। बरामद मोबाइलों की कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है। खास बात यह रही कि नवरात्रि पर्व के दौरान महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अधिकांश मोबाइल महिला धारकों को वापस किए गए। डीसीपी शशांक सिंह ने बताया कि एसओ विकासनगर आलोक सिंह और कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-बी श्रीकांत तिवारी की संयुक्त टीम ने सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों से मोबाइल तलाश रहे थे। इसी के जरिए विभिन्न थाना क्षेत्र व प्रदेश के अन्य जनपदों से भी मोबाइल फोन बरामद किए। सोमवार को थाना परिसर में सभी 23 मोबाइल उनके असली मालिकों को हवाले किए गए। लंबे समय से अपने फोन के गुम होने से परेशान लोगों को जब उनके मोबाइल वापस मिले तो उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। मोबाइल पाकर नागरिकों ने थाना विकासनगर पुलिस टीम की सराहना की।

सर्राफ पर अश्लीलता व मारपीट का आरोप, रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : चौक कोतवाली में एक महिला ने चौक के सर्राफ पर अश्लीलता और मारपीट का आरोप लगाते हुए मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। चारबाग निवासी पीड़िता ने बताया कि उनके पति ने चौक स्थित शानू महाकाल ज्वैलर्स की दुकान से सोने की चेन खरीदी थी। चेन टूटी होने के कारण पति ने उसे वापस करने की बात की। लेकिन पति किसी काम से बाहर चले गए तो महिला अपने भतीजे के साथ सोमवार शाम चेन वापस करने गई। आरोप है कि दुकानदार और उसके कर्मियों ने पर्स में रखी चेन छीन ली। विरोध करने पर दुकानदार और उसके कर्मियों ने छेड़छाड़ और अश्लीलता की। आरोपी ने चेन और उसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये देने से इनकार कर दिया। आरोप है कि विरोध पर आरोपी दुकानदार और कर्मियों ने भतीजे को मारापीटा। वह किसी तरह भागकर चौक कोतवाली पहुंचा। चौक इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

अमृत विचार, उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के गांव जगेथा के पास सोमवार रात दरोगा विनोद सिंह ने चेकिंग के दौरान एक युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास एक तमंचा व एक कारतूस बरामद हुआ। पकड़े गए युवक ने अपना नाम कुलदीप उर्फ कुल्ली निवासी गांव चितौली माखी बताया है। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि कुलदीप के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेजा गया है।

लोडर की टक्कर से मां और बेटा घायल

अमृत विचार, उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के हरवंश खेड़ा गांव निवासी नीरज (30) पुत्र राजकुमार अपनी मां राजवती (50) को बाइक से लेकर ननिहाल माखी थानाक्षेत्र के रऊफपुर गांव गया था। मंगलवार को लौटते समय रसूलाबाद-सफीपुर मार्ग पर आसीवन थानाक्षेत्र के खरगौरा गांव के पास सामने से आए लोडर ने उसे टक्कर मार दी। इसमें दोनों घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायल मां-बेटे को सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां से नीरज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लोगों ने लोडर व चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन सच्ची राष्ट्रभक्ति

मुख्यमंत्री योगी ने गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6.0 में कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कार्यकर्ता सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, साथ में अन्य।

अमृत विचार: श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन के तत्वावधान में आयोजित गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6.0 के कार्यकर्ता सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवा और राष्ट्रभक्ति के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल नारों से नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने से होती है।

सीएमएस गोमतीनगर विस्तार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य यात्रा से जुड़े स्वयंसेवकों और संगठनों की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान सीमावर्ती और जनजातीय क्षेत्रों में जाकर उन लोगों तक चिकित्सा सेवा पहुंचा रहा है, जिन्हें सामान्यतः सुविधाएं नहीं मिल पातीं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा शुरुआती दौर में 23 हजार मरीजों के उपचार से शुरू होकर अब 2.66 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच चुकी है। योगी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने थारू और वनटांगिया समाज के विकास का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार ने इन समुदायों के लिए आवास, बिजली, स्वास्थ्य कार्ड और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे अपनी ओपीडी तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर सेवा कार्यों में योगदान दें और हर माह एक दिन समाज सेवा को समर्पित करें।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने कहा कि समाज की सच्ची जागृति तब होती है, जब लोग दूसरों के दुख को अपना मानकर सेवा के लिए आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर रहने वाले लोगों की सेवा करना हमारा धर्म है और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन के डॉक्टर दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में जाकर यही कार्य कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सेवा भाव को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि समाज ने जो दिया है, उसे समाज को लौटाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और संसाधनों का उपयोग समाज के कमजोर वर्गों के हित में करें। कार्यक्रम में भारत माता, भगवान धन्वंतरि, स्वामी विवेकानंद और गुरु गोरखनाथ की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति, चिकित्सक और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। समारोह में सेवा कार्यों से जुड़े लोगों को सम्मानित भी किया गया।

गोरखपुर-छपरा रेल खंड पर कार्य के चलते ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

अमृत विचार, लखनऊः रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर-छपरा रेल खंड के मैरवा-बनकटा स्टेशनों के बीच समपार संख्या 101 पर लिमिटेड हाइट सब-वे निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके तहत गर्डर लॉन्चिंग और डी-लॉन्चिंग कार्यों के चलते कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन और समय नियंत्रण लागू किया गया है। 30 मार्च 2026 को चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष ट्रेन को परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर कैंट होकर चलाया जाएगा। रेलवे ने कई प्रमुख ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से चलाने का निर्णय लिया है। 30 मार्च को 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष ट्रेन 15 मिनट, 15034 लखनऊ जं.-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस 35 मिनट और 55056 गोरखपुर-छपरा सवारी ट्रेन 30 मिनट विलंब से चलाई जाएगी। इसी तरह 31 मार्च को 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस 5 मिनट और 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस 25 मिनट देरी से चलेगी।

कौशल आधारित शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत का आह्वान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

‘संकल्प 2026’ का शुभारंभ

- एमएनएनआईटी प्रयागराज में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू
- एआई, ड्रोन और 3डी तकनीक में दक्षता हासिल करने पर जोर

अमृत विचारः प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी), प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन ‘संकल्प 2026’ का उद्घाटन किया। उन्होंने युवाओं से कौशल आधारित शिक्षा अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

मंत्री ने कहा कि आज के दौर में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल आधारित शिक्षा ही युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार करती है। सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच समन्वय को उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बताया। उन्होंने युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन तकनीक और त्रि-आयामी मुद्रण (3डी प्रिंटिंग) जैसी आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल करने की सलाह दी और नवाचार को अपनाने का आह्वान किया।

एमएनएनआईटी के निदेशक आर.एस. वर्मा ने बताया कि सम्मेलन “आत्मनिर्भर नेतृत्व और समृद्धि के लिए कौशल और ज्ञान का पोषण” विषय पर आधारित है। इसमें देशभर के 50 से अधिक विशेषज्ञ वक्ता भाग ले रहे हैं, जबकि 700 से अधिक प्रतिभागी और 40 टीमों द्वारा नवाचार प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सम्मेलन को पांच खंडों नई सोच, वार्ता, संवाद, नवाचार और सृजन में विभाजित किया गया है। इसके तहत 50 से अधिक स्टार्टअप विचार निवेशकों के सामने प्रस्तुत करेंगे।

जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर भाजपा की तैयारी तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व संगठन महामंत्री धर्मपाल ने की समीक्षा बैठक
- नेताओं-कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी, भीड़ जुटाने को बूथ स्तर तक जोर

अमृत विचारः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को गौतमबुद्धनगर के जेवर में पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन और जनसभा की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, जनसंपर्क अभियान, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां और व्यवस्थाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करें, ताकि कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जा सके। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश “विकसित भारत” के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का बड़ा केंद्र बताया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ही कार्यक्रम की सफलता की कुंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाया जाएगा। इसके लिए स्वागत, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल सहित सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुचारु रूप से पूरी करने के निर्देश दिए गए। नेताओं ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की कर्मठता, अनुशासन और समर्पण से यह आयोजन एक अविस्मरणीय और सफल जनसभा के रूप में स्थापित होगा।

सीएससी 4.0 से पहले सेवाओं में गैप नहीं चाहती सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऑनलाइन सेवाएं जारी रखने को सीएससी 3.0 की अवधि 30 जून तक बढ़ाई
- सेवाओं में रुकावट से प्रदेश में हजारों जन सेवा केंद्रों से आम लोग होते प्रभावित

अमृत विचारः प्रदेश में डिजिटल सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार नहीं चाहती कि सीएससी 4.0 लागू होने से पहले सेवाओं में किसी तरह का गैप आए, इसलिए मौजूदा सीएससी 3.0 योजना की अवधि 30 जून 2026 तक बढ़ा दी गई है। सेवाओं में रुकावट आती तो प्रदेश में हजारों जन सेवा केंद्रों से आम लोग प्रभावित होते।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव द्वारा मंगलवार को जारी शासनादेश में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जन सेवा केंद्रों के माध्यम से दी जा रही ऑनलाइन सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहें। इसके लिए संबंधित डिस्ट्रिक्ट सर्विस प्रोवाइडर (डीएसपी) संस्थाओं के अनुबंध की समय-सीमा भी बढ़ाई जाएगी।

प्रदेश में हजारों जन सेवा केंद्रों के जरिए ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का मानना है कि यदि इस बीच सेवाओं में रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। इसी को देखते हुए ट्रांजिशन पीरियड को मैनेज करने के लिए यह विस्तार दिया गया है। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीएससी 4.0 योजना की तैयारी अंतिम चरण में है और जल्द ही इसके दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। तब तक मौजूदा व्यवस्था को जारी रखना प्राथमिकता है। सीएससी 4.0 से ज्यादा एडवांस और तेज डिजिटल सेवाएं होंगी। कई सेवाएं ऑटोमेटेड और पेपरलेस के साथ बेहतर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी होगी। सेवाओं का इंटीग्रेशन (एक प्लेटफॉर्म पर अधिक सेवाएं) और ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा डिजिटल सशक्तिकरण करने की तैयारी है।

क्यों लिया यह फैसला

- सीएससी 4.0 लागू होने में समय
- सेवाओं में गैप से जनता को परेशानी की आशंका
- डिजिटल सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना जरूरी
- ट्रांजिशन पीरियड को मैनेज करने की रणनीति
- सीएससी पर मिलने वाली सेवाएं
- आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र आवेदन
- पैन कार्ड, आधार से जुड़ी सेवाएं
- बिजली, पानी, मोबाइल बिल भुगतान
- पेंशन, राशन, सरकारी योजनाओं के आवेदन
- बैंकिंग सेवाएं (मिनी बैंक की तरह)
- ऑनलाइन फॉर्म, परीक्षा आवेदन

सुरक्षा संवाद — 75 जनपदों के स्काउट गाइड प्रशिक्षकों को दो दिन किया जाएगा प्रशिक्षित

जागरूकता से ही रुकेंगे सड़क हादसे : दयाशंकर सिंह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में स्काउट-गाउड व प्रशिक्षकों के साथ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त किंजल सिंह व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय सड़क सुरक्षा संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल कानून से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से सुनिश्चित हो सकती है। नागरिकों को अपने व्यवहार में सुधार लाकर जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश के सभी 75 जनपदों से आए स्काउट गाइड प्रशिक्षकों को आधारभूत नियमों, संकल्पनाओं और दुर्घटनाओं में त्वरित प्राथमिक सहायता के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। मंत्री ने युवाओं, विशेषकर स्काउट-गाइड की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर इन संगठनों का योगदान स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने सभी से यातायात नियमों के पालन की अपील की। सरकार का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को 50 प्रतिशत तक कम करना है, जिसमें युवाओं की भागीदारी आवश्यक है।

75 जनपदों के प्रशिक्षकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में प्रदेश के 75 जनपदों से आए स्काउट-गाइड प्रशिक्षकों को सड़क सुरक्षा के नियम, अवधारणाएं और दुर्घटनाओं में प्राथमिक सहायता की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह प्रशिक्षण स्कूल स्तर तक विस्तारित किया जाएगा। प्रशिक्षण में 300 स्काउट-गाइड ट्रेनर, 100 एनएसएस कैडेट और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाकर एनसीसी और एनएसएस को भी जोड़ा जाएगा अभियान से कार्यक्रम में एनसीसी और एनएसएस के युवाओं को भी सड़क सुरक्षा अभियान से जोड़ने की योजना है। विभिन्न सत्रों, क्विज और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को जागरूक किया जाएगा। विशेषज्ञों द्वारा दुर्घटना से बचाव, नियमों के पालन और फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका पर चर्चा की जा रही है। समाज में जागरूकता फैलाना है।

वेस्ट यूपी की विद्युत उपभोक्ता सेवा रेटिंग अन्य राज्यों से बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी रेटिंग आई 86.57 ए प्लस, जबकि पहले थी 57.51
- असम की 80, हरियाणा की 74, मध्य प्रदेश की 71, आंध्र प्रदेश की है 65 रेटिंग

अमृत विचारः प्रदेश के बिजली विभाग की सेवाओं के बारे में शायद ही कोई संतुष्ट हो, लेकिन केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा विद्युत उपभोक्ता सेवा को लेकर जो रेटिंग जारी की गई है, उसमें पश्चिमांचल निगम प्रदेश भर में टाप पर है। खास बात यह है कि विकसित राज्य माने जाने वाले हरियाणा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश से भी बेहतर रेटिंग आई है। इससे बिजली कर्मचारियों मे खासा उत्साह है।

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा रेटिंग के मुताबिक यूपी पावर कारपोरेशन के पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की रेटिंग 86.57 ए प्लस है। जबकि बीते साल 57.51 क रेटिंग थी। जाहिर है कि एक साल में बिजली उपभोक्ता सेवा के मामले में खासा बेहतर कार्य किया गया। जबकि रिकार्ड गवाह है कि हरियाणा जैसा विकसित राज्य भी पश्चिमांचल वितरण निगम से पीछे है। हरियाणा की 74.44, मध्य प्रदेश की 71.85, असम की 80.99, छत्तीसगढ़ की 70.40, आंध्र प्रदेश की रेटिंग 65.00 दर्ज की गई है।

इसी तरह दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम ने भी अपनी सेवाओं में काफी प्रयास किया है। पहले जहां रेटिंग 11.23 थी, जो कि बढ़कर 45.04 हो गई है। वितरण निगम की हानियां घटकर 15.51 फीसदी रह गई हैं, जो राष्ट्रीय मानक के लगभग बराबर है। वहीं कलेक्शन एफिशिएंसी 95 फीसदी दर्ज की गई है, जो निगम के वित्तीय अनुशासन और कार्यक्षमता को दर्शाती है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम का स्कोर 18.76 से बढ़कर 29.38 हो गया है।

निजीकरण का फैसला वापस लिया जाए : शैलेन्द्र

प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि ताजा रेटिंग में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसलिए अब सरकार को निजीकरण का फैसला वापस लेना चाहिए। जब दोनों निगमों की कार्यक्षमता लगातार बेहतर हो रही है, तो निजीकरण का कोई औचित्य शेष नहीं रह जाता। ऐसा होने पर विभाग के कर्मचारी दोगुनी ऊर्जा से काम करेंगे।

प्रेमिका को वीडियो भेजकर युवक ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर के रावतपुर में हुई घटना, परिवारवालों में मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किसी के जाने पर मैं तंग आ गया हूं। इसलिए अपने आप को खत्म कर रहा हूं। रावतपुर में युवक ने अपने वाट्सएप स्टेटस पर दो-तीन लाइनें लिखकर फंदे से लटक गया। आत्महत्या से पहले युवक ने अपनी प्रेमिका को पंखे से लटकता हुआ फंदे का वीडियो बनाकर भी भेजा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। स्टेटस देखकर दोस्त ने उसके परिजनों को भागकर बताया। घरवाले जब तक मौके पर पहुंचे, युवक की सांसे थम चुकी थीं। परिजनों में चींख-पुकार मच गई। पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

बलिया निवासी लकी सिंह उर्फ राजा (29) रावतपुर में छपेड़ा पुलिया के पास स्थित आनंदेश्वर भोजनालय में केयर टेकर था। माता-पिता की मौत के बाद उसके फूफा बृजेश ने उसकी परवरिश की। वह 2014 से फूफा के घर रावतपुर में रहता था। बृजेश ने बताया कि जनवरी माह में वह बर्रा की एक युवती के संपर्क में आया था। उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती की शादी तय होने के बाद वह तनाव में था। सोमवार शाम वह पत्नी सुनीता के साथ लखनऊ के चंद्रिका देवी मंदिर में दर्शन करने गए थे, जबकि उनका बेटा आर्यन घर पर ही था। आर्यन ने बताया कि सोमवार रात करीब 10 बजे वह रोटी लेने भोजनालय गया था, तब उसने रोटी बनाते हुए लकी का वीडियो भी बनाया था। रात करीब 11 बजे रोटी लेकर वह घर आया। इसके बाद लकी ने भोजनालय में लगे पंखे पर फंदा बांधा। उसका वीडियो बनाकर प्रेमिका को भेजा।

स्टेटस पर लिखा, मैं तंग आ गया हूं

- युवक ने स्टेटस पर लिखा कि मैं अपनी लाइफ बिना किसी दबाव व कहे, किसी के जाने पर खत्म कर रहा हूं। प्लीज किसी पर कोई कार्रवाई न की जाए। क्योंकि सबने मेरा साथ दिया। अपनी लाइफ से मैं तंग आ गया हूं, इसलिए अपने आप को खत्म कर रहा हूं।

विदेश में लगने वाली थी नौकरी

- फूफा बृजेश ने बताया कि लकी को अर्थ मूवर्स का कोर्स कराया था। उसकी विदेश में नौकरी लगने वाली थी। इस कोर्स में भारी मशीनरी जैसे एक्सकेवेटर, जेसीबी, बुलडोजर, लोडर संचालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। विशेषकर खुदाई और मिट्टी हटाने का तकनीकी कौशल सिखाया जाता है।

डॉ. घनश्याम हत्याकांड में दो दोषियों को उम्रकैद

सुलतानपुर, अमृत विचारः डॉ. घनश्याम तिवारी हत्याकांड में मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए दोषी अजय नारायण सिंह और दीपक सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। अदालत ने अजय नारायण सिंह पर एक लाख 20 हजार रुपए अर्थदण्ड लगाया वहीं दोषी दीपक सिंह पर कोर्ट ने 90 हजार रुपए अर्थदण्ड लगाया।

कोर्ट ने अर्थदण्ड की सम्पूर्ण रकम बतौर क्षतिपूर्ति मृतक की पत्नी को देने का आदेश भी दिया है। फैसले के मद्देनजर अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। वादिनी निशा तिवारी की सुरक्षा में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी पवन दूबे और वादिनी निशा तिवारी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने प्रभावी पैरवी करते हुए दोषियों को सजा दिलाने में सफलता पाई।

रामनवमी पर रामलला धारण करेंगे पीला वस्त्र

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः रामनवमी पर रामलला पीला वस्त्र धारण करेंगे। सोने का मुकुट धारण करेंगे। हीरा पन्ना जड़ित स्वर्ण आभूषण से उनका श्रृंगार होगा। भूतल पर प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद तीसरी बार उत्सव मनाया जा रहा है। वहीं प्रथम तल पर विराजमान राजा राम के रूप में पहली बार उत्सव होंगे। जहां राजशाही दरबार सजेगा।

राममंदिर में भगवान श्रीराम लला की जन्मोत्सव को बेहद खास स्वरूप में मनाए जाने की तैयारी है। इसको लेकर मंदिर में विशेष रूप से धार्मिक और संगीत में कार्यक्रम संपन्न किया,जा रहे हैं। राम जन्मोत्सव के दिन 27 मार्च को दोपहर 12 बजे रामलला के जन्म पर प्राकट्य आरती का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भी इस अलौकिक दृश्य को देख सकेंगे।

रामनवमी पर इस तरह पीला वस्त्र धारण करेंगे रामलला।

हनुमानगढ़ी और नागेश्वरनाथ मंदिर के बाहर बिछायी जाएगी मैट, धोये जा रहे हैं घाट

अयोध्या, अमृत विचार : रामनवमी पर्व पर अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नगर निगम द्वारा सरयू तट पर जेटिंग मशीनों से नियमित घाटों की धुलाई कराई जा रही है। नागेश्वर नाथ और हनुमानगढ़ी मंदिर के पास जालीदार मैट बिछाई जा रही है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख मार्गों और क्षेत्रों में मैट बिछाने की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्रों में स्वीपिंग मशीनों से नियमित सफाई हो रही है। घाट क्षेत्रों में 68 अस्थाई और नौ स्थाई नि:शुल्क चेंजिंग रूम स्थापित किए गए हैं। सरयू के सभी घाटों पर अस्थाई नि:शुल्क बायो टॉयलेट लगाए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र में 81 वाटर कूलर और 25 वाटर कियोस्क स्थापित किए गए हैं। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के रामनवमी का पर्व मना सकेंगे।

रुदौली बीडीओ निलंबित

अयोध्या, अमृत विचार : प्रदेश शासन ने रुदौली के बीडीओ अमित कुमार त्रिपाठी को निलंबित कर दिया। उन पर मनरेगा में 10 फीसदी कमीशन और अनियमित रूप से वेतन रोकने, अनियमित प्रतिकूल प्रविष्टि के जरिए कर्मियों के उत्पीड़न का आरोप है। उन्हें ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय से संबंद्ध किए जाने की बात बताई गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या
NER-BSB0SnT-OT-15-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग. एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली ई–निविदा" आमंत्रित की जाती है :– **क्रमांक-1,** निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नामः NER-BSB0SnT-OT-15-2026: कार्य का नामः वाराणसी मंडल के मऊ, बलिया, सीवान, देवरिया और छपरा स्टेशनों पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (IPIS) का दो वर्षीय कॉम्प्रिहेंसिव AMC, **विवरणः** अनुमानित लागत (रू० में): ₹ 85,60,111.02, बयाना की राशि (रू० में): ₹ 1,71,200/-, निविदा प्रपत्र की कीमतः ₹ 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 780 दिवस, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समयः 17-04-2026 को 15:00 बजे।
(1) ई–निविदा दिनांक 17-04-2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा।
(2) पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिंग. एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिगनल-119 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **16.04.2026** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

1.	निविदा सूचना संख्या	00272026 दिनांक 21.03.2026			
2.	निविदा संख्या	1.	34-SrDEN-V-LKO-2025-26	2.	35-SrDEN-V-LKO-2025-26
		3.	36-SrDEN-V-LKO-2025-26	4.	37-SrDEN-V-LKO-2025-26
3.	कार्य का नाम	1.	Sr.DEN&V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, ADEN/AYC के अधीन SSE/W/AYC के AYC में यार्ड ड्रेन का निर्माण कार्य एवं ABP.SLW सेक्शन में शेष कार्य।		
		2.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पुलों पर स्टील चैनल स्लीपरों के स्थान पर H-Beam स्लीपरों को लगाना। (प्रा.सं. 18–2025 & 39–2026)		
		3.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ADEN-AYC के अधीन, SSE-W-AYC सेक्शन में (AY और AYC को छोड़कर) ABP (Ex.) से DYD स्टेशन तक स्टेशन भवन की मरम्मत का कार्य। (प्रा.सं. 38–2026)		
		4.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ADEN/AYC खंड में पुल का विविध मरम्मत कार्य। (प्रा.सं. 37–2026)		
4.	अनुमानित लागत	1.	Rs. 3,28,81,100.85	2.	Rs. 2,61,50,224.36
		3.	Rs. 1,99,91,966.96	4.	Rs. 49,99,248.13
5.	धरोहर राशि	1.	Rs. 6,57,700.00	2.	Rs. 5,23,000.00
		3.	Rs. 3,99,900.00	4.	Rs. 1,00,000.00
6.	कार्य की समापन अवधि	1 एवं 2 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह।		
		3 एवं 4 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।		
7.	निविदा डालने का प्रारंभ	02.04.2026			
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	16.04.2026 at 15:00 hrs			
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in			

नोटः– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 977/26

कॉल रिसीव न करने पर पत्नी को मार डाला

सुलतानपुर में वारदात

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार : धनपतगंज थाना क्षेत्र के सेवरा चरथई गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पति ने महज फोन न उठाने से नाराज होकर अपनी पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय घर में मौजूद बच्चों ने मां को बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उन्हें भी धक्का देकर अलग कर दिया।

जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय नकछेद मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। सोमवार को काम के दौरान उसने पत्नी कुसुम को कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर वह गुस्से में आ गया। रात में घर पहुंचकर उसने पत्नी के साथ मारपीट की।

बताया जा रहा है कि सुबह दोबारा विवाद हुआ और आरोपी ने डंडे से हमला कर दिया, जिससे कुसुम गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों से वार्ता के बाद टला वकीलों का उग्र प्रदर्शन

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में मंगलवार को प्रस्तावित वकीलों का आंदोलन प्रशासनिक पहल के बाद टल गया। हालात बिगड़ने की संभावना के बीच पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुई बातचीत ने माहौल को शांत कर दिया। बता दें कि फरवरी में भिटरिया इलाके में हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान दर्ज हुए मुकदमे को लेकर अधिवक्ताओं में असंतोष था। इसी को लेकर सोशल मीडिया पर कोतवाली और भिटरिया चौराहे पर प्रदर्शन की बात सामने आई, हालांकि पुलिस ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। मंगलवार सुबह से ही कोतवाली परिसर के साथ-साथ प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इसी बीच अधिवक्ताओं का एक समूह थाने पहुंचा और अधिकारियों से सीधे बातचीत की। पिछले मामले में आरोप था कि पुलिस ने एक युवक को घर से उठाकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया, जिसके विरोध में लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था। उसी प्रकरण में कुछ लोगों पर केस दर्ज किया गया, जिससे अधिवक्ता नाराज थे। मंगलवार को हुई बातचीत के दौरान अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच व कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद अधिवक्ताओं ने अपना प्रस्तावित आंदोलन वापस ले लिया। सीओ हैदरगढ़ समीर कुमार सिंह ने बताया कि अधिवक्ताओं द्वारा दिया गया पत्र अधिकारियों के समक्ष भेजा जा रहा है।

सूचना

सर्वसूचित हो कि मेरी इंटरमीडिएट वर्ष 2009 अनुक्रमांक 690196 की मूल अंकतालिका व प्रमाणपत्र वास्तव मैं खो गई है जिसका प्रयोग अवैध है। **आकांक्षा सिंह पुत्री फतेह बहादुर सिंह नि0– जुगुल बिहार कॉलोनी फैजुल्लागंज लखनऊ।**

निविदा सूचना

पत्रांक : 494/2025–26 दिनांक : 24.03.2026

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ की वार्षिक पत्रिका प्राची के सत्र 2024–25 एवं 2025–26 के अंक का प्रकाशन किया जाना है। साथ ही वर्ष 2026–27 में प्रवेश की आनलाइन प्रक्रिया हेतु पोर्टल प्रारम्भ किया जाना है एवं छात्राओं के आर एफ.आई.डी. परिचय पत्र भी छपने हैं। इस हेतु अनुभवी एवं प्रतिष्ठित फर्मों से मुहरबन्द निविदायें दिनांक 02 अप्रैल, 2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। फर्म का जी.एस.टी. एवं पैन नं. होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाओं को 02 अप्रैल, 2026 को अपराह्न 3:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोला जायेगा। निविदा के साथ रु.10000.00 की प्रतिभूति के रूप में बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी. लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदा प्रकिया को निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।

प्रोफेसर –**रश्मि बिश्नोई**
प्राचार्य

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–कार्य निविदा सूचना
संख्या 10-TMC-AC-GENSET-2025-26
दिनांक 23.03.2026

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–कार्य निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 खुली निविदा संख्या तथा खुलने की तिथिः** 10-TMC-AC-Genset-2025-26 due on 14.04.2026 **संक्षिप्त विवरणः** एयर कंडीसनर एवं 10 केवीए डीजी सेट की आपूर्ति इन्सटालेसन तथा कमिशनिंग का कार्य उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी के अन्तर्गत विभिन्न एन ई आर के ट्रैक मशीनो पर किया जाने का कार्य एन आई टी में दिये गये शेड्यूल–ए एवं शेड्यूल–बी, के अनुसार करना। **आवश्यक मात्रा :** एनआईटी में दिये गये शिडयूल के अनुसार। **कार्यस्थल :** वर्क साइट, विभिन्न एनईआर के लोकेशन पर कार्य करना। **कार्य समापन अवधिः** 06 माह। **अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) :** रु. 77,89,712.70 **बयाना राशि (रु.) :** रु. 1,55,800.00 नोटः 1. उपरोक्त ई–खुली कार्य निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचना एवं निविदा प्रपत्र वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर निविदा बन्द होने की तिथि को 15.00 बजे तक रहेगी। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई–बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये की अपना I.T. Act - 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. दर, फाइनेन्शियल दर के पेज पर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ ही विचार किया जायेगा। इससे इतर, वेन्डरों द्वारा अन्य वित्तीय इन्ट्री किसी अन्य रूप/लेटर हेड के साथ संलग्न करने पर विचार नहीं किया जायेगा। 4. संलग्न किये जा रहे प्रपत्र पर निविदाकर्ता का हस्ताक्षर आवश्यक है। 5. बयाना राशि ऑनलाईन जमा किया जायेगा। 6. जो निविदाकार अपना आफर देते समय ऐसी शर्ते जो टेण्डर डाक्यूमेन्ट में निहित शर्तो से अलग हो एवं जिनका फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बनता हो, यदि देना चाहें तो, उन शर्तो का फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बताना होगा, इसके लिये प्रमाणित दस्तावेज के साथ गणना शीट अपने आफर के साथ संलग्न करना होगा ताकि उस दशा में फाइनेन्शियल शर्त का प्रभाव निकाल कर निविदाओं को इन्टर–से–पोजिशन ज्ञात किया जा सके। यदि कोई निविदाकार बिना फइनेन्शियल इम्पलीकेशन की गणना शीट दिये बिना ऐसी शर्ते देता है तो ऐसे आफर/निविदा को Summarily Reject कर दिया जायेगा, जिसके लिये रेलवे प्रशासन कोई भी पत्राचार स्वीकार नही करेगा। 8. यदि कोई कठिनाई आती है तो हेल्प डेस्क IREPS की वेबसाईट पर उपलब्ध है जिससे सम्पर्क किया जा सकता है।

सहा0 अधि0अभि0/टीएमसी/II
मुजाधि/डब्लू–524 **गोरखपुर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पब व होटल में ड्रग सप्लाई करने वाले दो गिरफ्तार

कार्रवाई

- **एसटीएफ की टीम ने तस्करों को चारबाग से दबोचा, लाखों का माल बरामद**
- **लखनऊ के रास्ते नेपाल भागने की फिराक थे दोनों तस्कर**
- **एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जुटा रही जानकारी**

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : महाराष्ट्रा के रिहायशी पब, होटलों व पार्टियों में ड्रग की आपूर्ति करने वाले गिरोह का खुलासा एसटीएफ ने किया। एसटीएफ की टीम ने इस गिरोह के दो सदस्यों को चारबाग स्टेशन से दबोचा है। दोनों मुंबई पुलिस को लंबे समय से चकमा दे रहे थे। लखनऊ के रास्ते नेपाल भागने के फिराक में थे। आरोपियों से पूछताछ में बड़े गिरोह के बारे में जानकारी मिली है। एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की कुंडली खंगाल रही है।

एसटीएफ डिप्टीएसपी धर्मेश कुमार शाही के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में हरदोई के संडीला स्थित बेनीगंज निवासी भावेश चौहान उर्फ लालू और मुंबई के नाला सोपारा स्थित भाई ज्योति बिल्डिग अल्कापुरी निवासी शोएब अशरफ पठान उर्फ बटला शामिल है।

दोनों के खिलाफ थाना नायगांव, मीरा-भाईंदर (महाराष्ट्र) में रिपोर्ट दर्ज है। मुंबई क्राइम ब्रांच की सूचना पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए सोमवार शाम करीब छह बजे चारबाग रेलवे स्टेशन आरोपियों की तलाश शुरू की। पुष्टि होने पर एसटीएफ टीम ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पांच वर्ष से कर रहे थे तस्करी

एसटीएफ की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले चार–पांच वर्षों से अंतर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। वे बाजार में उपलब्ध केमिकल से ब्राउन शुगर तैयार कर उसे मुंबई के पब, होटलों और निजी पार्टियों में सप्लाई करते थे। पांच फरवरी 2026 को वसई–विरार क्षेत्र में ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद वे मुंबई से फरार हो गए थे। बचने के लिए नेपाल भागने की योजना बना रहे थे। एसटीएफ के अनुसार, मुख्य आरोपी भावेश चौहान पर हत्या के प्रयास, मारपीट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ महाराष्ट्र के संबंधित थाने में कार्रवाई की जा रही है। एसटीएफ अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

केमिकल से बनाते थे ब्राउन शुगर

गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वह अपने गिरोह के साथ मिलकर केमिकल से ब्राउन शुगर बनाते थे। दोनों आरोपियों ने बताया कि वह पबों, होटलों व पार्टियों में ड्रग की तस्करी ऑन डिमांड करते थे। एसटीएफ इस बारे में पता कर रही है कि दोनों आरोपियों की लखनऊ में रुकने में किसने मदद की। इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

हेतु संदर्भित सूचना
सामान्य वाद सं. 42/25
तारीख पेशी 2/4/2026
न्यायालय श्रीमान् न्यायधिकारी महोदय ग्राम न्यायालय करनैलगंज गोंडा।
आनंद कुमार
बनाम
शंकर संहाय
वाद स्थाई निषेधाज्ञा

चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह निवेदन किया है। की प्रतिवादीगण शंकर संहाय पुत्र श्रीराम, विजय कुमार पुत्र शिव संहाय, राम समुझ पुत्र मानदीन, देशराज, चंद्रिका, सुरेश, रमेश, राजकिशोर पुत्रगण साधूराम निवासी ग्राम सरैया परगना ग्वारिच तहसील करनैलगंज गोंडा। अतः आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हेतु संदर्भित करने के लिए दिनांक 2/4/26 को 10 बजे पूर्वान्ह स्वयं और सम्यक का अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में सफल न रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

हस्ताक्षरित न्यायधिकारी
ग्राम न्यायालय करनैलगंज गोंडा।

सऊदी भेजने के नाम पर पांच लोगों से लाखों रुपये की ठगी

धोखाधड़ी

रामनगर, टिकैतनगर बाराबंकी

अमृत विचार : विदेश भेजने के नाम पर ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। आरोपियों ने पीड़ितों से साढ़े पांच लाख रुपये से अधिक की रकम ऐंठ ली। एक मामले न विदेश भेजा और न ही रुपये ही वापस किए। दोनों ही मामलों की शिकायत पुलिस से की गई है।

पहला मामला कोतवाली रामनगर क्षेत्र का है, जहां मोहम्मद हारिश ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने सऊदी अरब में नौकरी के लिए एजेंट मोहम्मद नदीम खान से संपर्क किया। एजेंट ने होटल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर चार लोगों के पासपोर्ट व मेडिकल प्रमाण पत्र मुम्बई स्थित एक कार्यालय में मंगवाए।

इसके बाद अलग-अलग किस्तों में करीब 4.40 लाख रुपये यूपीआई के माध्यम से ले लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि 20 जनवरी 2025 को फर्जी एयरलाइंस टिकट व वीजा भेज दिया गया। तब से आरोपी न तो विदेश भेज रहा और न ही उसके रुपये वापस कर रहा है। रुपये मांगने पर पीड़ित को ही धमकी दी जा रही है। दूसरा मामला टिकैतनगर थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां ग्राम अजईमऊ निवासी जगमता ने न्यायालय में शिकायत करते हुए बताया कि उनके बेटे को सऊदी अरब भेजने के नाम पर दरियाबाद निवासी अनीस खान ने 1.20 लाख रुपये ले लिए।

पीड़िता का आरोप है कि बेटे को फर्जी टूरिस्ट वीजा पर विदेश भेज दिया गया, जहां वह परेशान होकर भटक रहा और संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। जब पैसे वापस मांगने या बेटे को वापस बुलाने की बात कही गई तो आरोपी ने गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का यह भी आरोप है कि वह कई दिनों तक टिकैतनगर व दरियाबाद थानों के चक्कर लगाती रही, लेकिन उसकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

हस्तशिल्प एवं हथकरघा प्रदर्शनी आज से

लखनऊ, अमृत विचार : राज्य स्तरीय हस्तशिल्प एवं हाथकरघा प्रदर्शनी-2026 का आयोजन संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरधा विकास निगम भोपाल द्वारा 25 मार्च से 3 अप्रैल तक सरस्वती विद्या मंदिर, माधव सभागार, निरालानगर में किया जाएगा। इसमें लगभग 35 से 40 बुनकर/शिल्पी अपनी स्वनिर्मित कलाकृतियो का प्रदर्शन सह विपणन करेगे। प्रदर्शनी में 1930 के दशक की रेशम, किनार, चन्देरी, मसलिन, कॉटन साड़ियां, देवी अहिल्या बाई होल्कर नगरी की महेश्वर साड़ियां, मध्यप्रदेश का विशेष बाग प्रिंट जिसे 12 जड़ी-बूटियों से प्रिंट किया गया है। यह जानकारी अरविन्द शर्मा ने दी है।

गोमती में मिला लापता वृद्ध का शव

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : असंद्रा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नौ दिन पहले लापता वृद्ध का क्षत विक्षत शव गोमती नदी में उतराता मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे वाछिल मजरे जरौली निवासी रामसेवक (70) गत 14 मार्च को घर से अचानक लापता हो गए थे। परिजन इनकी तलाश कर रहे थे वहीं पुलिस की ओर से गुमशुदगी की सूचना भी प्रसारित की गई पर कुछ पता नहीं लगा। मंगलवार को ग्रामीणों ने बाजपुरा घाट के पास गोमती नदी में शव उतराता देखा तो पुलिस को बताया।

कार्यालय समुचित सरकार/जिला कलेक्टर, अयोध्या।

संख्या 1398/वि0भू0अ0अ0/2026 दिनांक 17 मार्च 2026

प्रारूप–1

[नियम–3 का उपनियम(1)]

सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु प्रारम्भिक अधिसूचना

एस0आई0ए0 अधिसूचना

राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्र के ग्राम स्तर से सम्बन्धित पंचायत से परामर्श करके निम्नांकित भूमि के अर्जन का प्रयोजन करेगी और लोक हित में सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन को क्रियान्वयन करेगी। भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 की धारा–4 में दिये गये प्राविधान के अन्तर्गत अध्ययन किया जायेगा।

1	अपेक्षक निकाय का नाम	लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 निर्माण खण्ड–3, अयोध्या।
2	प्रस्तावित भूमि अर्जन का उद्देश्य	जनपद अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण हेतु।
3	संगठन जिसके द्वारा अध्ययन किया जायेगा	M/S ATLAS MANAGEMENT CONSULTANCY SERVICES PVT. LTD.
4	संगठन का सम्पर्क विवरण	ACACIA-E/104, TOWER-10, OMAXE RESIDENCY-2, GOMTINAGAR EXTENSION, NEAR POLICE HEADQUARTERS, LUCKNOW-226002, U.P. Mob.No. 9044488350, 9431105022
5	भूमि का विवरणः–	

जिला	तहसील	ग्राम	गाटा संख्या	प्रस्तावित क्षेत्र (हे0में)
अयोध्या	सदर	कुढ़ाकेशवपुर उपरहार	643	0.024898

- ➢ प्रस्तावित परियोजना से होने वाले लाभ तथा संक्षिप्त विवरणः– अयोध्या धाम में कार्तिक माह की नौमी तिथि को होने वाली चौदह कोसी परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत मार्ग का चौड़ीकरण नितान्त आवश्यक है।
- ➢ परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्रफलः–0.024898 हे0
- ➢ क्या ग्राम सभा और/अथवा भू–स्वामी की सहमति की आवश्यकता हैः– प्रस्तावित निजी भूमि को अधिनियम–2013 के अन्तर्गत अर्जित किया जाना प्रस्तावित है।
- ➢ सामाजिक समाघात निर्धारण की पूर्ण होने की तिथिः– सामाजिक समाघात निर्धारण नियमानुसार 06 माह की अवधि में पूर्ण कराया जाना अपेक्षित है।

टिप्पणीः– कलेक्टर (भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ), अयोध्या के कार्यालय में सभी कार्य दिवसों में विस्तृत विवरण देखा जा सकता है।

आज्ञा से
समुचित सरकार/
कलेक्टर,
अयोध्या।

UP - 248841 दिनांकः 23/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम सोबरन सिंह पुत्र नन्दलाल सिंह अंकित है जो कि शुद्ध व सही है। इसे विधिक – विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। **सोबरन सिंह पुत्र नन्दलाल सिंह निवासी ग्राम बखरा परसौली कानपुर देहात**

सूचना

आधार कार्ड में मेरा नाम गलती से वैदेही पाण्डेय (VAIDEHI PANDEY) दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम बैदेही पाण्डेय (BAIDEHI PANDEY) है। अतः मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **बैदेही पाण्डेय पुत्री राजेश पाण्डेय निवासी पीलीभीत सेखुईकला जिला बलरामपुर।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Hamidullah Khan से बदलकर Hamidullah रख लिया है। भविष्य में मुझे Hamidullah S/O Mohammad Rafeek के नाम से जाना व पहचाना जाए। Add- Devria Alawal, Gonda, Uttar Pradesh

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD KURBAN से बदलकर MO-KURBAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD AMEEN ADD-PREM NAGAR BARORA HUSAIN BARI NEAR AJEET GAIS GODAM CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ANAS से बदलकर ANAS QAMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KAMRUDDIN ADD-TEDHI BAJAR, BANGARMAU, DIST-UNNAO-241501 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम KALIMULLA KHAN से बदलकर KALIMULLA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SAMIULLA ADD-VILL-KADIPUR, MOTIPUR, DIST-LAKHIMPUR KHERI-262725 (U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड में मेरा नाम अमीर अहमद पुत्र कसीम दर्ज है, जबकि ड्राइविंग लाइसेंस में तार बाबू पुत्र कसीम अंकित है। दोनों नाम के एक ही व्यक्ति हैं। प्राथह्र ड्राइविंग लाइसेंस में भी अमीर अहमद दर्ज करवाना चाहता है। मुझे अब अमीर अहमद पुत्र कसीम के नाम से जाना व पहचाना जाए। **अमीर अहमद पुत्र कसीम घासीपुर, पोस्ट फखरपुर जिला बहराइच मो. नं.** 9984572386

सूचना

पहले मेरा नाम फातिमा खातून (FATIMA KHATOON) था अब मैं अपना नाम बदल कर फातिमा बुतूल (FATIMA BUTOOL) रख रही हूँ अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। D/o- DILDAR HUSAIN KHAN, VILL AND POST-GORABARIK, Thana, KOTWALI NAGAR DIST-SULTANPUR U.P.- 228001

सूचना

मेरे पुत्र का नाम भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या 218505743 में त्रुटिवस श्रेय सोनी दर्ज है। जबकि आधारकार्ड व अन्य अभिलेखों में शौर्य सोनी दर्ज है। दोनों नाम मेरे पुत्र के है। अतः अब मेरे पुत्र को शौर्य सोनी के नाम से जाना पहचाना व भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी में दर्ज किया जाए। **सुरेश कुमार सोनी पुत्र देव नारायण निवासी ग्राम व पोस्ट खीरो, थाना खीरो, तहसील लालगंज, जनपद रायबरेली**

सूचना

मेरा एक किता मूल दस्तावेज बैनामा दिनांक 9.2.2011 जो सब–रजिस्टर कार्यालय गोण्डा में बुक संख्या 1 जिल्द 6252 में पेज 243 से 272 तथा क्रमांक 1329 पर पंजीकृत हुआ था। जिसके विक्रेता अवधेश कुमार आदि तथा क्रेता वीरेन्द्र सिंह थे जो कही खो गया है। जिसका काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिला। **प्रार्थी– कृष्ण मुरारी शुक्ला पुत्र बच्चा राम शुक्ला निवासी– माधोपुर (दामोदर पुरवा) परगना ग्वारीच, तहसील–, तरबगंज जिला गोण्डा।**

नीलामी सूचना

दिनाँक 06–04–2026 मध्यान्ह 12.30 बजे कार्यालय सहायक आसूचना ब्यूरो, 110–माल एवेन्यू लखनऊ में निष्प्रयोज्य कम्प्यूटर/सहवर्ती उपकरणों, बैट्रियों आदि की नीलामी होगी। जिसमें केवल अधिकृत ई–वेस्ट, हैजर्डस, डिस्मेन्टलर एवं रिसाइकलर तथा जी0एस0टी0 पंजीकृत फर्मे, आधार, पैनकार्ड के साथ सिक्योरिटी रू0 5000.00 नगद, प्रातः 10.00–12.00 बजे तक जमाकर सामग्रियां निरीक्षण करने के उपरान्त प्रतिभाग करें **आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स**

सूचना

मेरा एक किता मूल दस्तावेज बैनामा दिनांक 22.07.2008 जो सब–रजिस्टर कार्यालय गोण्डा में बुक संख्या 1 जिल्द 4886 में पेज 181 से 202 क्रमांक 7846 पंजीकृत हुआ था। जिसके विक्रेता श्रीमती कृष्ण कुंवरि तथा क्रेता जीत बहादुर सिंह थे, जो कही खो गया है। किसी अन्य के द्वारा इसका उपयोग अवैध होगा **प्रार्थी0– मुनीन्द्र नाथ पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, निवासी – 1400 गायत्री पुरम कालोनी, जिला गोण्डा।**

सूचना

मेरे पुत्र की पालिसी संख्या 239 571 416 में उसका घरेलू नाम आदित्य कुमार दर्ज हो गया है जबकि आधार व अन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का सही नाम आदी (Aadi) है। मेरा पुत्र आदित्य कुमार और आदी दोनों नाम से जाना पहचाना जाता है। मेरे पुत्र की जन्म तिथि अभिलेखों में 26– 3– 2017 अंकित है। मैं/**महेश कुमार पुत्र श्यामलाल निवासी बाईपास रोड लालगंज रायबरेली।**

सूचना

मै **नीतू पत्नी अनिल कुमार, निवासी मकान न0 4/763 सेक्टर एच, जानकीपुरम् लखनऊ 228021,** मेरे तीन बच्चे क्रमशः पुत्री अनामिका पान्डेय कक्षा 8, अनन्या पान्डेय कक्षा 5 पुत्र अयान्स पान्डेय कक्षा 2 में शिक्षा ग्रहण कर रहे है। मेरा नाम विद्यालय में पुत्री अनामिका पान्डेय कक्षा 8, अनन्या पान्डेय कक्षा 5 पुत्र अयान्स पान्डेय कक्षा 2 के दस्तावेजो में त्रुटिवश नीतू पान्डेय लिख गया है जबकि मेरा नाम नीतू है। अतः मेरे पुत्री व पुत्र के विद्यालय से सम्बन्धित दस्तावेजो में मेरा नाम नीतू अंकित किया जाय।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब के साथ दो लोग गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना डिडई पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रशांत ने प्रेसवार्ता कर बताया कि कार में अवैध रूप से नेपाल ले जाई जा रही कुल 475 अदद (750 एमएल) अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने अपने सनी निवासी शिवनगर उन्नाव बाइपास थाना कोतवाली उन्नाव व हाल पता 779/2 मुण्डका विलेज मुण्डका पश्चिमी थाना मुण्डका नई दिल्ली तथा मानबहादुर निवासी पूर्वा खोला 04 थाना पूर्वी 4 खोला जिला पालपा अंचल लुम्बनी राष्ट्र नेपाल बताया है। पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

आवंटी को कब्जा दिलाना व सुरक्षा एसडीएम की जिम्मेदारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमीन आवंटन से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए उपजिलाधिकारी को याद दिलाए उनके दायित्व

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमीन आवंटन से जुड़े मामले में कहा कि जमीन आवंटन के बाद उपजिलाधिकारी (एसडीएम) की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती, बल्कि उन्हें आवंटी के कब्जे की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है। जब तक भूमि का स्वामित्व राज्य के पास रहता है।

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 65 का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने कहा कि एसडीएम का यह वैधानिक कर्तव्य है कि वे अवैध कब्जों को हटाकर आवंटी को वास्तविक और सुरक्षित कब्जा दिलाएं। कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि एसडीएम की भूमिका केवल प्रारंभिक कब्जा दिलाने तक सीमित मानी जाए, तो कमजोर वर्ग के लोग अपने अधिकारों से वंचित हो सकते हैं, जो कानून के उद्देश्य के विपरीत होगा। मामले के तथ्यों के अनुसार याची महिला को वर्ष 2012 में भूमि आवंटित हुई थी। पति की मृत्यु के बाद जब उसने निर्माण का प्रयास किया, तो कुछ लोगों ने उसे धमकाते हुए भूमि पर कब्जे की कोशिश की। प्रशासन से शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने कहा कि राज्य यह कहकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकता कि भूमि की सुरक्षा केवल आवंटी का दायित्व है, चूंकि भूमि का स्वामित्व राज्य या ग्राम सभा के पास ही रहता है और आवंटी को भू-धारक का दर्जा नहीं मिलता, इसलिए राज्य और ग्राम पंचायत पर अतिक्रमण से संरक्षण का दायित्व बना रहता है। अतः कोर्ट ने संबंधित एसडीएम को निर्देश दिया कि वे याची की शिकायत पर संज्ञान लेकर कानून के अनुसार कार्रवाई करें और उसे उसकी भूमि पर सुरक्षित कब्जा दिलाना सुनिश्चित करें।

कारावास की सजा भरण-पोषण बकाए की वसूली से मुक्ति का विकल्प नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण की बकाया राशि की वसूली से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि बकाया राशि की वसूली से केवल इस आधार पर इनकार नहीं किया जा सकता कि पति इसके एवज में पहले ही एक माह के कारावास की सजा काट चुका है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कारावास केवल आदेश के अनुपालन के लिए दबाव का माध्यम हैं, न कि देय राशि के समापन का विकल्प। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरी की एकलपीठ ने मुरादाबाद की हसीना खातून की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने निचली अदालत, मुरादाबाद के 23 जनवरी 2023 के आदेश को विधि-विरुद्ध और त्रुटिपूर्ण ठहराया। उपरोक्त आदेश में ट्रायल कोर्ट ने 2.64 लाख रुपये के बकाया भरण-पोषण की वसूली से इनकार कर दिया था और केवल अक्टूबर 2022 से जनवरी 2023 तक की 32,000 रुपये की राशि के लिए ही रिकवरी वारंट जारी किया गया।

नोटिस के अभाव में भी वाद स्थानांतरण अमान्य नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाद स्थानांतरण के एक मामले में स्पष्ट किया कि सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के तहत किसी वाद के स्थानांतरण से पूर्व नोटिस जारी न किए जाने मात्र से स्थानांतरण आदेश स्वतः अमान्य नहीं हो जाता, जब तक कि संबंधित पक्षकार यह प्रदर्शित न कर दे कि उसे इससे वास्तविक हानि या पूर्वाग्रह हुआ है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति डॉ. योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की एकलपीठ ने शिव शंकर की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि सीपीसी के आदेश VII नियम 10 व 10ए के प्रावधान प्रक्रियात्मक प्रकृति के हैं और इन्हें धारा 24 के तहत निहित स्थानांतरण की व्यापक शक्तियों को सीमित करने के रूप में नहीं पढ़ा जा सकता। यदि किसी सक्षम न्यायालय में विधिवत स्थानांतरण द्वारा क्षेत्राधिकार संबंधी त्रुटि का प्रभावी निवारण हो चुका हो और किसी पक्ष को नुकसान न हुआ हो, तो वादपत्र की वापसी पर जोर देना "सार के ऊपर औपचारिकता" को प्राथमिकता देने जैसा होगा।

सभी के हित में कार्य कर रही भाजपा सरकार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के मौके पर 'नव निर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत मंगलवार को जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर की अध्यक्षता में लोहिया कला भवन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या व जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बोलते मंत्री अनिल राजभर।

- प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने कार्यक्रम में केंद्र व प्रदेश सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

प्रभारी मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के 11 व प्रदेश सरकार के 09 वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीब परिवारों को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर उनके जीवन स्तर को उठाने का कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं, नौजवानों, किसानों के हित में कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में सड़कों का निर्माण कराया जिससे आवागमन सुगम हो, मेडिकल कालेज स्थापित कराया गया जिससे लोगों को जनपद में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। किसानों को किसान सम्मान निधि, दिव्यांगों को पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, निःशुल्क खाद्यान्न आदि का लाभ मिल रहा है। उ0प्र0 में पहले बिजली एक सप्ताह दिन व रात में आती थी उ0प्र0 सरकार द्वारा बिजली व्यवस्था में सुधार करते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटा व शहरी क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करायी जा रही है।

पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने सिद्धार्थनगर के अपने दौरे में मंगलवार को अनेक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या के अध्यक्षता में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ समन्वयक बैठक की। जिसमें सरकार की 9 साल की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने और सरकार के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की। बैठक में पूर्व जिलस पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि, विपिन सिंह, विजयकांत, जिला मंत्री फतेहबहादुर सिंह, अजय उपाध्याय पूर्व मंत्री अरविंद उपाध्याय, उपाध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष मनोज कुमार मौर्य, आशीष शुक्ला, फूलचंद जायसवाल, रमेश मणि आदि उपस्थित रहे।

135 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मंगलवार को खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के सियरा सांथा स्थित एक निजी मैरिज हॉल में 135 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 132 हिंदू जोड़ों विवाह और तीन मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया गया। नवविवाहित जोड़ों को लैंगिक समानता की शपथ भी दिलाई गई। समारोह में पहुंचे खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, विधायक गणेश चंद्र चौहान, ब्लॉक प्रमुख कालिंदी चौहान, सीडीओ जयकेश त्रिपाठी ने नव दंपति जोड़ों को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

34 लाख कैश के साथ पकड़े गए तीन लोग

संवाददाता, मेंहदावल (संतकबीरनगर)

- जांच में जुटा आयकर विभाग संदिग्ध वाहन से मिली रकम

अमृत विचार। मेंहदावल-बौरव्यास मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 34 लाख रुपये नकद पकड़ा। मामले में वाहन सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पकड़ी गई धनराशि के संबंध में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

मेंहदावल थाना पुलिस राष्ट्रीय राजमार्ग बीएमसीटी से बौरव्यास जाने वाले मार्ग पर मंगलवार दोपहर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही वाहन में सवार तीनों लोग भागने लगे, जिन्हें मौके पर ही पकड़ लिया गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। पुलिस ने रकम को जब्त कर थाने लाया और तत्काल इसकी सूचना आयकर विभाग, गोरखपुर को दी। सूचना पर गोरखपुर से आयकर विभाग की टीम इंस्पेक्टर चंद्रमणि सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और नगदी की गिनती कर जांच शुरू की। पुलिस व आयकर विभाग की संयुक्त टीम हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बरामद धनराशि किसकी है और इसे कहां ले जाया जा रहा था। मामले को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान 34 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। मामले की जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों ने वार्षिकोत्सव में बिखेरा जलवा

गोरखपुर, अमृत विचार। एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्ड्री स्कूल, जटेपुर रेलवे कालोनी का वार्षिकोत्सव प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाये गये विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गान, अंग्रेजी कविता पाठ, हिन्दी नाटक, कवि सम्मेलन और समूह नृत्य जैसे विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को सदैव परिश्रम करते रहना चाहिए। कड़ी मेहनत एवं निरन्तर प्रयास से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।

गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण रेलवे के कोयम्बत्तूर नॉर्थ स्टेशन के नॉन इंटरलॉक कार्य के परिप्रेक्ष्य में गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। 24 मार्च को चलने वाली 22670 पटना-एरणाकुलम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग पोत्तनूर-इरुगूर-सुरतकल के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी का अतिरिक्त ठहराव पोत्तनूर स्टेशन पर दिया जायेगा। 29 मार्च को चलने वाली 12512 तिरुवनन्तपुरम उत्तर (कोच्चुवेली)-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग इरुगूर-पोत्तनूर-सुरतकल के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी का अतिरिक्त ठहराव पोत्तनूर स्टेशन पर दिया जायेगा।

27 व 28 को विशेष गाड़ी का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए 04074/04073 नई दिल्ली-कटिहार-नई दिल्ली विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 27 मार्च को तथा कटिहार से 28 मार्च को एक फेरे के लिए किया जायेगा। 04074 नई दिल्ली-कटिहार विशेष गाड़ी 27 मार्च को नई दिल्ली से 13.45 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 04073 कटिहार-नई दिल्ली विशेष गाड़ी 28 मार्च को कटिहार से 21.30 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा एस0एल0आर0 के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

रेलवे में पांच नए सुधारों को दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि 2026 के दौरान सुधार करने के भारतीय रेल के संकल्प के अनुरूप, पांच नए सुधारों को स्वीकृति दी गई है। इन नए सुधारों की मंजूरी के साथ, वर्ष 2026 के लिए सुधारों की कुल संख्या नौ हो गई है। श्री वैष्णव ने कहा कि वर्तमान "रिफॉर्म एक्सप्रेस" पहल के तहत, चार सुधारों की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और अब पांच नए सुधार पेश किए जा रहे हैं। इन पांच नए सुधारों में से दो माल ढुलाई से, एक निर्माण से और दो यात्रियों की सुविधा से संबंधित हैं। पांचवां सुधार नमक के परिवहन पर केंद्रित है।

कोडीन सिरप की बिक्री में तीन मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने कोडीनयुक्त सिरप की अवैध बिक्री के मामले में तीन मेडिकल स्टोर संचालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार देर शाम अलग-अलग स्थानों से आरोपितों को पकड़ा और मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस मामले में अब तक जनपद से कुल पांच लोग जेल जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार, करीब चार माह पहले ड्रग इंस्पेक्टर प्रीति सिंह ने गोला बाजार स्थित संकल्प मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान स्टोर से 100 एमएल की 4520 शीशी कोडीनयुक्त सिरप और प्रोक्सीविन स्पास कैप्सूल का एक सीलबंद कार्टन बरामद हुआ था। स्टोर संचालक द्वारा दस्तावेज उपलब्ध न कराए जाने पर ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर 21 नवंबर 2025 को कोतवाली खलीलाबाद में संकल्प मेडिकल स्टोर की संचालिका कल्पना देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पता चला कि उक्त स्टोर से लक्ष्मी मेडिकल स्टोर (गड़सरपार) के संचालक विवेक चौधरी, आदर्श मेडिकल स्टोर (मगहर) के संचालक मोहम्मद नईम और न्यू चौधरी मेडिकल स्टोर (बघौली) के संचालक विवेक कुमार चौधरी ने कोडीनयुक्त सिरप खरीदा था। पुलिस के मुताबिक, तीनों संचालकों ने बिना डॉक्टर के पर्चे के प्रतिबंधित सिरप की बिक्री की।

पेट्रोल पंपों पर देर रात तक उमड़ी रही भीड़

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच देश में पेट्रोलियम उत्पादों की किल्लत सामने आई है। इस बीच रह-रहकर अफवाहें भी उड़ रही हैं। इसी तरह मंगलवार को सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ी आने वाले दिनों में पेट्रोल व डीजल नहीं मिल पाएगा। इसी के बीच जिला मुख्यालय व उसके आसपास के पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ पड़ी। जिला मुख्यालय से लगभग सात किलोमीटर आगे करौंदा मशीना पेट्रोल पंप पर देर रात तक लोग लाइनों में लगकर दो पहिया व चार पहिया वाहनों में तेल भरवाते नजर आए। कुछ लोग गैलन लेकर पेट्रोल और डीजल भरवाने पहुंचे। जोगिया थाना अंतर्गत उक्त पेट्रोल पंप पर एक दरोगा की भी ड्यूटी लगा दी गई है। वहीं लोगों का यह भी हो सकता है पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाने वाली हो ऐसा भी कयास लगाया जा रहा है। फिलहाल देर रात तक पेट्रोल और डीजल को लेकर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

शहीद दिवस पर निकाली गई पदयात्रा

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचारः शहीद दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, रवींद्रनगर, पडरौना में जिला स्तरीय पदयात्रा का आयोजन किया गया।

मेरा युवा भारत कार्यक्रम की तहत पदयात्रा निकालते युवा।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ कोषाधिकारी सुनील कुमार यादव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता, जिला क्रीड़ा अधिकारी रवि कुमार निषाद, जिला युवा अधिकारी सचिन कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र तथा जिला अल्पसंख्यक अधिकारी भारत लाल गोंड द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके उपरांत युवाओं द्वारा शहीदों के पोस्टर के साथ जागरूकता पदयात्रा निकाली गई, जिसे उपस्थित अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। इस पदयात्रा की थीम "मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी" निर्धारित की गई थी। पदयात्रा के दौरान युवाओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयंती के उपलक्ष्य में दौड़ का किया गया आयोजन

कुशीनगर, अमृत विचारः मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाईन में लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती (अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026) के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस की भावना को मजबूत करने के लिए रिजर्व पुलिस लाइन कुशीनगर में "रन फॉर यूनिटी" दौड़ का सफल आयोजन किया गया। दौड़ का शुभारंभ पुलिस लाइन से हुआ और यह रविन्द्रनगर धूस चौराहे पर समाप्त हुई। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज लाइन जयंत यादव तथा क्षेत्राधिकारी कार्यालय उमेशचन्द भट्ट की उपस्थिति में हुई। इस दौड़ में पुरुष एवं महिला आरक्षियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, बलरामपुर।

Very Short Term Tendor Notice

संख्या :142/निविदा/बलरामपुर महोत्सव/2026 — दिनांकः 24 मार्च, 2026

Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad, Balrampur on behalf of Governor of Uttar Pradesh invites the percentage rate bids online from the eligible and approved Contractors. The bidders may submit bids for any or all of the works. Bidders are advised to note the minimum qualification criteria specified in Clause 4 of the Instructions to Bidders to qualify for the award of the contract.

SL. NO.	Name of Vidhan Sabha	Name of Work	Estimated cost (Rs. In Lakhs)	Bid Security (Rs. In Lakhs)	Cost of Document (In Rs.)	Time of Completion	Address of Assistant Tourism Office of the Executing the work
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Balrampur	Balrampur Mahotsav 2026	30.00	3.00	900	One Week	In the campus of Hotel Rahi Tourist Banglow, Pahalwara, Balrampur

1. Time allowed for completion of work as mention in column No 7 including rainy season.
2. The bids shall be remain valid for acceptance for period of 90 days from the last date for submission of bids once submitted can not be withdrawn.
3. According the provisions of Government Order No 26/2017/2778/78-2-2017-97IT/2017TC Dated 05-09-2017 and E-in-C circular number 55Camp/CE(HQ-1)/Circular/2019-20 Dated 22-04-2019 the Bids must be accompanied with the copy of UTR (Unique Transaction Receipt) bid security (EMD) and tendor cost of the amount specified for the work in the table Bids security and Tendor cost should be deposited online as per follows:-
4. Cost of Bid Documents:- As per column-6 (Non-refundable) to be deposited in the account of Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad, Balrampur. All concerned please note that the bidding process will not move onward in the bid document's Cost (Tendor Fee) is not paid through e-tendor portal.
5. Bid Security(EMD):- Bids must be accompanied with security of the amount specified for the work in the table as per column 5. Bid security will be deposited in the account of Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad, Balrampur.
6. The technical bids will be opened on date 29-03-2026 at 12.30 PM. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be respectively, at the same time and validity of bid will be considered from the original date. The date and time of opening of the financial bid shall be notified. The financial bids shall be accordingly opened.
7. A pre-bid meeting will be held for each work 27-03-2026 at 3.30 PM at the office of The Assistant Tourism Officer (Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad), Balrampur Corresponding the respective package to clarify the issues and to answer questions on any matter that may be raised at that stage as stated in clause 9.2 of Instructions to Bidders of the bidding document.

8- Bid must be accompanied with security of the amount specified for the work in the table.
9- No Engineer of Gaztted rank or other Gaztted office employed in Engineering of Administrative duties in an Engineering Department of the State/Central Government is allowed to works as a Contractor for a period of two years after his retirement from Government service, without Government Permission. This contract is liable to be cancelled if aither the contractor or any of his employes is found any time to be such a person who had not obtained the permission of the Government as aforesaid before submission of the tendor or engagement in the contractor's service.
10-Work BOQ shall be collected from the office of The Assistant Tourism Officer (Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad), Balrampur between 26 to 28 march 2026.
11-Bid Documents and other details consisting of qualification information and eligibility criterion of bidders, plans, specifications, drawings the schedule of quantities of the various classes of work to be done and set of terms & conditions of contract to be compiled with by the contractor can be seen in the office of The Assistant Tourism Officer (Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad), Balrampur.
12-Any bidder who is having criminal record is not allowed to participate in the bidding process.
13-Any bidder who is registered with the state Bar Council is not allowed to participate in the bidding process.
14-Each bidder is required to furnish an affidavit on a non-judicial stamp paper of Rs 100/- giving all information on prescribed Performa required for evaluation of the bidding capacity of the bidder.
15-Bidder must submit information/document on prescribed Performa ie T4, T5, T6 with each bid.
16-According to the provisions of Government Order No-1/2018/3070/78-2-2018/42it/2017(22) Date 03-01-2018 after opening of the Technical and Financial Bids, the bidder has to submit original documents personally in department/office in the event of Non submission of original documents by the bidder, the legal action in the form of cancellation of Registration and Black listing of the firm will be taken in accordance with the provision of G.O.
17-GST shall be deducted/paid as per GST Rules from contractor Bill.
18-Bid security in Name of Jila Paryatan Evam Sanskriti Parishad, Balrampur and valid for 90 days.

(**मनीष श्रीवास्तव**)
पर्यटन सूचना अधिकारी/सचिव
जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद
बलरामपुर।

बरेली मंडी

स्वयंभू बाबा अशोक खरात की हिरासत 29 मार्च तक बढ़ाई गई

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक की एक अदालत ने बलात्कार के मामले में गिरफ्तार स्वयंभू बाबा अशोक खरात की पुलिस हिरासत मंगलवार को 29 मार्च तक बढ़ा दी। अदालत के बाहर एक व्यक्ति ने खरात पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने समय रहते उस पर काबू पाकर हिरासत में ले लिया। आरोपी बाबा को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया और उसकी पुलिस हिरासत की मांग करते हुए लोक अभियोजक अजय मिसर ने कहा कि उसकी अवैध गतिविधियों के बारे में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। अभियोजन पक्ष ने बताया कि खरात के खिलाफ मानव बलि और हिरण की खाल व कस्तूरी के लिए उसका शिकार जैसे अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का शक था।

विश्वविद्यालय में आयोजित आरएसएस के कार्यक्रम को रोका

बेंगलुरु। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एम सी सुधाकर ने मंगलवार को मैसुरु स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में विचारक दीनदयाल उपाध्याय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय व्याख्यान शृंखला को रोकने के राज्य सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि सरकारी विश्वविद्यालयों को गैरराजनीतिक होना चाहिए और वैचारिक प्रभाव से मुक्त रहना चाहिए। आरएसएस ने कहा था कि 'एकात्मा मानव दर्शन' नामक अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक केएसओयू के दीक्षांत समारोह हॉल में आयोजित किया जाएगा।

महिला आरक्षण से पहले परिसीमन करके देश में 816 करनी पड़ेंगी लोकसभा सीटें

सरकार की योजना के तहत 273 नई सीटों का करना होगा निर्माण, अभी हैं लोकसभा की 543 सीटें

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला आरक्षण कानून को लागू करने की सरकार की योजना के तहत लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 करने के लिए मौजूदा सीटों में से नए निर्वाचन क्षेत्रों का निर्माण करना पड़ सकता है। परिसीमन प्रक्रिया से पहले ही महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए सरकार महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित करने के लिए दो विधेयक लाने की योजना बना रही है।

परिसीमन अधिनियम में संशोधन करके केंद्र सरकार महिलाओं के लिए 273 नई सीटें सृजित करने की योजना बना रही है। केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि इसका एक संभावित तरीका मौजूदा 543 सीटों में से नई सीटें निकालना है। अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटें आरक्षित करने के नियम तो हैं लेकिन महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का फिलहाल कोई मानदंड नहीं है। उन्होंने कहा कि एक तरीका यह हो सकता है कि महिलाओं के लिए प्रस्तावित 273 सीटों का निर्धारण लॉटरी के माध्यम से किया जाए। विधानसभाओं में महिलाओं के लिए समान 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के लिए, आनुपातिक सूत्र लागू किया जाएगा। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए किया जाएगा क्योंकि वर्तमान जनगणना अभी पूरी नहीं हुई है।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान संविधान में संशोधन करके लाया गया था, लेकिन यह परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रभावी होगा। उपलब्ध व्यापक रूपरेखा के अनुसार, लोकसभा सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 कर दी जाएगी, जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित होंगी। आरक्षण अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों के आवंटन के साथ ''ऊर्ध्वाधर आधार'' पर किया जाएगा। जहां एक संविधान संशोधन विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम (जिसे आम तौर पर महिला आरक्षण कानून के रूप में जाना जाता है) में संशोधन करेगा, वहीं एक अन्य सामान्य विधेयक परिसीमन अधिनियम में संशोधन करेगा। संसद द्वारा अनुमोदित होने के बाद, प्रस्तावित कानून 31 मार्च, 2029 से लागू हो जाएंगे तथा इससे आगामी लोकसभा चुनाव में और ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम एवं आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनावों में सीटों के आरक्षण में मदद मिलेगी।

समय से पहले संसद सत्र स्थगित होने से कानून में संशोधन में हो सकती है देरी

नई दिल्ली। सरकार द्वारा लोकसभा की सीट को बढ़ाकर 816 करने के लिए तत्काल विधेयक लाने की संभावना नहीं है, क्योंकि संसद का मौजूदा सत्र निर्धारित अवधि से पहले ही स्थगित हो सकता है लेकिन सत्रावसान नहीं किया जाएगा ताकि अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद इसे फिर से बुलाए जाने का विकल्प खुला रहे। सूत्रों ने संकेत दिया है कि सरकार द्वारा अगले कुछ दिनों में संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की संभावना बहुत कम है, जो नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव करेगा जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून के रूप में जाना जाता है। ऐसी जानकारी मिली है कि मंगलवार शाम तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष विधेयक का मसौदा पेश करने का कोई प्रस्ताव नहीं था। मंत्रिमंडल की बैठक बुधवार को होनी है। एक सूत्र ने बताया, कानून में संशोधन के लिए कार्यक्रम तय करने से पहले सभी राजनीतिक दलों के साथ और विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है।

विपक्षी दलों का पत्र, महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाए केंद्र सरकार

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संसद भवन स्थित कार्यालय में विपक्षी नेताओं की एक बैठक के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 (महिला आरक्षण विधेयक) को लागू करने की रूपरेखा को लेकर सरकार से विचार-विमर्श करने के लिए सर्वदलीय बैठक की जरूरत पर जोर दिया था। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। खरगे की ओर से लिखे पत्र में कहा गया है, बैठक को फलदायी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि वह एक नोट प्रसारित करे जिसमें बताया जाए कि वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है।

विशेष एनआईए अदालतें एक साल के भीतर पूरी करें यूएपीए मामलों की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट का 17 राज्यों को निर्देश, 10 से ज्यादा मामलों पर स्थापित करें

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र सहित 17 राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम यानी यूएपीए से संबंधित मामलों की सुनवाई एक वर्ष के भीतर पूरी हो। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य उन मामलों में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के लिए समर्पित अदालतें स्थापित कर सकते हैं जहां 10 से अधिक मामले लंबित हैं। इसके साथ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करके समर्पित पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा, ऐसा हो सकता है कि विशेष एनआईए अदालतों में किसी एक मामले के निस्तारण में एक महीने से अधिक समय लगे, लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि एक एनआईए मामले की सुनवाई औसतन एक महीने में पूरी हो जाएगी। इसके लिए प्रतिदिन सुनवाई होनी चाहिए और एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि केंद्र ने एक कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से प्रत्येक विशेष एनआईए अदालत के लिए गैर-आवर्ती व्यय के लिए एक करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान और आवर्ती व्यय के लिए प्रतिवर्ष एक करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई है। सीजेआई ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, यह सामान्य फॉर्मूले के अनुसार अनुदान मिलान का मामला नहीं होना चाहिए जिसमें केंद्र 60 प्रतिशत धनराशि देता है और शेष 40 प्रतिशत राज्य देते हैं। कई बार यह संभव नहीं होता क्योंकि कुछ राज्य राजस्व घाटे में हैं और कुछ की प्राथमिकताएं अलग हैं। नतीजतन, न्यायिक अवसंरचना के निर्माण के लिए केंद्र द्वारा आवंटित 60 प्रतिशत अनुदान का या तो उपयोग नहीं हो पाता है या उसका दुरुपयोग होता है।

सभी उच्च न्यायालयों को जारी किया नोटिस

शीर्ष न्यायालय ने सभी उच्च न्यायालयों को समर्पित एनआईए अदालतों की स्थापना के लिए कुछ प्रक्रियाएं तैयार करने के लिए नोटिस भी जारी किया। उसने कहा कि इन विशेष अदालतों में कार्यरत पीठासीन अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट पर विचार करने के लिए एक विशेष तंत्र बनाया जाएगा और उन पर पारंपरिक रूप से विचार नहीं किया जाएगा।

पाकिस्तान सबसे प्रदूषित देश, भारत छठे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका का न्यूबॉउटविल दुनिया का सबसे स्वच्छ शहर

पाकिस्तान दुनिया का सबसे प्रदूषित देश है, जबकि बांग्लादेश दूसरे और भारत छठे स्थान पर है। आठवीं विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी ''आईक्यूएयर'' की ओर से प्रकाशित इस रिपोर्ट में 143 देशों, क्षेत्रों और भूभागों के 9,446 शहरों में स्थित निगरानी स्टेशन से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में दक्षिण अफ्रीका के न्यूबॉउटविल शहर को दुनिया का सबसे स्वच्छ शहर बताया गया है, जहां पीएम 2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 1.0 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है।

ये आंकड़े दुनिया भर के 40,000 से अधिक नियामक निगरानी केंद्रों और कम लागत वाले सेंसरों से प्राप्त किए गए हैं, जिनका प्रबंधन सरकारी एजेंसियों, विश्वविद्यालयों, गैर-लाभकारी संगठनों, निजी उद्यमों और जागरूक नागरिक वैज्ञानिकों सहित योगदानकर्ताओं के एक विस्तृत समूह द्वारा किया गया है। विश्व के सबसे प्रदूषित देशों में चीन 20वें स्थान पर है, जबकि अमेरिका 120वें स्थान पर और ब्रिटेन 110वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल 13 देश या क्षेत्र विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वार्षिक औसत पीएम 2.5 दिशानिर्देश को पूरा कर पाए हैं, जिनमें - फ्रेंच पॉलिनेशिया, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, बारबाडोस, न्यू कैलेडोनिया, आइसलैंड, बरमूडा, रीयूनियन, एंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनाडा, पनामा, एस्टोनिया शामिल हैं।

दुनिया के चार सबसे प्रदूषित शहरों में से तीन भारत में: दुनिया के 25 सबसे प्रदूषित शहर भारत, पाकिस्तान और चीन में हैं, जिनमें से चार सबसे प्रदूषित में से तीन भारत में हैं। उत्तर प्रदेश का लोनी सबसे प्रदूषित है। उसके बाद चीन के होतान और भारत में मेघालय के बर्नीहाट का स्थान आता है। दिल्ली चौथे स्थान पर है, उसके बाद पाकिस्तान के फैसलाबाद का नंबर आता है।

नीतीश कुमार चौथी बार बने जदयू के अध्यक्ष

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुन लिए गए। पार्टी के शीर्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। यह चौथी बार है जब 75 वर्षीय नीतीश कुमार पार्टी प्रमुख बने हैं।

दिसंबर 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले ललन सिंह के पद से इस्तीफा देने के बाद से ही पार्टी की कमान संभाल रहे नीतीश हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं निर्वाचन अधिकारी अनिल प्रसाद हेगड़े ने नीतीश कुमार के जदयू अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की और पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को उनके चुनाव का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। हेगड़े ने नीतीश के निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा की।

यूएपीए : कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी को उम्र कैद

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में अदालत ने सुनाई सजा
- दो सहयोगियों फहमीदा और नाहिदा को भी 30 वर्ष की कैद

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कश्मीरी अलगाववादी और दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख आसिया अंद्राबी को देश के खिलाफ अपराध करने की साजिश रचने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने अंद्राबी की दो सहयोगी सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को भी इसी मामले में दोषी पाए जाने पर 30 साल कैद की सजा सुनाई।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदरजीत सिंह ने सजा की अवधि पर दलीलें पूरी होने के बाद फैसला सुनाया। अंद्राबी को सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 18 (षड्यंत्र के लिए सजा) और पूर्ववर्ती भादंसं की धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और 121ए के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। तीनों को 14 जनवरी को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण(एनआईए) ने यह कहते हुए अंद्राबी के लिए आजीवन कारावास की मांग की थी कि उसने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। एनआईए ने कहा था कि कड़ा संदेश भेजना आवश्यक है कि देश के खिलाफ षड्यंत्र करने पर अत्यधिक कठोर सजा दी जाएगी।

अदालत ने 286 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि अंद्राबी और उसके सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची थी। एनआईए द्वारा प्रस्तुत वीडियो से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि इन लोगों ने बार-बार दावा किया कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा है और भारत ने इस पर जबरन कब्जा कर रखा है। अंद्राबी और उसकी दो सहयोगियों पर फरवरी 2021 में यूएपीए तथा भादंसं के तहत कई अपराधों के संबंध में औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए थे।

पश्चिम बंगाल को छोड़कर पूरे देश में सुचारू रूप से हुआ एसआईआर

- कहा- एसआईआर संबंधी शिकायतें कलकत्ता हाईकोर्ट के समक्ष रखें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित अन्य वादियों से कहा कि वे पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से संबंधित अपनी शिकायतों को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखें।

पश्चिम बंगाल में विवादों से घिरी एसआईआर प्रक्रिया का जिक्र करते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि इस राज्य को छोड़कर पूरे देश में यह प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हुई है। सीजेआई ने कहा, फिलहाल अन्य राज्यों में शायद ही कोई मुकदमेबाजी है। मुझे लगता है कि कुछ राज्य ऐसे हैं जहां एसआईआर के बाद नाम हटाए जाने की दर अधिक है। कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि उठाए गए कई मुद्दे प्रशासनिक प्रकृति के हैं और उनका निपटारा कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा किया जाना चाहिए।

मणिपुर: सामूहिक बलात्कार पीड़िताओं के लिए वकील नियुक्त न करने के संबंध में जवाब मांगा

- फरवरी में कोर्ट ने राज्य विधिक प्राधिकरण को दिया था निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ने मंगलवार को मणिपुर राज्य विधिक प्राधिकरण से उन दो महिलाओं के लिए वकील की नियुक्ति के संबंध में जवाब मांगा, जिन्हें राज्य में 2023 के जातीय संघर्षों के दौरान निर्वस्त्र अवस्था में घुमाया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ओर से दो आरोपियों अरुण खुंडोंगबम और नामिरकपम किरण मेइती को जमानत दिए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को नोटिस जारी किया। दोनों पर सामूहिक बलात्कार करने और निर्वस्त्र अवस्था में घुमाने का आरोप है। आठ सितंबर, 2025 को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने दोनों आरोपियों को इस आधार पर जमानत दे दी थी कि आरोप तय होने से पहले ही वे दो साल से हिरासत में थे।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव **महासंग्राम**

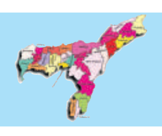

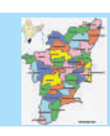

निर्वाचन आयोग के पत्र पर भाजपा की मुहर पाई जाने पर राजनीतिक विवाद

ममता बनर्जी ने कहा- पोल खुल गई, साबित हो गया कौन चला रहा निर्वाचन आयोग

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग के मार्च 2019 के एक पत्र पर भाजपा की केरल इकाई की मुहर लगी पाई जाने के बाद सोमवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के पत्र पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद यह बात संदेह से परे साबित हो गई है कि कौन सी पार्टी पर्दे के पीछे से आयोग को चला रही है। ममताने चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए उत्तरी बंगाल के बागडोगरा रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर कहा, निर्वाचन आयोग की अधिसूचना पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद सारी पोल खुल चुकी है।

उन्होंने अपने दावों को सही साबित करने के लिए इस विवाद पर एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर दिखाई। मुख्यमंत्री ने आयोग का जिक्र किए बिना कहा, पर्दे के पीछे से अपने खेल खेलने की कोई जरूरत नहीं है। खुलकर सामने आएं और हमसे आमने-सामने मुकाबला करें। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने इसे एक गलती बताने के निर्वाचन आयोग के बयान को खारिज करते हुए कहा, यह कोई लिपिकीय गलती नहीं है। यह जानबूझकर राजनीतिक इरादे से किया गया था। उन्होंने दावा किया कि यह पत्र केवल केरल के लिए नहीं था, बल्कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित था।

आयोग के खिलाफ लड़ाई में सभी पार्टियां साथ आएं

ममता ने कहा कि इस विवाद के बाद चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने सभी पार्टियों से कहा कि वे एक साथ आएं और आयोग की मदद से एक ही पार्टी का शासन लागू करने की कोशिश के खिलाफ लड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा, यह मायने नहीं रखता कि विपक्षी दल वामपंथी हैं या दक्षिणपंथी। मैं उनसे अनुरोध करती हूं कि वे एक साथ आएं, निर्वाचन आयोग समर्थित एकदलीय शासन के खिलाफ विरोध करें, देश में लोकतंत्र को बचाएं और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करें।

राज्य में पूरक सूची के प्रकाशन पर भी उठाए सवाल

सोमवार देर रात निर्वाचन आयोग की ओर से पहली पूरक सूची के प्रकाशन पर सवाल उठाते हुए ममता ने आरोप लगाया कि घंटों बीत जाने के बाद भी लोगों को यह नहीं पता है कि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया गया है या हटा दिया गया, क्योंकि सूची की प्रति अभी तक जिला, ब्लॉक या बूथ कार्यालयों में नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा, सोमवार को दो और लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिससे एसआईआर के कारण मरने वालों की कुल संख्या लगभग 220 हो गई है। ममता ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका के कारण नाम मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। उन्होंने सूचियों के प्रकाशन में देरी पर सवाल उठाते हुए संभावित गड़बड़ी की ओर इशारा किया।

कोलकाता में चुनाव प्रचार के जोर पकड़ने के साथ प्रचार सामग्री की दुकानें भी गुलजार होने लगी हैं।

द्रमुक ने डीएमडीके को 10 सीट दीं

चेन्नई। तमिलनाडु की सत्ताधारी द्रमुक ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए मंगलवार को अपनी सहयोगी दल डीएमडीके को 10 सीट दीं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन और डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने द्रमुक के मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें डीएमडीके के लिए 10 सीट की पुष्टि की गई।

अन्नाद्रमुक ने किया मुफ्त रेफ्रिजरेटर देने का वादा

चेन्नई। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व कर रहे मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने घोषणापत्र जारी किया, जिसमें 297 वादे शामिल हैं। मुफ्त योजनाओं में रेफ्रिजरेटर, एकमुश्त 10,000 रुपये की मदद, महिलाओं को मासिक सहायता, शिक्षा ऋण माफी, कार्डधारकों के लिए 1,000 रुपये का पोंगल उपहार पैकेट शामिल हैं।

चुनावी घोषणापत्र में कुल 297 वादे

अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने दक्षिण चेन्नई के मायलापुर इलाके में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करने की पूर्व संध्या पर पार्टी कार्यालय में घोषणापत्र जारी किया। मुख्य वादा चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर उपलब्ध कराना है। वादों की सूची में महंगाई से निपटने के लिए प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की सहायता, आर्थिक समानता लाने के लिए सभी कार्डधारक परिवारों को 2,000 रुपये की मासिक सहायता शामिल है।

पुडुचेरी: लोकतांत्रिक सिद्धांतों के हनन का आरोप लगाकर पीएमएमएमके ने किया चुनावों के बहिष्कार का एलान

- अध्यक्ष का आरोप- सुनियोजित ढंग से कमजोर किया जा रहा है लोकतंत्र

पुडुचेरी। पुडुचेरी मानिला मक्कल मुन्नेत्र कझगम (पीएमएमएमके) ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लगातार हो रहे हनन के विरोध में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। पीएमएमएमके के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. एम. रामदास ने यहाँ जारी एक बयान में कहा कि पुडुचेरी में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों जो शासन का तीसरा स्तर हैं, के चुनाव 2011 से अब तक नहीं कराए गए हैं। पिछले 14 वर्षों से एक के बाद एक आने वाली सरकारों ने लोगों को पंचायत और नगरपालिका स्तर पर अपने प्रतिनिधियों को चुनने के उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित रखा है। पीएमएमएमके द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। रामदास ने कहा, हमें मजबूर होकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा, जिसने हमारी याचिका स्वीकार कर ली और अधिकारियों से जवाब मांगा है। लेकिन अनुचित जल्दबाजी दिखाते हुए चुनाव आयोग ने अदालत को जवाब देने से पहले ही विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया।

फैसला: तमिलनाडु में चुनाव नहीं लड़ेगी कमल हासन की पार्टी एमएनएम

चेन्नई। अभिनेता एवं नेता कमल हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) ने तमिलनाडु में होने जा रहे विधानसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा की है। एमएनएम द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का एक घटक दल है। एमएनएम ने कहा कि द्रमुक द्वारा प्रस्तावित सीटों की संख्या और यह सुझाव कि एमएनएम उम्मीदवार 'उगते हुए सूर्य' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, स्वीकार्य नहीं है। एमएनएम के संस्थापक कमल हासन ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन द्रमुक नीत गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को बिना शर्त अपना समर्थन देगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एमएनएम के इस कदम की सराहना करते हुए इसे स्वार्थ को दरकिनार करते हुए तमिलनाडु के कल्याण को प्राथमिकता देने का उदार निर्णय' करार दिया।

इस्तीफा स्वीकार न होने पर अदालत पहुंचीं स्वप्ना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी बनाई गईं अर्जुन पुरस्कार विजेता खिलाड़ी स्वप्ना बर्मन ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट से रेलवे प्रशासन को उनका इस्तीफा स्वीकार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया ताकि वह चुनाव लड़ सकें। स्वप्ना के वकील ने जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ में न्यायमूर्ति गौरांग कंठ के समक्ष कहा कि उनकी मुवक्किल के नियोक्ता, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने 27 फरवरी को सत्तारूढ़ पार्टी की प्रेसवार्ता में मौजूद रहने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की। तृणमूल कांग्रेस ने स्वप्ना को जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार बनाया गया था। उनके वकील ने बताया कि बर्मन ने 16 मार्च को एनएफआर को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन इसे अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।

असम : कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा खारिज

गुवाहाटी। असम के हाफलोंग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार का नामांकन मंगलवार को खारिज कर दिया गया। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र जलुकबारी से कांग्रेस उम्मीदवार विदिशा नेओग और ढाकुआखाना से आनंद नराह के नामांकन पत्रों के एक सेट को खारिज कर दिया गया। हालांकि, प्रत्येक नामांकन पत्रों का एक सेट स्वीकार कर लिया गया, जिससे उनकी उम्मीदवारी बरकरार रही। कई अन्य उम्मीदवारों के नामांकन भी खारिज कर दिए गए हैं और अंतिम सूची मंगलवार को जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद घोषित की जाएगी।

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

एकपक्षीय युद्धविराम

पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एकतरफा "पांच दिन के युद्ध विराम" की घोषणा कूटनीतिक पहल के अलावा कई स्तरों पर दबावों का परिणाम है। यह कदम उस समय आया है, जब इजराइल-ईरान तनाव अपने चरम पर है और वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति तथा सामरिक संतुलन सभी खतरे में हैं। ट्रंप के इस निर्णय के पीछे घरेलू राजनीतिक मजबूरियां साफ दिखाई देती हैं। अमेरिका में आगामी मिडटर्म चुनावों की आहट के बीच उनकी लोकप्रियता में गिरावट और संभावित महाभियोग का खतरा उन्हें जोखिम लेने से रोक रहा है। रक्षा बजट, जो लगभग 19 लाख करोड़ रुपये के समकक्ष है, पर भी दबाव है। ऐसे में लंबा युद्ध अमेरिकी करदाताओं पर भारी पड़ सकता है, जिसे राजनीतिक रूप से उचित ठहराना कठिन होगा। दूसरी ओर इजराइल का ट्रंप के इस फैसले पर आश्चर्य जताना इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन और तेल अवीव के बीच इस मुद्दे पर पूर्ण सहमति नहीं है। इजराइल, जो ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद रणनीतिक बढ़त मान रहा था, किसी भी जल्दबाजी में युद्धविराम को अपने हितों के विरुद्ध मान सकता है। अतः यह स्पष्ट है कि अमेरिका की प्राथमिकताएं अब केवल इजराइल की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक वैश्विक और घरेलू समीकरणों से प्रभावित हैं। ट्रंप का अपने पूर्व आक्रामक बयानों से यू-टर्न लेना भी कई संकेत देता है। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना के लगभग 40 प्रतिशत के प्रभावित होने से तेल की कीमतों में उछाल आया है। ताइवान में चिप उत्पादन बाधित होने की आशंका ने एप्पल और एनवीडिया जैसी अमेरिकी कंपनियों के हितों को भी खतरे में डाल दिया है। यह आर्थिक दबाव किसी भी सैन्य महत्वाकांक्षा पर भारी पड़ता है। इसके अतिरिक्त, नाटो और अन्य पश्चिमी सहयोगियों का सीमित समर्थन अमेरिका को "अकेले पड़ने" की स्थिति में ला सकता है। यूरोपीय देश पहले ही यूक्रेन संकट से थके हुए हैं और एक नए युद्ध में गहराई से शामिल होने को इच्छुक नहीं दिखते। ऐसे में ट्रंप का युद्ध विराम प्रस्ताव सामरिक पुनर्संतुलन का प्रयास भी हो सकता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता और कतर, तुर्किये व मिस्र की सक्रिय भूमिका ने इस धारणा को चुनौती दी है कि भारत ही एकमात्र संतुलनकारी शक्ति है। हालांकि भारत की "रणनीतिक स्वायत्तता" और सभी पक्षों से संवाद की क्षमता उसे अब भी एक महत्वपूर्ण, अनौपचारिक भूमिका देती है। युद्धविराम की आशंकित असफलता हमारी ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति और खाड़ी देशों में फंसे लाखों भारतीयों की सुरक्षित निकासी की चुनौती बनेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य का संभावित बंद भारत के लिए अस्वीकार्य होना स्वाभाविक है, हमारी लगभग 60 प्रतिशत तेल आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकसभा में दी गई चेतावनी इस मामले में संकेत है कि हमें वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं, सामरिक तेल भंडार और आपातकालीन निकासी योजनाओं को तुरंत सक्रिय करना होगा। इसमें ऊर्जा विविधीकरण, कूटनीतिक सक्रियता, रक्षा सतर्कता और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना शामिल है। भारत को इस अनिश्चितता के दौर में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संतुलित, व्यावहारिक और दूरदर्शी नीति अपनानी होगी।

प्रसंगवश

पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की ओर बढ़ती दुनिया

जलवायु परिवर्तन आज मानव सभ्यता के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। बढ़ते वैश्विक तापमान, चरम मौसम घटनाओं और प्रदूषण ने विकास के मौजूदा मॉडल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संदर्भ में परिवहन क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह आधुनिक जीवन का आधार भी है और प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत भी। परिवहन क्षेत्र वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, जबकि ऊर्जा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन में इसकी हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत तक है। यही कारण है कि विश्वभर में परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर जोर बढ़ा है। 'ग्रीन मोबिलिटी' या 'सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट' की अवधारणा इसी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य ऐसे साधनों और ढांचों का विकास करना है, जो कम ऊर्जा उपयोग करें और प्रदूषण घटाएं।

इस दिशा में यूरोप अग्रणी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और जर्मनी जैसे देशों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियां अपनाई हैं। नॉर्वे में नई कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। वहीं एम्स्टर्डम और कोपेनहेगन जैसे शहरों में साइकिल आधारित परिवहन का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे प्रदूषण और यातायात दबाव दोनों कम हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2022 में दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जो कुल बिक्री का लगभग 14 प्रतिशत हैं। यह परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। भारत के लिए यह चुनौती और भी बड़ी है, क्योंकि यहां तेजी से शहरीकरण और वाहनों की संख्या में वृद्धि हो रही है। देश के ऊर्जा-संबंधी कार्बन उत्सर्जन में सड़क परिवहन की हिस्सेदारी लगभग 12 से 14 प्रतिशत है। पिछले दो दशकों में परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन 155.9 मिलियन टन से बढ़कर 368.2 मिलियन टन तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार की फेम योजना के तहत ई-वाहनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों में ई-बसों का विस्तार हो रहा है। साथ ही मेट्रो रेल परियोजनाओं के विस्तार ने शहरी परिवहन को नया विकल्प दिया है। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में साइकिल की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी साधन है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग साइकिल का उपयोग करते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, लेकिन शहरी क्षेत्रों में इसका उपयोग काफी घटा है। जहां 1990 के दशक में 20-30 प्रतिशत यात्राएं साइकिल से होती थीं, वहीं आज यह घटकर 2-5 प्रतिशत रह गई हैं। इसके पीछे साइकिल लेन का अभाव, कार-केंद्रित विकास और सामाजिक धारणाएं प्रमुख कारण हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कई चुनौतियां हैं। पहली चुनौती बुनियादी ढांचे की हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन अभी भी सीमित हैं। दूसरी चुनौती लागत से जुड़ी है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआती कीमत अधिक है। तीसरी चुनौती शहरी नियोजन की है, जहां दीर्घकालिक परिवहन दृष्टि का अभाव दिखाई देता है। चौथी चुनौती साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्गों की कमी है। यदि शहरों में सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल मार्गों को प्राथमिकता दी जाए, तो प्रदूषण और यातायात दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है। भारत यदि इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा को समन्वित रूप से विकसित करे, तो देश प्रदूषण नियंत्रित करने का साथ ही इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व भी हासिल कर सकता है। इस दिशा में उठाए गए कदम शहरों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और रहने योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

निकट आई लाल आतंक के खात्मे की घड़ी

दिग्विजय सिंह
कानपुर

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 के समापन, आतंकवाद का खात्मा समेत कई बड़े वादों के साथ 2014 में केंद्र की सत्ता में आई भाजपा ने उन तमाम वादों को देर सबेर पूरा किया। इसलिए भाजपा नेताओं के साथ ही आमजन में यह धारणा बनी कि मोदी है तो मुमकिन है। यह धारणा नारे में तब्दील हो गई और अब भाजपा और उसके सहयोगी दलों के मंच पर इसे पूरे जोश से बोला जाता है।

अब मोदी सरकार अपने एक और वादे को पूरा करने जा रही है वह है लाल आतंक यानी नक्सल मुक्त भारत। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। नक्सलियों को डेडलाइन दी गई थी कि वे या तो आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें अथवा मुठभेड़ में मारे जाएंगे या फिर जेल जाएंगे। इस सख्ती का असर हुआ और तमाम बड़े हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटना ही उचित समझा। उनके सहयोगी भी बड़े पैमाने पर हथियार डालने को मजबूर हुए। अब नक्सल मुक्त वादे के पूरा होने में सात दिन बचे हुए हैं। सुरक्षा बलों ने अपने अभियान को तेज कर दिया है। ताकि एक- एक नक्सली की गिरफ्तारी हो जाए या फिर वह हथियार डाल दे। हालांकि अभी तमाम हार्डकोर नक्सली ऐसे हैं, जो सरेंडर करने को तैयार नहीं हैं और सुरक्षा बलों की नजरों से बचकर छिपे हुए हैं, पर सरकार की जो इच्छाशक्ति है, उसे देखकर नहीं लगता कि वे सुरक्षा बलों से बच पाएंगे। भारत सीमा पर पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों से तो लड़ ही रहा है।

देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी। धीरे-धीरे यह लाल गलियारा ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में भी फैल गया। नक्सलियों ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों के जवानों, जनप्रतिनिधियों और आमजन को अपनी गोली या बारूद का शिकार बनाया। तमाम कोशिशों के बाद भी कोई सरकार उनके आतंक पर अंकुश नहीं लगा सकी, लेकिन मजबूत इच्छा शक्ति, सुरक्षा बलों को दी गई खुली छूट, मजबूत सर्विलांस सिस्टम और मुखबिर तंत्र बनाकर मोदी सरकार ने नक्सलवाद मुक्त भारत का वादा किया और 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। उम्मीद है कि मोदी सरकार डेडलाइन खत्म होने से पहले ही लाल आतंक का खात्मा कर यह घोषणा कर देगी कि पूरा भारत अब नक्सल मुक्त हो गया है।

2019 तक देश के 9 राज्यों के 61 जिलों के 245 पुलिस थानों तक नक्सलवाद फैला हुआ था। जनवरी 2026 तक सिर्फ दो राज्यों के 5 जिले और 11 पुलिस थाने ही नक्सल प्रभावित बचे हैं। मोदी सरकार ने सिर्फ सुरक्षा बलों के दम पर ही नहीं, बल्कि विकास की गंगा बहाकर भी नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है। विकास, रोजगार, शिक्षा की बयार बही, तो उनकी मदद करने वाले ग्रामीण भी न सिर्फ कदम पीछे खींचने लगे, बल्कि परिवार वालों पर दबाव डालकर नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए तैयार भी किया।

प्रभावित इलाकों में विकास की बात करें, तो जनवरी 2026 तक 15 हजार किलोमीटर सड़कें बनाई गईं। मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए 9233 टॉवर लगाए गए और युवाओं, महिलाओं को दक्ष बनाकर रोजगार दिलाने के लिए 46 आईटीआई और 49 स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की गई। 179 एकलव्य मॉडल स्कूल, 6025 पोस्ट ऑफिस, विभिन्न बैंकों की 1804 शाखाएं और 1321 एटीएम स्थापित किए गए, जो नक्सली आत्मसपर्मण कर रहे हैं, उनके पुनर्वास के लिए भी सरकार खूब धन खर्च कर रही है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि देश की जनता से जो वादा किया गया है वह निर्धारित अवधि में पूरा हो जाएगा।

अब बात करें आतंकवाद की तो सुरक्षा बलों की सतर्कता, मजबूत खुफिया तंत्र की वजह से इसमें 43 फीसद की कमी आई है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की ताजा रिपोर्ट में भारत इस बार 13 वें स्थान पर है, जबकि पिछले साल 11 वें स्थान पर था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किए जाने और बड़े आतंकियों के मारे जाने से उनके आका डरे हुए हैं।

पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के आकाओं को भी पता है कि भारत ऑपरेशन सिंदूर पार्ट टू कभी भी लांच कर सकता है। ऐसे में वे ऐसी कोई हरकत नहीं कर रहे हैं, जिससे कि हमारी सेना और सरकार को कड़ा कदम उठाना पड़े। हालांकि आईएसआई भारत को अस्थिर करने की हर चाल चल रही है। आईएसआई ने भारत में तेजी से जासूसों का जाल बिछाना शुरू किया है। सोनीपत में स्टेशन के आउटर इलाके में सोलर आधारित सीसीटीवी कैमरे लगवाने का उसका खेल पकड़ में आ गया है।

एनआईए ने उसके स्लीपर सेल और जासूसों की धरपकड़ करके उसके नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम तेज किया है, लेकिन आईएसआई ने जासूसी का ये जो नया तरीका निकाला है यह हमारी सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता अली खामेनेई और सैन्य प्रमुखों की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने ऐसे ही कैमरे ईरान में लगवाए थे। इससे यह पता चलता है कि आईएसआई भी मोसाद के नक्शेकदम पर चल रही है और हमारे प्रमुख स्थलों पर कैमरे लगवाकर निगरानी करना चाहती है। हालांकि उसकी कोई भी चाल सफल नहीं होगी, क्योंकि हमारा खुफिया तंत्र बहुत मजबूत है, लेकिन उसकी यह चाल गंभीर खतरे की तरफ इशारा जरूर कर रही है।

देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी।

आमने सामने

एक फिल्म ने अतीक अहमद और समाजवादी पार्टी के संबंधों को उजागर कर दिया है कि किस तरह से सपा सरकार में अतीक अहमद देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा था। मैं तो यही कह सकती हूं कि योगी आदित्यनाथ यूपी के धुरंधर मुख्यमंत्री है, जिन्होंने अतीक और मुख्तार जैसे माफियाओं के साम्राज्य का अंत कर दिया।
– पूजा पाल, विधायक

पूजा पाल का बयान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। एक फिल्म धुरंधर आई, जिसमें अतीक अहमद के बारे विदेशी कनेक्शन की बात कही गई। जिस अतीक के नाम पर लोकसभा में शोक सभा हुई, जो सांसद व विधायक रहे, जिनकी पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी, लेकिन कभी उनके विदेश से कनेक्शन की बात नहीं आई। अब बजनिए तय करेंगे कौन विदेशी है और कौन हिंदुस्तानी है?
– इसरार अहमद, AIMIM नेता

तमिलनाडु विस चुनाव में दिलचस्प होगा मुकाबला

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

दक्षिण भारत की राजनीति में तमिलनाडु हमेशा से एक विशिष्ट प्रयोगशाला रहा है। यहां की राजनीति लंबे समय तक द्रविड़ विचारधारा और क्षेत्रीय अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पिछले पांच दशकों से सत्ता का केंद्र लगभग दो दलों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच बंटा रहा है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव इस पारंपरिक द्वंद्व से आगे निकलकर नए राजनीतिक समीकरणों की आहट दे रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है। राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरूथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं। दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं।

इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है। हालांकि कांग्रेस ने अंततः द्रमुक के साथ ही अपना गठबंधन बरकरार रखा। इसके बाद टीवीके के एनडीए में शामिल होने और विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश जैसी खबरें भी सामने आईं, लेकिन इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए विजय ने एक इफ्तार कार्यक्रम में साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। उन्होंने घोषणा की कि टीवीके अपने दम पर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं, सीमान की पार्टी नाम तमिलर कच्ची भी हर बार की तरह अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। इस प्रकार राज्य में चार प्रमुख मोर्चे बन गए हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार के "द्रविड़ मॉडल" पर इस बार एंटी-इनकंबेंसी, कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व विरोध और परिवारवाद के मुद्दे हावी हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लगभग दस वर्ष बाद सत्ता में वापसी की थी। उस समय जनता ने तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी और नेतृत्व संकट को देखते हुए परिवर्तन का फैसला किया था, लेकिन राजनीति में पांच वर्ष लंबा समय होता है। अब वही डीएमके सरकार जनता की कसौटी पर है। क्योंकि इस अवधि की ढेर सारी कमियों का चुनावी हथियार विपक्ष के हाथ लग गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा से क्षेत्रीय पहचान, भाषा और सामाजिक न्याय के मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं। द्रविड़ आंदोलन की विरासत ने यहां की राजनीति को इस तरह आकार दिया कि राष्ट्रीय दल लंबे समय तक हाशिये पर रहे, लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा ने राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत बनाई है। भाजपा कार्यकर्ता नेटवर्क के सहारे जमीनी पकड़ और मजबूत करने के कारण आगामी विधानसभा चुनाव केवल दो क्षेत्रीय दलों की लड़ाई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय मुद्दे बनाम राष्ट्रीय राजनीति की एक नई परीक्षा बन गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में एंटी-इनकंबेंसी का इतिहास मजबूत रहा है। कई चुनावों में देखा गया कि सत्ता में बैठी पार्टी अगले चुनाव में हार गई। ऐसा परिदृश्य इस बार और पुरजोर अंदाज में दिखाई दे रहा है। खासकर दलित, वंचित, ग्रामीण और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए डीएमके सरकार ने कोई करिश्माई काम नहीं किया है। इसके चलते चुनाव में डीएमके को इन वर्गों का व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा है।

तमिलनाडु में बीजेपी की स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार और वैचारिक अभियान के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाने के तेज प्रयास किए हैं। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन मजबूत होने के चलते कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने के बजाय सीधे सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच हो सकता है। इस स्थिति में बीजेपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं। असल में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं, बल्कि द्रविड़ राजनीति के भविष्य का भी परीक्षण है। भाजपा समेत विपक्ष अप्रत्याशित प्रदर्शन राज्य की राजनीति में नए गठबंधन और नई रणनीतियों का दौर शुरू कर सकता है। इसी कारण आगामी चुनाव को केवल सीटों की गणना के रूप में नहीं, बल्कि तमिलनाडु की सामाजिक-राजनीतिक चेतना की नई परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं।

सोशल फोरम

दिवा स्वप्न

हिंदी सोशल मीडिया का एक पॉपुलर डे ड्रीम है-पेट्रो डॉलर चौपट हो जाएगा, अमेरिका तबाह हो जाएगा और भारत विश्व का नंबर एक राष्ट्र बन जाएगा। पेट्रोलियम का व्यापार डॉलर में न हो, तो अमेरिका का जो नुकसान हो सो हो। उनके पास अपने देश के लिए पर्याप्त पेट्रोलियम है वह एक्सपोर्टर हैं इंपोर्टर नहीं। इसके अलावा टेक वर्ल्ड- एआई, डिफेंस, एनर्जी इन सबमें वह आने वाले पचीस साल तक की टेक्नोलॉजी में अग्रणी हैं। उनका जो है वैसे चलता रहेगा, उनके पास अनाज पर्याप्त है, फल, तेल सब निर्यात ही करते हैं। आयात जो करते हैं वह भी इसलिए करते हैं कि उनकी कंपनियों का माल बाहर सस्ते में बनता है, बाहर महंगे में बनेगा तो वो कंपनियां अपने देश में बना लेंगी। ऐपल आईफोन फिर भारत में नहीं अमेरिका में ही बनवा लेगा। पर हां भारत के ऐंगल से मान लो कल से ईरान कह दे स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकलने के लिए डॉलर नहीं युआन चाहिए और मान लो ईरान यह फोर्स कर ले गया, तो भाई डॉलर तो भारत अमेरिका को एक्सपोर्ट कर कमाता है, सॉफ्टवेयर से कमाता है और एनआरआई भी भेजते हैं। युआन क्लोज्ड करेंसी है। भारत चाइना को माल बेचता नहीं खरीदता है, तो भारत युआन कहां से जुटाएगा? अरुणाचल बेचकर या कश्मीर बेचकर? वैसे डॉलर बंद हो जाएगा तो ये जो चाइना से भी इंपोर्ट में डॉलर पे करते हैं, वह भी युआन में ही करना पड़ेगा? वह कहां से आएगा?

नितिन त्रिपाठी
लेखक

फिर दूसरी मजेदार बात चलती है- ब्रिक्स। इस समय जो युद्ध चल रहा है वह ब्रिक्स के छठे ताकतवर देश यूएई और सातवें ताकतवर देश ईरान के बीच ही है। आपस में युद्ध रुक नहीं रहा है और आपको उम्मीद है कि ये एक दूसरे की मुद्रा उपयोग करेंगे। चाइना हर चार पांच साल में भारत पर चढ़ाई कर देता है, आज भी अरुणाचल को भारत का हिस्सा नहीं मानता, ऑपरेशन सिंदूर में सीधे भारत पर हमला कर रहा था और आपको लगता है वह आपके संचालन में एक करेंसी मानेगा? इसमें दो राय नहीं जैसे-जैसे लोकल कंट्रीज की पॉवर बढ़ेगी आपस में व्यापार लोकल करेंसी में होगा/होता ही आया है। रूस भारत के बीच पेट्रोल का आदान-प्रदान एक लेवल तक रुपये से ही हो रहा था, इसलिए क्योंकि रूस का स्विफ्ट अमेरिका ने बंदकर रखा है वो डॉलर नहीं ले सकता, तो रूस भारत से रुपये में उतनी पेमेंट ले रहा था, जितना वह रुपया कहीं और खर्च कर सके। शेष पेमेंट रूस भी यूएई की मिद्रा में ही ले रहा था, क्योंकि वह डॉलर से लिंक्ड ओपन मुद्रा है। भाई ये सब दिवा स्वप्न हैं जैसे-जैसे भारत/ चाइना का जीडीपी प्रतिशत विश्व के प्रतिशत जीडीपी में बढ़ेगा, उसी अनुपात में धीमे-धीमे इनकी मुद्रा का इनसे व्यापार में प्रचलन बढ़ेगा, जो स्वाभाविक भी है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

जब समुद्री रास्ते वैश्विक राजनीति का केंद्र बन जाएं

दुनिया के नक्शे पर कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिनका आकार भले ही छोटा हो, लेकिन उनका प्रभाव बेहद व्यापक होता है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज ऐसा ही एक समुद्री मार्ग है, जो आज वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ खड़ा हुआ है। यह केवल एक जलमार्ग नहीं, बल्कि दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस रास्ते से गुजरने वाला तेल और गैस कई देशों की आर्थिक धड़कन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जब इस मार्ग को लेकर किसी प्रकार की अनिश्चितता पैदा होती है, तो उसका असर सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया तक पहुंचता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस समुद्री क्षेत्र का महत्व और भी बढ़ गया है। विभिन्न देशों की रणनीतिक गतिविधियां और बयानबाजी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अब संघर्ष केवल जमीन तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि समुद्र भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। आज की वैश्विक राजनीति में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का भी प्रतीक बन गया है। जो देश ऐसे महत्वपूर्ण रास्तों को प्रभावित करने की स्थिति में होते हैं, वे अप्रत्यक्ष रूप से वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है-निर्भरता। दुनिया के कई देश ऊर्जा के लिए कुछ सीमित क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर हैं। यही निर्भरता उन्हें ऐसी परिस्थितियों में अधिक संवेदनशील बना देती है, जहां कोई एक निर्णय या अवरोध व्यापक संकट का रूप ले सकता है।

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

यह स्थिति केवल आर्थिक चुनौती तक सीमित नहीं रहती। इसका असर राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। देश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए अपने रुख तय करते हैं और कई बार उन्हें ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं, जो आदर्श से अधिक व्यावहारिक होते हैं। ऐसे समय में यह भी देखने को मिलता है कि वैश्विक शक्तियां अपने-अपने तरीके से स्थिति को संभालने या प्रभावित करने की कोशिश करती हैं, लेकिन यह प्रयास हमेशा समाधान की दिशा में हों, यह जरूरी नहीं। कई बार ये प्रयास नए सवाल और नई जटिलताएं भी खड़ी कर देते हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे बड़ा प्रभाव आम जीवन पर पड़ता है। ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करता है। महंगाई बढ़ती है, आर्थिक दबाव बढ़ता है और एक अनिश्चितता का माहौल बनता है। भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है, जहां ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें और वैश्विक संबंधों का संतुलन दोनों को साथ लेकर चलना होता है। ऐसे में हर निर्णय सोच-समझकर लेना पड़ता है, ताकि आर्थिक स्थिरता और कूटनीतिक संतुलन दोनों बनाए रखे जा सकें। आज का समय यह संकेत दे रहा है कि दुनिया केवल संसाधनों की लड़ाई नहीं लड़ रही, बल्कि उन रास्तों और माध्यमों की भी, जिनसे ये संसाधन गुजरते हैं। यह संघर्ष प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, इसका प्रभाव हर देश और हर व्यक्ति तक पहुंचता है। शायद यही वजह है कि अब यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या हम इन घटनाओं को केवल दूर की खबर मानकर नजरअंदाज कर सकते हैं या फिर यह समझना जरूरी है कि इनका असर हमारी जिंदगी से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है? क्योंकि जब समुद्री रास्ते संघर्ष का केंद्र बन जाते हैं, तब उनकी लहरें केवल किनारों तक सीमित नहीं रहतीं, वे पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

बिहार में प्रचलित टिकुली पेंटिंग एक ऐसी विशिष्ट लोक कला परंपरा है, जिसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में गहराई तक समाई हुई हैं। इसका संबंध केवल चित्रकला से ही नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री-सौंदर्य, सामाजिक परंपराओं और व्यापारिक इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि टिकुली कला की प्रेरणा प्राचीन काल से ही मौजूद रही है और इसका इतिहास कुछ विद्वानों के अनुसार बौद्ध काल तक जाता है, हालांकि इसके उद्भव की कोई निश्चित तिथि निर्धारित करना आज भी कठिन है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

टिकुली पेंटिंग: परंपरा से आधुनिक कला तक की रचनात्मक यात्रा

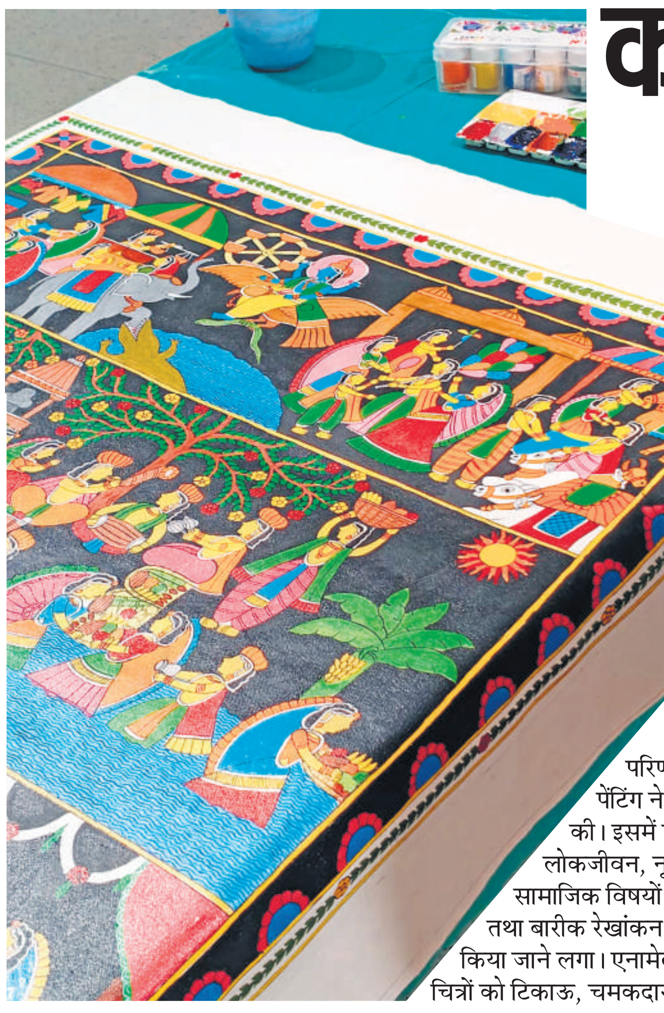

बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी

भारतीय संस्कृति में सुहागन स्त्रियों द्वारा ललाट पर बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी रही है। यह केवल सौंदर्य वृद्धि का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक पहचान का भी प्रतीक रही है। पुरातत्वविदों को उत्खनन में प्राप्त मौर्यकालीन नारी प्रतिमाओं के ललाट पर बिंदी के अंकन मिलते हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह परंपरा कम से कम मौर्य काल से चली आ रही है। समय के साथ यह परंपरा समाज में निरंतर बनी रही और धीरे-धीरे इससे संबंधित शिल्प और सजावटी वस्तुओं का भी विकास हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का हिस्सा

मध्यकालीन भारत में बिहार की राजधानी पटना एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर चुकी थी। प्रसिद्ध फ्रांसीसी यात्री और इतिहासकार जीन–बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने अपने यात्रा विवरणों में उल्लेख किया है कि लगभग 1700 ईसवी तक पटना पूरे बंगाल क्षेत्र का एक प्रमुख महानगर बन गया था। उस समय पुर्तगाली और तिब्बती व्यापारी यहां नियमित रूप से व्यापार के लिए आते थे और स्थानीय उत्पादों जैसे मूंग, कछुए के खोल से बने आभूषण, चूड़ियां तथा सोने–चांदी से सजी टिकुलियां खरीदकर अपने देशों में ले जाते थे। यह तथ्य बताता है कि टिकुली केवल घरेलू उपयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भी हिस्सा बन चुकी थी। प्रारंभिक दौर में टिकुली मुख्यत: कांच या धातु पर बनाई जाती थी और उस पर सोने की वर्क या रंगीन सजावट की जाती थी, लेकिन आधुनिक टिकुली पेंटिंग का स्वरूप 20 वीं सदी के मध्य में विकसित हुआ। प्रसिद्ध कलाकार और शिल्प पुनरुद्धारक उपेंद्र महारथी ने इस कला को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1960 के दशक में जापान यात्रा के दौरान उन्होंने वहां लकड़ी के पैनलों पर एनामेल पेंट से बिंदुओं को जोड़कर बनाए जा रहे चित्रों को देखा। इस तकनीक से प्रेरित होकर, उन्होंने पटना के कांच पर चित्रकारी करने वाले कारीगरों रामफल गुप्ता, लाल बाबू गुप्ता तथा अन्य शिल्पियों को इस शैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक नई पहचान

इस पहल के परिणामस्वरूप टिकुली पेंटिंग ने एक नई पहचान प्राप्त की। इसमें पौराणिक कथाओं, लोकजीवन, नृत्य, प्रकृति और सामाजिक विषयों को आकर्षक रंगों तथा बारीक रेखांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। एनामेल रंगों के प्रयोग ने इन चित्रों को टिकाऊ, चमकदार और बाजार-उपयुक्त बनाया। महारथी जी के निधन के बाद इस परंपरा को आगे बढ़ाने और पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण दायित्व कलाकार अशोक कुमार विश्वास ने निभाया। उन्होंने न केवल पारंपरिक विषयों को संरक्षित किया, बल्कि आधुनिक डिजाइन और बाजार की मांग के अनुरूप नए प्रयोग भी किए। उनके प्रयासों से टिकुली पेंटिंग राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंची। आज अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शिल्प मेलों के माध्यम से नई पीढ़ी के कलाकार इस कला में दक्ष हो रहे हैं।

वर्तमान संदर्भ में टिकुली पेंटिंग केवल सजावटी वस्तु या स्मृति-चिह्न भर नहीं रह गई है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भर शिल्प अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजाइन नवाचार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं ने इसके प्रसार को और गति दी है। इस प्रकार, सुहागिनों के ललाट की शोभा रही टिकुली आज एक सशक्त कला शैली के रूप में विकसित होकर परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

अनोखी परंपरा

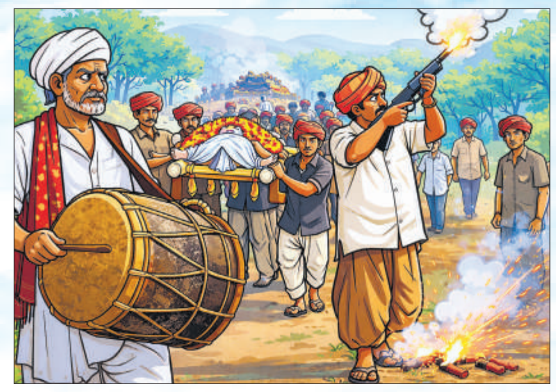

थापों में बसी विदाई: आदिवासी जीवन का सत्य

राजस्थान के दक्षिणी हिस्से में स्थित बांसवाड़ा का आदिवासी जीवन अपनी विशिष्ट परंपराओं और गहरी लोकमान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां जीवन के हर पड़ाव जन्म से लेकर मृत्यु तक संस्कारों की एक अलग ही छवि देखने को मिलती है। विशेष रूप से मृत्यु से जुड़े रीति-रिवाज इस समाज की सांस्कृतिक पहचान को बेहद अनोखे ढंग से सामने लाते हैं। जब किसी व्यक्ति का निधन होता है, तो शोक की सूचना देने का तरीका आधुनिक साधनों से बिल्कुल अलग और पारंपरिक होता है। ढोली समाज का एक सदस्य शोकग्रस्त परिवार के घर पहुंचकर ढोल बजाता है। यह ढोल साधारण नहीं होता, बल्कि इसकी थाप विशेष होती है, जिसे स्थानीय लोग 'मुर्दा ढोल' के नाम से पहचानते हैं। इसकी गूंज पूरे गांव में फैलते ही लोगों को समझ आ जाता है कि किसी के घर शोक हुआ है। इस तरह बिना किसी शब्द के ही सूचना पूरे क्षेत्र में पहुंच जाती है।

ढोल की आवाज केवल सूचना का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता का आह्वान भी होती है। जहां तक इसकी ध्वनि सुनाई देती है, वहां तक के ग्रामीण स्वतः ही शवयात्रा में शामिल होने के लिए निकल पड़ते हैं। ढोल बजाने वाला व्यक्ति अर्थी के साथ श्मशान घाट तक आगे-आगे चलता है, मानो वह पूरे गांव को अंतिम विदाई के इस मार्ग में साथ ले जा रहा हो।

अंतिम संस्कार से पहले एक और विशिष्ट परंपरा निभाई जाती है-ढोल की थाप के साथ पटाखे फोड़ना या हवा में बंदूक चलाना। यह दृश्य शोक के बीच भी एक सम्मानजनक विदाई का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी समाज में यह मान्यता रही है कि हर व्यक्ति, चाहे वह कितना ही साधारण क्यों न हो, अपने जीवन में एक सिपाही की तरह संघर्ष करता है। इसलिए उसकी मृत्यु पर बंदूक की सलामी देकर उसे श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इन परंपराओं की जड़ें उस समय से जुड़ी हैं, जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे। तब ढोल और अन्य वाद्ययंत्र ही सूचना के प्रमुख माध्यम हुआ करते थे। बांसवाड़ा जैसे क्षेत्रों में, जहां बस्तियां दूर-दूर बसी हैं, वहां यह तरीका आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। भले ही नई पीढ़ी इन परंपराओं के मूल कारणों को पूरी तरह न समझती हो, लेकिन वर्षों से इन्हें देख-सुनकर उन्होंने इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। यही कारण है कि बांसवाड़ा की यह आज भी जीवंत है और समाज की सामूहिक चेतना को एक सूत्र में बांधे हुए है।

आर्ट गैलरी

महिषासुर : एक कालजयी कृति

महिषासुर, तैयब मेहता की सबसे चर्चित और ऐतिहासिक कृतियों में से एक है, जिसने भारतीय आधुनिक कला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पेंटिंग पारंपरिक पौराणिक चित्रणों से अलग एक नई दृष्टि प्रस्तुत करती है। इस चित्र में महिषासुर और देवी दुर्गा को एक अनोखे आलिंगन में दर्शाया गया है। सामान्यत: जहां देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करते हुए दिखाया जाता है, वहीं तैयब मेहता ने इस दृश्य को संघर्ष और सह–अस्तित्व के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। यह आलिंगन केवल शारीरिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक द्वंद्व को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो अच्छाई और बुराई के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई हों और दोनों एक–दूसरे में समाहित हो रहे हों। यह पेंटिंग केवल एक पौराणिक कथा का चित्रण नहीं है, बल्कि मानव मन के आंतरिक संघर्षों का प्रतीक है। इसमें हिंसा, करुणा, पीड़ा और सह–अस्तित्व की भावनाएं एक साथ दिखाई देती हैं। यही कारण है कि यह कृति आधुनिक समाज के नैतिक द्वंद्व और जटिलताओं को भी गहराई से प्रतिबिंबित करती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 'महिषासुर' ने भारतीय कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह पहली भारतीय पेंटिंग बनी, जिसने अंतर्राष्ट्रीय नीलामी में एक मिलियन डॉलर से अधिक की कीमत प्राप्त की। इस उपलब्धि ने न केवल तैयब मेहता को वैश्विक ख्याति दिलाई, बल्कि भारतीय समकालीन कला बाजार के महत्व को भी स्थापित किया। इस प्रकार, 'महिषासुर' भारतीय कला इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरी है।

तैयब मेहता के बारे में

तैयब मेहता भारतीय आधुनिक कला के उन अग्रणी कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने भारतीय चित्रकला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर–औपनिवेशिक भारत की उभरती कला चेतना में उनका योगदान अत्यंत विशिष्ट रहा। उनकी कृतियां केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गहरे सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक प्रश्नों को भी उजागर करती हैं। तैयब मेहता का संबंध प्रसिद्ध बॉम्बे प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप से रहा, जिसने भारतीय कला को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकालकर आधुनिक दृष्टिकोण दिया। इस समूह में एम एफ हुसैन, एस एच रजा और एफ एन सूजा जैसे महान कलाकार शामिल थे। इनका उद्देश्य भारतीय कला को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना था, जिसमें तैयब मेहता का योगदान अत्यंत प्रभावशाली रहा। उनकी कला की सबसे विशिष्ट पहचान 'Diagonal Series' यानी विकर्ण श्रृंखला है। यह शैली संयोगवश विकसित हुई, लेकिन आगे चलकर उनकी हस्ताक्षर शैली बन गई। उनकी पेंटिंग्स में तिरछी रेखाएं जीवन के तनाव, संघर्ष और विभाजन को दर्शाती हैं। आकृतियों का खंडित और दबावपूर्ण स्वरूप आधुनिक जीवन की जटिलताओं और मानव मन के आंतरिक द्वंद्व को गहराई से अभिव्यक्त करता है।

होलकी माई: लोक-आस्था और नारी शक्ति का अनूठा संगम

लोकायन

ग्रामीण भारत में होली का उत्सव केवल रंगों और उल्लास का पर्व नहीं, बल्कि लोकपरंपराओं और आस्था की जीवंत विरासत का भी प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में प्रचलित 'होलकी माई' की परंपरा इसी सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण है, जिसे विशेष रूप से महिलाएं पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी गांवों में उतनी ही आस्था के साथ जीवित है। जहां एक ओर पुरुष होलिका दहन करते हैं, वहीं महिलाओं की अपनी अलग 'होलकी' होती है। इसमें गोइठा (उपले) और लकड़ियों का उपयोग कर प्रतीकात्मक रूप से 'होलकी माई' तैयार की जाती है। यह केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि महिलाओं की सामूहिक आस्था और सहभागिता का सशक्त रूप है।

होलिका दहन के बाद महिलाएं इस 'होलकी माई' को गांव के तालाब या जलाशय में प्रवाहित करती हैं। यह क्रिया प्रकृति और पंचतत्वों के प्रति सम्मान की भावना को भी दर्शाती है। अगले दिन प्रातः महिलाएं तालाब के किनारे एकत्र होकर रोटी चढ़ाती हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में एक गहरा सांस्कृतिक भाव निहित है, जो जीवन, प्रकृति और परंपरा के बीच संतुलन को दर्शाता है।

इस परंपरा का एक विशेष पहलू यह भी है कि इसका संबंध नवरात्र से जुड़ता है। होली के लगभग एक माह बाद, नवरात्र के दौरान 'होलकी माई' को पुनः स्थापित किया जाता है और तीन दिनों के बाद फिर से जल में विसर्जित किया जाता है। इस दौरान भी पूजा और रोटी चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है, जो इस अनुष्ठान को एक विस्तृत सांस्कृतिक चक्र का हिस्सा बनाती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह प्रथा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। समय के साथ भले ही जीवनशैली में बदलाव आया हो, लेकिन इस परंपरा की आत्मा आज भी वैसी ही बनी हुई है। महिलाएं इसे केवल एक धार्मिक कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पहचान, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत के रूप में देखती हैं। दरअसल, 'होलकी माई' की यह परंपरा ग्रामीण जीवन की उस गहराई को उजागर करती है, जहां उत्सव केवल आनंद का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक संबंधों और परंपराओं को सहेजने का जरिया भी होता है। बदलते दौर में भी ऐसी परंपराएं गांवों की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती से थामे हुए हैं और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी पहचान बनाए रखे हुए हैं।

रंगमंच की साझा विरासत

हर साल 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है। यह दिन उस कला का है, जो बिना किसी पर्दे के दर्शकों से आमने–सामने बात करती है। उत्तराखंड के नैनीताल में रहने वाले रंगकर्मी जहूर आलम को इस कला को आगे बढ़ाने के लिए साल 2023 में 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उनका काम दिखाता है कि रंगमंच सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, संस्कृति और लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

हिमांशु जोशी
लेखक

एक शुरुआत, जो धीरे-धीरे आंदोलन बन गई

युगमंच के बारे में बात करते हुए जहूर आलम बताते हैं कि साल 1976 में 'युगमंच' की शुरुआत हुई। युगमंच को शुरू करने का मकसद यह था कि पहाड़ की लोक परंपराएं, गीत–संगीत और कहानियां भी मंच तक पहुंचें। 'अंधा युग' के साथ इसकी शुरुआत हुई और उसी से 'युगमंच' नाम निकला। खास बात यह रही कि नाटक को उसी रूप में नहीं किया गया, बल्कि उसमें कुमाऊं की लोक शैली, संगीत और परंपराओं को भी जोड़ा गया। इससे नाटक लोगों के और करीब आ गए और युगमंच की एक अलग पहचान बनी।

जब मंच पर दिखने लगी अपनी ही दुनिया

जहूर आलम की हमेशा यह कोशिश रही कि युगमंच के नाटक लोगों के अपने अनुभवों से जुड़े हों। कुमाऊं की लोक गाथाएं, पहाड़ी संगीत और यहां के किस्से नाटकों का हिस्सा बने। उन्होंने आधुनिक और लोक रंगमंच को साथ मिलाकर काम किया, जिससे दर्शकों को मंच पर अपनी ही जिंदगी दिखाई देने लगी। जहूर कहते हैं कि होली में हुड़दंग बढ़ने लगा था, इसके बदलते स्वरूप को देखकर युगमंच ने पहल करते हुए बैठ और खड़ी होली को मंच पर लाने का प्रयास किया। उत्तराखंड के अलग–अलग स्थानों से कलाकार बुलाए गए और महिलाओं को भी मंच पर आने के लिए तैयार किया गया। नई पीढ़ी को सिखाने के लिए कार्यशालाएं की गईं। इसका असर यह हुआ कि नैनीताल की होली फिर से एक सलीकेदार सांस्कृतिक उत्सव की तरह सामने आई, जिसमें आज भी परंपरा और अनुशासन दोनों साथ दिखते हैं।

जहां लोग मिलते हैं, नहीं दिखते भेद

जहूर आलम का काम यह दिखाता है कि कला लोगों को जोड़ती है। एक मुस्लिम परिवार से होने के बावजूद उन्होंने होली जैसे आयोजन को पूरी ईमानदारी से आगे बढ़ाया। उनके लिए यह त्योहार साथ मिलकर रहने का सबसे उम्दा जरिया है। इतिहासकार शेखर पाठक भी कहते हैं कि जहूर ने उस साझा विरासत को आगे बढ़ाया है, जिसमें अलग–अलग धर्म और समुदाय के लोग साथ मिलकर अपनी संस्कृति को जीते हैं और आज के समय में धीरे–धीरे यह दुर्लभ होती जा रही है। पंचायत फेम अभिनेत्री सुनीता रजवार भी जहूर आलम और युगमंच को इसी नजर से देखती हैं। वह कहती हैं कि जहूर दा युगमंच में नाटकों के स्तंभ हैं और उन्होंने नैनीताल में रंगमंच की परंपरा को सहेज कर रखा है। उनके लिए युगमंच सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि परिवार की तरह है, जहां उन्होंने हमेशा दूसरों के लिए रास्ते बनाए। सुनीता कहती हैं कि वह खुद भी उसी रास्ते से आगे बढ़ने वालों में से एक हैं। युगमंच के साथ पच्चीस साल से ज्यादा के अपने सफर को याद करते हुए नवीन बेगाना बताते हैं कि उनके पिता भी युगमंच से जुड़े थे। किशोरावस्था में वह अक्सर लड़ाई–झगड़ों में उलझे रहते थे। ऐसे समय में जहूर आलम ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें युगमंच से जोड़ा। यही वह मोड़ था, जहां से उनकी जिंदगी ने नई दिशा ली। आगे चलकर नवीन ने ओपन यूनिवर्सिटी से संगीत की पढ़ाई की, शिक्षक बने और अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह कहते हैं कि जहूर दा और युगमंच ने न सिर्फ नैनीताल का नाम आगे बढ़ाया, बल्कि थिएटर को जीवित और सक्रिय बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाई है। जहूर कहते हैं कि कई मौके ऐसे आए जब लोग बड़े शहरों की ओर गए, लेकिन उन्होंने यहीं रहकर काम करना चुना। उन्होंने खुद अभिनय और निर्देशन किया और नई पीढ़ी को तैयार किया। युगमंच से जुड़े कई कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और अन्य संस्थानों तक पहुंचे। कुछ ने मुंबई में अपनी अलग पहचान भी बनाई।

थिएटर के लिए जरूरी है सहारा

जहूर आलम यह भी मानते हैं कि रंगमंच को पेशे के रूप में मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को सम्मान के साथ काम करने के लिए आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए। तभी यह कला व मजबूत हो सकती है और नई पीढ़ी भी इसे अपनाएगी।

इंतखाब की दुकान, जहां रंगमंच सांस लेता था

जहूर आलम के लिए नैनीताल और रंगमंच क्या हैं, इसे स्मिता कर्नाटक की किताब 'डीएसबी के गलियारों से' के शब्दों में बेहतर समझा जा सकता है। वह लिखती हैं कि पहली बार वह नैनीताल के सांस्कृतिक अड्डे 'इंतखाब' में जहूर दा से मिलीं, जहां कपड़े की दुकान होने के बावजूद माहौल किसी साहित्यिक बैठक जैसा होता था। परिवार की सलाह पर उन्होंने कपड़े की दुकान जरूर खोली, लेकिन मन उनका रंगमंच में ही लगा रहा। काउंटर पर कपड़ा नापते हुए भी वह उसी दुनिया में रहते थे। 'इंतखाब' में दिनभर ग्राहकों से ज्यादा कवियों, लेखकों और कलाकारों का जमावड़ा लगा रहता। चाय और कॉफी के दौर चलते और उनके साथ गंभीर बातचीत भी। यह दुकान धीरे–धीरे एक सांस्कृतिक अड्डा बन गई, जहां से कई विचार और कलाकार आगे बढ़े। यही वह जगह थी, जहां से युगमंच से जुड़े कई कलाकार आगे निकले। निर्मल पांडे, ललित तिवारी, सुनीता अवस्थी, सुदर्शन जुयाल और इदरीस मलिक जैसे नाम इसी जमीन से जुड़े रहे। छोटे शहर के इस माहौल ने बड़े मंच तक पहुंचने वाले कलाकारों को रास्ता दिया।

जहूर आलम के लिए नाटक सिर्फ मनोरंजन नहीं है। उनका कहना है कि रंगमंच में जीवन के लगभग हर पहलू की झलक मिलती है, इसलिए यह लोगों तक सबसे असरदार तरीके से बात पहुंचाता है। उनके नाटकों में अक्सर ऐसे विषय होते हैं, जो समाज से जुड़े होते हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। युगमंच ने नुक्कड़ नाटकों के जरिए भी लोगों के बीच जाकर सामाजिक मुद्दों पर संवाद किया और रंगमंच को सीधे समाज से जोड़ा।

बिजनेस ब्रीफ

जीएसपी क्रॉप साइंस का शेयर 4% बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 320 के मुकाबले करीब चार प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 3.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 332.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में 13.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 362.30 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 2.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 328 रुपये पर शुरुआत की।

मारुति सुजुकी गुजरात में करेगी 10,189 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि वह गुजरात में अपने नए विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण में 2.5 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए 10,189 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने गुजरात के खोराज औद्योगिक क्षेत्र स्थित विनिर्माण संयंत्र में सालाना 2.5 लाख वाहनों की पहले चरण की क्षमता जोड़ने को मंजूरी दे दी है।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को मिले 4,439 करोड़ रुपये के ठेके

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अनुषंगी इकाइयों को पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) कारोबार में करीब 4,439 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण क्षेत्र की कंपनी ने बयान में कहा कि इनमें अफ्रीका में 400 किलोवाट पारेषण लाइन और उससे जुड़े सबस्टेशन की परियोजना, भारत में पारेषण लाइन परियोजनाओं के ठके तथा स्वीडन में एक सबस्टेशन परियोजना शामिल है।

सुजलॉन को गेल से मिला 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। सुजलॉन समूह ने गेल (इंडिया) लि. से 100 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी के अनुसार, यह वित्त वर्ष 2025-26 में सुजलॉन को मिला चौथा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) ऑर्डर है, जो इसकी मजबूत और समग्र क्षमताओं को दर्शाता है। इस परियोजना से उत्पन्न बिजली महाराष्ट्र के नंदुरबार में गेल के आगामी पेट्रोरसायन संयंत्र को कॉर्बन उत्सर्जन में कटौती करने में मदद करेगी।

टाटा पावर की इकाई के जीयूवीएनएल के साथ समझौते

नई दिल्ली। टाटा पावर की मूंदड़ा संयंत्र का संचालन करने वाली उसकी इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने टाटा पावर मूंदड़ा संयंत्र के लिए जीयूवीएनएल (गुजरात) के साथ अनुपूरक पीपीए निष्पादित किया है। टाटा पावर की योजना इसी तरह के समझौते महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है।

बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत

7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,500 अरब डॉलर हो गई निवेशकों की संपत्ति

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,372 अंक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी में भी 400 अंक की बढ़त रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की योजना को अस्थायी रूप से टाले जाने की घोषणा के बाद एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंक यानी 1.89 प्रतिशत चढ़कर 74,068.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,793 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 399.75 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,912.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन, इटर्नल, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, केवल पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट आई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है। कहा कि वह ईरानी ऊर्जा स्थलों पर हमले पांच दिन के लिए टाल रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव में संभावित कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का कुछ भरोसा बहाल करने में मदद की है। यह सौदे को पूरा करने को लिवाली और निचले स्तर पर खरीदारी को दर्शाता है। एशिया के अन्य बाजारों में भी तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में ज्यादातर नुकसान में थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों में अस्थायी विराम के बाद घरेलू बाजार में राहत भरी तेजी देखी गई। शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,22,78,312.77 करोड़ रुपये (4,500 अरब डॉलर) हो गई। मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 2.77 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप में 2.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,968 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,295 में गिरावट आई। वहीं 168 के भाव अपरिवर्तित रहे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.96 प्रतिशत बढ़कर 101.9 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 10,414.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 12,033.97 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दिल्ली: एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पेश करने से पहले, एक ग्रुप फोटो में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता (केंद्र में) व अन्य।

- **नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच**
- **1.3 लाख छात्राओं को साइकिल और मेधावी छात्रों को लैपटॉप**
- **'आपात संचालन केंद्र' और नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए करीब 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच, 1.3 लाख छात्राओं को मुफ्त साइकिल और मेधावी छात्रों के लिए लैपटॉप सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की गई। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए 'आपात संचालन केंद्र' के अलावा एक नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा की गई।

दिल्ली विधानसभा में दूसरी बार बजट पेश करते हुए वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रही गुप्ता ने इसे 'हरित बजट' करार दिया और बताया कि कुल आवंटन का 21 प्रतिशत पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। उन्होंने दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय के देश में तीसरे स्थान पर होने का उल्लेख किया और कहा कि 'ट्रिपल इंजन' सरकार के साथ राष्ट्रीय राजधानी तेजी से प्रगति कर रही है। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो कुल बजट का 18 प्रतिशत है। इसके बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये, परिवहन के लिए 12,613 करोड़ रुपये, शहरी विकास के लिए 11,572 करोड़ रुपये, सामाजिक कल्याण के लिए 10,537 करोड़ रुपये और जलापूर्ति के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए कई कदमों की भी घोषणा की और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव से पहले जिस 'महिला समृद्धि योजना' का वादा किया था वह जल्द लागू की जाएगी। इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही पंजीकरण मंच शुरू किया जाएगा।

गैस संकट से जूझ रहा एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग संगठन एल्युमिनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमए) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण एलपीजी तथा पीएनजी की आपूर्ति के गंभीर संकट से प्रभावित एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग के लिए सरकार से राहत उपायों की मांग की है। एल्युमिनियम एक्सट्रूज़न एक निर्माण प्रक्रिया है, जिसमें गर्म एल्युमिनियम मिश्र धातु को एक विशिष्ट आकार की डाई के माध्यम से दबाकर ट्यूब, छड़, फ्रेम आदि बनाए जाते हैं। एएलईएमए ने सरकार से ब्याज दरों में कटौती और ऋण भुगतान की अवधि में छूट (मोराटोरियम) जैसे त्वरित राहत उपाय लागू करने का आग्रह किया है।

एचडीएफसी बैंक ने बाहरी विधि कंपनी को सौंपी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अपने त्याग पत्र में बैंक संचालन को लेकर उठाए थे गंभीर मुद्दे**

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के त्याग पत्र में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने कहा कि यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

उल्लेखनीय है कि देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हुआ।

यह पहली बार है जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए। चक्रवर्ती ने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा था-पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर मैंने कुछ ऐसी घटनाएं एवं कार्य प्रणालियां देखीं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। इसी आधार पर मैंने यह निर्णय लिया है। शासन, नामांकन, पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा था कि उपरोक्त के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है

चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक वर्ष बाद पांच मई 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर चार मई 2027 तक कर दिया गया था।

चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं और अप्रैल 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के रिकार्ड निचले स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में चिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है।

एथनॉल के लिए पीडीएस में टूटे चावल की मात्रा घटाएगी सरकार: खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित अनाज में टूटे चावल के आवंटन को 25 से घटाकर 10% करने का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष रखेगी। इससे एथनॉल क्षेत्र को करीब 90 लाख टन टूटा चावल उपलब्ध हो सकेगा।

ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन में चोपड़ा ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य एथनॉल उद्योग को साल भर कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति प्रदान करना है जिससे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साबुत अनाज के भंडार पर इसकी निर्भरता कम हो जाएगी। जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। एथनॉल क्षेत्र को टूटे हुए चावल की निरंतर आपूर्ति यह सुनिश्चित करने में सहायक होगी। पीडीएस के तहत वर्तमान में वितरित अनाज में 25% टूटे हुए चावल होते हैं जो 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं। नई योजना के तहत इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। प्रतिवर्ष वितरित होने वाले करीब 360-370 लाख टन चावल में से बचे हुए अतिरिक्त टूटे चावल को एथनॉल उत्पादकों, पशु आहार निर्माताओं और अन्य को नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। पांच राज्यों में इसका प्रायोगिक परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।

एथनॉल को रसोई ईंधन के रूप में करें विकसित

नयी दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम क्षेत्र ने मंगलवार को उद्योग जगत के दिग्गजों से एथनॉल को भारतीय परिवारों के लिए एक स्वच्छ रसोई ईंधन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। इससे आयातित एलपीजी पर निर्भरता कम करने और जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों को बल मिलेगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के निदेशक (डाउनस्ट्रीम) आर एस रवि ने ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह अपील की। उन्होंने एथनॉल आधारित रसोई स्टोव पर जारी शोध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एलपीजी उपकरण अनुसंधान केंद्र (एलईआरसी) और विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में इस दिशा में काफी काम हो रहा है तथा इसके प्रारूप (प्रोटोटाइप) जल्द ही तैयार होने की संभावना है।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में 55,837 करोड़ रुपये डाले

मुंबई, एजेंसी। आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में तीन दिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' नीलामी के जरिये मंगलवार को 55,837 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली। केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर डाली गई।

यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। बैंकिंग प्रणाली में 23 मार्च तक अनुमानित नकदी करीब 26,196.36 करोड़ रुपये आंकी गई है। केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 2,08,208 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली है।

गैर-पंजीकृत क्षेत्रों में रोजगार 6.18 प्रतिशत बढ़ा, 74.52 लाख नए अवसर सृजित

नई दिल्ली,एजेंसी। गैर-पंजीकृत उद्यम क्षेत्र में रोजगार 2025 में 6.18 प्रतिशत बढ़कर 12.80 करोड़ हो गया। इस अवधि के दौरान 74.52 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित हुए। सरकार के एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। मंगलवार को जारी गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), 2025 के अनुसार, अक्टूबर, 2023 से सितंबर, 2024 की अवधि के दौरान इस क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या 12,05,99,800 थी जो 2025 में बढ़कर 12,80,51,800 हो गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जनवरी, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए हैं। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 7.97 प्रतिशत बढ़कर 2025 (जनवरी 2025-दिसंबर 2025) में 7.92 करोड़ हो गई जो 2023-24 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में 7.34 करोड़ थी। सर्वेक्षण के अनुसार, 'अन्य सेवाएं' क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की संख्या में 10.29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र में 6.48 प्रतिशत और व्यापार क्षेत्र में 6.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार को बताती है।

लागत बढ़ी तो बढ़ेंगे हवाई किराये, प्रभावित होगी मांग

मुंबई, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति के आधार पर गर्मियों के कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में बदलाव हो सकता है। कहा कि यदि लागत और बढ़ती है तथा उसके कारण हवाई किराये में वृद्धि होती है तो इससे मांग प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ गई हैं और पश्चिम एशिया में हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंधों से एयरलाइन कंपनियों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है। भारतीय एयरलाइन कंपनियां कुल परिचालन लागत का करीब 40 प्रतिशत विमान ईंधन पर खर्च करती हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि कंपनी अप्रैल में शुरू होने वाले घरेलू ग्रीष्मकालीन शेड्यूल में करीब 2,000 दैनिक उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सर्दियों के कार्यक्रम के समान स्तर पर तय किया गया है लेकिन पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर परिचालन का पैमाना बदल सकता है। ईंधन तथा विदेशी मुद्रा से जुड़ी लागत में पहले से ही काफी वृद्धि हो रही है और इनके आगे भी काफी बढ़ने की आशंका है। वर्तमान में तय उड़ानों की संख्या 2025 के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लगभग बराबर है, लेकिन यह मौजूदा सर्दियों के कार्यक्रम में निर्धारित उड़ानों से कम है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम मंगलवार को अपरिवर्तित रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.54 रुपये, चेन्नई में 100.84 और कोलकाता में 105.45 रुपये प्रति लीटर है। डीजल मुंबई में 90.03 रुपये, चेन्नई में 92.39 और कोलकाता में 92.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

काम की बात

कैसे तय होती है क्रेडिट कार्ड की लिमिट

आज के दौर में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। लोग इसे सिर्फ खरीदारी ही नहीं, बल्कि कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स और अन्य सुविधाओं के लिए भी उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, हर क्रेडिट कार्ड के साथ एक तय सीमा (लिमिट) होती है, जिसके अंदर ही खर्च किया जा सकता है। सवाल यह है कि आखिर यह लिमिट कैसे तय होती है?

आसान भाषा में जानिए नियम

क्रेडिट कार्ड है क्या?

क्रेडिट कार्ड मूल रूप से एक उधार सुविधा है, जिसमें बैंक या वित्तीय संस्था आपको एक निश्चित राशि तक खर्च करने की अनुमति देती है। इस राशि को बाद में निर्धारित समय के भीतर चुकाना होता है।

क्रेडिट स्कोर निभाता है बड़ी भूमिका

क्रेडिट कार्ड लिमिट तय करने में आपका क्रेडिट स्कोर (सिबिल स्कोर) बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह स्कोर आपके पुराने लोन और क्रेडिट कार्ड भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर बनता है। यदि आपने समय पर भुगतान किया है और डिफॉल्ट नहीं किया है, तो आपका स्कोर बेहतर होता है और बैंक आपको ज्यादा लिमिट देने में सहज होते हैं।

लिमिट तय करने के प्रमुख आधार

बैंक या कार्ड जारी करने वाली कंपनियां कई पहलुओं का मूल्यांकन करती हैं। सबसे पहले आपकी मासिक आय (सैलरी) देखी जाती है। आमतौर पर जितनी अधिक आय होगी, उतनी अधिक लिमिट मिलने की संभावना रहती है। इसके अलावा आपका पेशा और नौकरी की स्थिरता भी अहम भूमिका निभाते हैं। स्थायी नौकरी या लंबे समय से एक ही संस्थान में कार्यरत व्यक्ति को अधिक भरोसेमंद माना जाता है।

खर्च करने की आदत भी देखी जाती है

बैंक यह भी जांचते हैं कि आप अपने खर्च कैसे करते हैं। यदि आप बार-बार पूरी लिमिट का उपयोग करते हैं या भुगतान में देरी करते हैं, तो आपकी लिमिट सीमित रखी जा सकती है। कुल मिलाकर, क्रेडिट कार्ड की लिमिट आपकी आय, नौकरी की स्थिरता, क्रेडिट स्कोर और वित्तीय व्यवहार पर निर्भर करती है। इसलिए समझदारी से खर्च और समय पर भुगतान करने से न केवल आपकी साख बढ़ती है, बल्कि भविष्य में अधिक लिमिट मिलने की संभावना भी मजबूत होती है।

नया प्रस्ताव | बाजार नियामक सेबी ने 14 अप्रैल तक प्रस्तावों पर जनता से मांगे सुझाव

गिफ्ट कार्ड के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश का प्रस्ताव

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **केवल भारतीय बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से किया जा सकेगा निवेश**
- **जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक रहेगी इनकी वैधता**

बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए गिफ्ट कार्ड या गिफ्ट प्रीपेड भुगतान कार्ड (पीपीआई) शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य नए निवेशकों को शामिल करके वित्तीय समावेश को बढ़ावा देना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि इसके तहत, गिफ्ट पीपीआई का खरीदार इसे किसी प्राप्तकर्ता को उपहार में दे सकता है, जो इसका उपयोग म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदने के लिए कर सकता है। इन पीपीआई में निवेश केवल भारतीय बैंक खाते से इलेक्ट्रॉनिक बैंक ट्रांसफर (यूपीआई) के माध्यम से किया जा सकेगा। इनकी वैधता जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक रहेगी।

सेबी ने गिफ्ट पीपीआई के माध्यम से किए गए निवेश के लिए प्रति निवेशक प्रति वित्त वर्ष 50,000 रुपये की सीमा का सुझाव दिया है। नियामक ने कहा कि संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) की ओर से आरटीए (रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट) प्रत्येक निवेशक द्वारा प्रति वित्त वर्ष में प्रति एएमसी गिफ्ट पीपीआई, ई-वॉलेट और नकद के माध्यम से किए गए निवेश की राशि पर नजर रखेंगे। यदि गिफ्ट पीपीआई भुनाकर होने वाला लेनदेन 50,000 रुपये से अधिक हो जाता है, तो आरटीए लेनदेन को अस्वीकार कर देगा और पीपीआई का अंकित मूल्य जारीकर्ता के एस्क्रो खाते में वापस कर दिया जाएगा।

परंपरागत रूप से, गिफ्ट कार्ड और प्रीपेड समाधान का उपयोग खुदरा खरीदारी में किया जाता रहा है और समय के साथ डिजिटल भुगतान, त्वरित डिलिवरी और बेहतर सुरक्षा के कारण इनका उपयोग बढ़ा है।

सेबी को एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) से म्यूचुअल फंड इकाइयों में निवेश के साधन के रूप में गिफ्ट पीपीआई की अनुमति देने पर विचार करने के प्रस्ताव मिले थे। उस पर गौर करने के बाद सेबी ने परामर्श पत्र जारी किया है। सेबी के अनुसार गिफ्ट कार्ड/गिफ्ट पीपीआई से म्यूचुअल फंड क्षेत्र में नए निवेशकों को शामिल करके वित्तीय समावेश में सुधार होने की उम्मीद है। बाजार नियामक ने 14 अप्रैल तक प्रस्तावों पर जनता से सुझाव मांगे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान ने एक साल बाद अमेरिकी नागरिक को रिहा किया

काबुल। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने अमेरिकी शिक्षाविद डेनिस कोएले को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मंगलवार को रिहा कर दिया। अफगानिस्तान के तालिबान-नियंत्रित विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रिहाई ईद उल-फितर के अवसर पर हुई, जो मुसलमानों का पवित्र त्योहार है और इस्लामी पवित्र महीने रमजान के समापन का प्रतीक है। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि अकादमी शोधकर्ता कोएले को देश की राजधानी काबुल में उनके परिवार की अपील के बाद रिहा कर दिया गया। अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने उनकी कैद अवधि को पर्याप्त माना। कोएले को जनवरी 2025 में कानूनों के उल्लंघन के आरोपों में हिरासत में लिया गया था।

ओडिशा: 55 लाख रुपये के इनामी सुक्रू ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर। ओडिशा के सर्वाधिक वांछित और 55 लाख रुपये के इनामी माओवादी सुक्रू ने मंगलवार को कंधमाल जिले में चार अन्य साथियों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया कि प्रदेश समिति के सदस्य सुक्रू ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। मलकानगिरी जिले के मूल निवासी सुक्रू को राज्य में सक्रिय बचे अंतिम माओवादी नेताओं में से एक माना जाता था। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की 31 मार्च की समय सीमा नजदीक आ रही है।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को मंगलवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। भुल्लर को पंजाब भंडारण निगम (पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन) के एक अधिकारी की कथित आत्महत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। भुल्लर को मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमृतसर की एक अदालत में पेश किया गया। हरे रंग की पगड़ी पहने भुल्लर अदालत से बाहर निकलते समय हाथ जोड़े बैठे दिखाई दिए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत ने भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजने को मंजूरी दे दी।

वियतनाम: दो बच्चे पैदा करने पर महिला को मिलेंगे 20 लाख डोंग

हनोई, एजेंसी

- देश में प्रजनन दर बढ़ाने के लिए शुरू की वित्तीय मदद की योजना

वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जन्म दर में भारी गिरावट के बीच प्रतिस्थापन प्रजनन दर बनाए रखने के प्रयासों के तहत एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत 35 वर्ष की आयु से पहले दो बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को 20 लाख वियतनामी डोंग (लगभग 76 अमेरिकी डॉलर) की वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मसौदे का अनावरण किया जिसमें कई वित्तीय सहायता नीतियों का प्रस्ताव है। इनसे प्रतिस्थापन-स्तर की प्रजनन दर को बनाए रखने और जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। . मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर गई है। साल 2025 में यह दर प्रति महिला 2.11 बच्चों से घटकर 1.93 रह गई है, जो 2024 के 1.91 के रिकॉर्ड निचले स्तर से केवल मामूली सुधार है। इस मौजूदा रुझान को देखते हुए 2030 तक प्रतिस्थापन प्रजनन स्तर को बनाए रखने के लक्ष्य को हासिल करना कठिन लग रहा है।

यह अनुमान लगाया गया है कि यदि प्रजनन दर में इसी तरह गिरावट जारी रही तो वियतनाम की स्वर्णिम जनसंख्या की अवधि 2036 तक समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही कार्यबल की आयु वाली जनसंख्या 2044 से कम होने लगेगी।

श्रद्धा-आस्था का अकूत खजाना

हाल ही में ओडिशा सरकार ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खुलवाकर उसका सूचीकरण करने का फैसला लिया है। रत्न भंडार को खोलने और इसके खजाने की गिनती की निगरानी के लिए ओडिशा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार अपार संपत्ति के लिए जाना जाता है। इससे पहले यहां 1978 में गणना हुई थी जिसके अनुसार यहां तब 128 किलो सोना और 221 किलो चांदी के गहने थे, लेकिन माना जाता है कि वास्तविक मात्रा इससे कहीं अधिक है। सिर्फ पुरी का जगन्नाथ मंदिर ही नहीं, देश के कई और मंदिरों में भी बेहिसाब खजाना है जो देश के लोगों की अपार आस्था और श्रद्धा का प्रमाण है।

भारत के मंदिरों की संपन्नता

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम

- भक्तों के दान के मामले में यह दुनिया का सबसे व्यस्त और संपन्न मंदिर है। यह अपनी वित्तीय पारदर्शिता के लिए भी जाना जाता है।
- मंदिर की संपत्ति 2,50,000 करोड़ से 3,00,000 करोड़ रुपये तक मानी जाती है। विभिन्न बैंकों में 10,258 किलो से ज्यादा सोना जमा है।
- इसके अलावा 16,000 करोड़ की एफडी और 7,123 एकड़ जमीन समेत 960 से अधिक संपत्तियां हैं। वार्षिक आय 5,000 करोड़ से अधिक है।

शिरडी साईं बाबा मंदिर, शिरडी

- यह मंदिर दुनिया भर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इसे भारत के सबसे अमीर ट्रस्टों में गिना जाता है।
- इस मंदिर की 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक जमा राशि है, 450 किलो सोना और 6,000 किलो चांदी है।
- इसके अलावा बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और निवेश हैं और सालाना आय 400-500 करोड़ के आसपास रहती है।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, तिरुवनंतपुरम

- यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। 2011 में इसके गुप्त तहखानों को खोलने के बाद इसकी संपत्ति दुनिया के सामने आई थी।
- बिना ऐतिहासिक महत्व जोड़े अनुमानित संपत्ति 1,20,000 करोड़ तक है। प्राचीन कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत जोड़ने पर ये कई लाख करोड़ हो सकती है।
- संपत्ति में शुद्ध सोने की मूर्तियां, सोने का 18 फुट लंबा हार, हीरे-जवाहरात से जड़े सोने के मुकुट, हजारों सोने के सिक्के और बोरों में भरे कीमती रत्न शामिल हैं।

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

- साल भर करोड़ों श्रद्धालुओं की आमद के कारण यह मंदिर उत्तर भारत का सबसे संपन्न धार्मिक स्थल है जिसकी सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक है।
- श्राइन बोर्ड के पास 1.2 टन सोना है। बोर्ड सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, विश्वविद्यालय, आपदा प्रबंधन सुविधाओं को भी चलाता है।

सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई

- मुंबई का यह मंदिर बॉलीवुड हस्तियों और उद्योगपतियों के दान के लिए भी जाना जाता है।
- श्री सिद्धिविनायक मंदिर का शिखर यानी गुंबद ही लगभग 3.7 किलो सोने से मढ़ा हुआ है।
- अनुमान के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट को हर साल 100 से 150 रुपये करोड़ तक दान मिलता है।
- मंदिर के पास करीब 125 किलो सोने का भंडार और करोड़ों रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट हैं।

इजराइली जेलों में फिलिस्तीनियों का क्रूर नरसंहार

राज्य का सिद्धांत बनी क्रूरता : बिना किसी आरोप 18,500 फिलिस्तीनी हैं कैद जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे

- अमानवीय यातनाओं से इन जेलों में अब तक हो चुकी है 100 से ज्यादा फिलीस्तीनियों की मौत

जेनेवा, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से खौफनाक सच बेनकाब

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इजराइली हिरासत केंद्रों के भीतर छिपे उस खौफनाक सच को बेनकाब कर दिया है, जिसे अब 'राज्य के सिद्धांत' के रूप में अपनाया जा चुका है। अक्टूबर 2023 से जारी जुल्म की यह श्रृंखला अब तक 18,500 से अधिक फिलिस्तीनियों को अपनी चपेट में ले चुकी है, जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे शामिल हैं।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि उन हजारों जिंदगियों की दास्तान हैं, जिन्हें बिना किसी आरोप या मुकदमे के सलाखों के पीछे धकेल दिया गया है। करीब 100 कैदियों की हिरासत में हुई मौतें इस भयावहता की गवाही देती हैं कि इजराइली जेलें सुधार गृह नहीं, बल्कि सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला बन चुकी हैं। इन जेलों में जहां कैदियों के साथ ऐसी अमानवीय और घिनौनी हरकतें की जा रही हैं, जो इंसानियत को शर्मसार कर दें। संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि दशकों से मिल रही छूट और राजनीतिक संरक्षण के चलते फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल की व्यवस्थित प्रताड़ना अब कब्जे वाले फिलीस्तीनी क्षेत्र में जारी नरसंहार का परिभाषित हथियार बन गयी है।

सन् 1967 से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्बानीज ने मानवाधिकार परिषद को सौंपी अपनी नई रिपोर्ट में कहा, नरसंहार की शुरुआत के बाद से इजराइली जेल प्रणाली सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला में बदल गई है। अल्बानीज के अनुसार, जो कभी अंधेरे और साये में किया जाता था, वह अब खुलेआम हो रहा है। संगठित अपमान, पीड़ा और अधोगति का यह शासन अब उच्चतम राजनीतिक स्तरों से स्वीकृत है।

यानी जो दर्द पहले छिपाया जाता था, अब उसे सत्ता की शह पर सरेआम अंजाम दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर सहित वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लागू की गई नीतियों ने प्रताड़ना, सामूहिक दंड और हिरासत की अमानवीय स्थितियों को एक संस्थानिक रूप दे दिया है। यह फिलिस्तीनियों को इंसान न समझने की एक सोची-समझी नीति है। विशेष दूत ने स्पष्ट किया है कि मानवाधिकारों के इन जघन्य उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार लोगों को जांच और न्याय का सामना करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध के समय भी इन अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता और अपराधियों को 'अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय' (आईसीसी) के कटघरे में खड़ा होना होगा।

ऐसी प्रताड़नाएं कि दहल जाए मानवता... चाकू, लोहे की छड़ों, बोतलों से बलात्कार, कुत्तों से नुचवाकर ऊपर करते हैं पेशाब

इजराइली जेलों में हजारों लोग बिना किसी आरोप या मुकदमे के कैद हैं, कई जबरन गायब कर दिए गए हैं और लगभग 100 कैदियों की हिरासत में मौत हो चुकी है। कैदियों के साथ ऐसी दरिंदगी की गई है जो कल्पना से परे है। रिपोर्ट में बोतलों, लोहे की छड़ों और चाकुओं से बलात्कार, भुखमरी, हड्डियां और दांत तोड़ना, शरीर को जलाना, थूकना और कुत्तों से हमला करवाना व उन पर पेशाब करवाने जैसी भयानक प्रताड़नाओं का जिक्र है। इन अकल्पनीय प्रताड़नाओं का उद्देश्य फिलिस्तीनियों को केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक तौर पर भी पूरी तरह तोड़ देना है। यह संगठित बर्बरता अब अंधेरे में नहीं, बल्कि सत्ता के ऊंचे गलियारों की शह पर खुलेआम अंजाम दी जा रही है।

विडंबना: इस बर्बरता को कई देशों की सरकारों और कानूनी संस्थाओं का समर्थन, मीडिया भी करता है लीपापोती

वर्ष 2025 में प्रताड़ना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र समिति ने भी संगठित और व्यापक प्रताड़ना की एक वास्तविक ''राज्य की नीति'' की निंदा की थी, जो 7 अक्टूबर 2023 के बाद से बेहद गंभीर हो गई है। इस बर्बरता को दुनियाभर के राजनेताओं से बचाव मिल रहा है। कानूनी संस्थाएं इसे तर्कसंगत बता रही हैं। मीडिया इसे साफ-सुथरा कर पेश कर रहा है। दुनिया की वे सरकारें इसे सहन कर रही हैं, जो इजराइल को हथियार और सुरक्षा देना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रताड़ना केवल जेल की दीवारों तक सीमित नहीं है। निरंतर बमबारी, जबरन विस्थापन, भुखमरी, घरों-अस्पतालों की तबाही और सैन्य व बसने वाले आतंकी समूहों के खौफ ने पूरे फिलिस्तीनी क्षेत्र को एक 'प्रताड़नाकारी माहौल' में बदल दिया है। अल्बानीज ने भावुक होकर कहा, गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी येरुशलम में फिलीस्तीनी पीड़ा की अटूट श्रृंखला से गुजर रहे हैं। वहां कोई शरण नहीं है, कोई सुरक्षित कोना नहीं है, जीने के लिए कोई महफूज जगह नहीं बची है।

अमानवीय प्रताड़ना रोके इजराइल, अंतर्राष्ट्रीय अदालत में चले मुकदमा, दोषी अधिकारियों को किया जाए गिरफ्तार

अल्बानीज ने इजराइल से प्रताड़ना के सभी कृत्यों को तुरंत रोकने, अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं को प्रवेश देने और कब्जे को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू होने तक दोषियों की जवाबदेही तय करने का आग्रह किया और सदस्य देशों से नरसंहार और प्रताड़ना को रोकने के अपने कानूनी दायित्वों को निभाने की अपील की। इतामार बेन ग्वीर, बेजालेल स्मोट्रिच और इजराइल काट्ज जैसे जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी वारंट जारी करने को कहा गया है।

टेक्सास की रिफाइनरी में भीषण विस्फोट, लोगों को इलाके में जहां हैं वहीं शरण लेने की सलाह

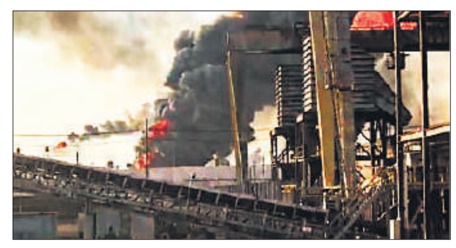

- जोरदार विस्फोट के बाद उठीं आग की लपटें और घना धुआं, नहीं पता चला घटना का कारण

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पोर्ट आर्थर में वैलेरो एनर्जी की रिफाइनरी में सोमवार को जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें और घना धुआं उठता दिखाई दिया। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के लोगों को एहतियातन घरों में रहने की सलाह दी है।

अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट का संभावित कारण एक औद्योगिक हीटर बताया जा रहा है, हालांकि मामले की जांच जारी है। प्रशासन ने ''शेल्टर-इन-प्लेस'' अलर्ट जारी करते हुए लोगों से कहा है कि वे घरों के भीतर रहें, दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें और बाहरी गतिविधियों से बचें। शहर प्रशासन ने लोगों से अपील की, अपनी सुरक्षा के लिए तब तक अपने स्थान पर बने रहें जब तक आपातकालीन कर्मियों की ओर से सबकुछ सामान्य होने की घोषणा नहीं की जाती।

टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने बताया कि टेक्सास कमीशन ऑन एनवायरनमेंटल क्वालिटी ने स्थल पर वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए उपकरण तैनात किए हैं और स्थानीय तथा राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। पोर्ट आर्थर फायर डिपार्टमेंट ने विशेष रूप से शहर के पश्चिमी हिस्से में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और घरों में रहने की सलाह दी है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में रिफाइनरी परिसर से उठती आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता है।

बांग्लादेश: पूर्व जनरल मसूद उद्दीन चौधरी गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

- 2007 में कराया था तख्तापलट मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक को हिरासत में लेकर दी थीं यातनाएं

बांग्लादेश में एक प्रभावशाली पूर्व सैन्य जनरल मसूद उद्दीन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने 2007 में कार्यवाहक सरकार के स्थान पर सेना समर्थित अंतरिम सरकार के सत्तारूढ़ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर झुकी हुई थी, जिसका नेतृत्व अब प्रधानमंत्री तारिक रहमान कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने 2007 में सरकार बदलने और एक अंतरिम सरकार स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अंतरिम सरकार ने 2008 के चुनाव तक अगले दो वर्षों तक देश चलाया। जांच शाखा के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने बताया, चौधरी को उनके खिलाफ दर्ज पांच मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। चौधरी ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के राजदूत के रूप में कार्य किया और बाद में जातीय पार्टी से संसद सदस्य बने।

जातीय पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की चुनावी सहयोगी थी, जिसने दिसंबर 2008 के चुनाव में दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल की थी। तत्कालीन अंतरिम सरकार के दो साल के शासनकाल के दौरान रहमान को भी गिरफ्तार किया गया था, हिरासत में यातना दी गई थी और उन पर कई आपराधिक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। बाद में तारिक को निर्वासित कर दिया गया था।

किम जोंग का एलान- उ. कोरिया को बनाएंगे परमाणु शक्ति संपन्न

सियोल, एजेंसी

- दक्षिण कोरिया को घोषित किया सबसे बड़ा दुश्मन, अमेरिका पर आतंकवाद का आरोप

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एलान किया है कि वह अपने देश को स्थायी रूप से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया को आधिकारिक रूप से सबसे बड़े दुश्मन करार दिया और उसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रखने की चेतावनी दी।

किम ने सोमवार को संसद में अपने भाषण में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं। किम का यह बयान पिछले महीने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के सम्मेलन में दिए गए उस बयान से मिलता जुलता है, जिसमें उन्होंने दक्षिण कोरिया पर जमकर निशाना साधा था लेकिन ट्रंप प्रशासन के साथ वार्ता के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही थी और वाशिंगटन से आग्रह किया था कि वह वार्ता के लिए पूर्व शर्त के रूप में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण की अपनी मांग छोड़ दे। सरकारी मीडिया ने बताया कि संसद के दो दिवसीय सत्र के दौरान सोमवार को संविधान संशोधन विधेयक पारित कर दिया गया।

रूस ने यूक्रेन पर दागे 400 ड्रोन, चार लोगों की मौत, 27 घायल

कीव। रूस की ओर से यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक मॉस्को की सेना ने यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति की रक्षा पंक्ति को भेदने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो वसंत ऋतु में होने वाले संभावित जमीनी आक्रमण की शुरुआत हो सकती है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों में सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार सुबह तक जारी रहा, जब दिन के उजाले में भी कई ड्रोन ने राजधानी कीव को निशाना बनाया।

यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि इसके अलावा, रूस ने रात में 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं, जिनसे देशभर में कम से कम 10 स्थान प्रभावित हुए। चार साल से भी अधिक समय पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद यूक्रेनी नागरिक लगातार बमबारी का सामना कर रहे हैं।

कोलंबियाई सैन्य विमान दुर्घटना में 66 की मौत

- 125 लोग थे सवार, कई लापता कई को बचाने में मिली सफलता

बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के पुटुमायो प्रांत में सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए वायुसेना के हरक्यूलिस सी-130 परिवहन विमान में सवार 66 सैन्य कर्मियों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

वायुसेना के मुताबिक दुर्घटना के शिकार हुए कई सैन्य कर्मियों को बचा भी लिया गया है और करीब दो दर्जन लोगों के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। इस मालवाहक विमान का उपयोग सैनिकों और साजोसामान की आवाजाही में किया जाता है। वायुसेना कमांडर जनरल कार्लोस फर्नांडो सिल्वा रुएडा के अनुसार, विमान में सेना के 114 जवान और चालक दल के 11 सदस्यों सहित 125 लोग सवार थे। यह विमान पेरू की सीमा के पास उड़ान भरते वक्त हादसे का शिकार हो गया।

रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने घटना को देश के लिए बेहद दुखद बताते हुए कहा कि विमान गिरने के बाद लगी भीषण आग के कारण उसमें रखा गोला-बारूद भी फट गया, जिससे बचाव कार्य में अत्यधिक कठिनाई आई और मृतकों की संख्या बढ़ गई।

सुप्रीम फैसला — शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त अधिकारियों की 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी मानी जाएगी

स्थायी कमीशन से वंचित महिला अधिकारी को भी पूर्ण पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में व्यवस्था दी कि मनमाने मूल्यांकन के चलते स्थायी कमीशन से वंचित की गईं भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त महिला अधिकारी पूर्ण पेंशन लाभ की हकदार हैं। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने फैसला सुनाया कि इन अधिकारियों के संबंध में पेंशन के लिए आवश्यक न्यूनतम 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी कर ली गई मानी जाएगी, भले ही उन्हें इस अवधि से पहले सेवा से मुक्त कर दिया गया हो।

शीर्ष अदालत ने यह निर्णय विंग कमांडर सुचेता एडन और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनाया, जिनमें 2019 में नीतिगत बदलावों और पिछले सशस्त्र बल अधिकरण (एएफटी) के फैसलों के आधार पर स्थायी कमीशन न दिए जाने को चुनौती दी गई थी। फैसले के मुख्य भागों को पढ़ते हुए सीजेआई ने कहा कि महिला अधिकारियों के लिए वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) को अक्सर इस धारणा के तहत श्रेणी प्रदान की जाती है कि वे करियर में प्रगति या स्थायी कमीशन के लिए पात्र नहीं होंगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, एसीआर इस धारणा के साथ लिखी गई कि उनके करियर में कोई प्रगति नहीं होगी। इससे उनकी समग्र योग्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पेंशन 20 साल की मानी गई सेवा के आधार पर तय की जाएगी, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगी।

असाधारण शक्तियों का प्रयोग कर सुनाया फैसला

पीठ ने वायुसेना, नौसेना और थलसेना की शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन से वंचित किए जाने के मामले पर अलग-अलग विचार किया। वायुसेना के संबंध में, पीठ ने पाया कि 2019 में पेश किए गए सेवा अवधि मानदंड और न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड को जल्दबाजी में लागू किया गया था, जिससे अधिकारियों को उन्हें पूरा करने का उचित अवसर नहीं मिला। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीठ ने कहा कि एक बार के उपाय के रूप में, 2019, 2020 और 2021 में चयन बोर्डों में स्थायी कमीशन के लिए विचार किए गए सभी एसएससी अधिकारियों को 20 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा, जिनमें 2021 में सेवा से मुक्त किए गए अधिकारी भी शामिल हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज रुके हुए कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

तुला — आज नई योजनाएं सफल होंगी। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है।

वृष — आज करियर में नए बदलाव के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक — आज चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के आसार हैं। अपनी गुप्त योजनाओं को किसी को न बताएं।

मिथुन — आज सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। मानसिक शांति के लिए अध्यात्म या रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे।

धनु — आज संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कर्क — आज घर में मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी। भावुकता पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मकर — आज भूमि या वाहन खरीदने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार अधिक रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह — आज पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। समाज में नेतृत्व की क्षमता निखरेगी। धन लाभ के प्रबल योग हैं।

कुंभ — आज पराक्रम और पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। करियर में उन्नति के द्वार खोलेंगे।

कन्या — आज धैर्य से काम लेना हितकारी होगा। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं।

मीन — आज का दिन आर्थिक निवेश के लिए उत्तम है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। किसी उत्सव में शामिल हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 25 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 13.50 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 17.33 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 98 का हल

3	6	9	4	8	2	5	7	1
7	2	4	5	1	9	3	6	8
8	1	5	3	6	7	4	9	2
2	7	1	9	3	8	6	5	4
6	4	8	2	7	5	1	3	9
5	9	3	6	4	1	8	2	7
9	3	7	1	5	4	2	8	6
1	5	2	8	9	6	7	4	3
4	8	6	7	2	3	9	1	5

सुडोकू -99

				2		6		8
		9	1			4		
	8			7			1	
	1	6				3		
	7						8	
		5		6		7		
	5			4			9	
		3			5	2		
4		1		3				

> पहले दिन से ही हमारी सोच साफ़ रही है, हम यहां हिस्सा लेने नहीं आए हैं। हम यहां मुकाबला करने और जीतने आए हैं। एक नई टीम के लिए, यह सोचना आसान है कि इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमारा नज़रिया कभी ऐसा नहीं था।
> –आशीष नेहरा, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच

हाईलाइट

ऑस्ट्रेलिया ने विंडीज पर किया क्लीन स्वीप

सेंट विन्सेंट, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को डीएलएस मेथड से वेस्टइंडीज को 40 रन से हराकर महिला टी 20 सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप कर लिया। बारिश ने वेस्टइंडीज के 212 रन के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल कर दिया, जिससे 10 ओवर में उनका स्कोर 61/3 हो गया। इसी दौरान किंग्सटाउन बारिश होने लगी। बाद में मैच का नतीजा डीएलएस मेथड से तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया के टोटल में जॉर्जिया वोल का 52 गेंदों पर पहला टी20 शतक सबसे ऊपर रहा। वह मेग लैनिंग (दो बार), बेथ मूनी (दो बार) और एलिसा हीली के साथ ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 शतक बनाने वालों में शामिल हो गईं। नौ चौके और छह छक्के लगाकर, उन्होंने 17वें ओवर में अपना शतक पूरा किया।

खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई, एजेंसी। नामचीन खेल पत्रकार एस त्यागराजन(85) का सोमवार शाम को निधन हो गया। त्यागराजन "त्यागु सर" के नाम से भी मशहूर थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। एक गाइड और मेंटर के तौर पर, उन्होंने इस रिपोर्टर को भी यूएनआई के एक जाने–माने जर्नलिस्ट के तौर पर बनाने में अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 1984 में स्पोर्ट्स कवर करके अपना सफ़र शुरू किया था। मल्टी–स्पोर्ट्स इवेंट्स लिखने में माहिर होने के कारण, बाद में उन्होंने इंडियन हॉकी को कवर करना शुरू किया और इंडियन टीम के लगभग सभी इवेंट्स को कवर करते हुए बहुत यात्रा की, जिसमें सुल्तान अज़लान शाह, एशिया कप और दूसरे इवेंट्स शामिल हैं।

बारानिका ने कायम किया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर, एजेंसी। तमिलनाडु की बरनिका एलंगोवन ने राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के शुरुआती दिन महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस 29 वर्षीय एथलीट ने 4.22 मीटर की ऊंचाई पार कर यह नई उपलब्धि हासिल की। बरनिका का यह प्रयास पहले से कायम आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 4.21 मीटर से भी बेहतर रहा, जो 2022 से राजी मीणा पौलराज के नाम दर्ज था। यह राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप पहली बार आयोजित की जा रही है, इसलिए महिला पोल वॉल्ट के लिए आधिकारिक तौर पर कोई इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड पहले से मौजूद नहीं था।

रिंकू सिंह केकेआर के उप-कप्तान नियुक्त

कोलकाता, एजेंसी: तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मंगलवार को आईपीएल 2026 के लिए विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया। यह फैसला फ्रेंचाइजी की दीर्घकालिक नेतृत्व रणनीति की ओर संकेत करता है। रिंकू सिंह कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ टीम की जिम्मेदारियां निभाएंगे। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वेंकी मैसूर ने टीम के 'नाइट्स अनप्लग्ड 3.0' कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा करते हुए कहा कि रिंकू कप्तान के साथ करीबी तालमेल में काम करेंगे। मुख्य कोच अभिषेक नायर ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि टीम में रिंकू के विकास ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका के लिए स्वाभाविक विकल्प बना दिया है।

टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे ऋषभ पंत : एलएसजी कोच जस्टिन लैंगर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर को उम्मीद है कि ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज एक क्रिकेटर के रूप में तब और भी बेजोड़ बन जाता है जब खेलते समय उनके चेहरे पर मुस्कान होती है। एलएसजी ने पिछले साल पंत को 27 करोड़ रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

लेकिन आईपीएल 2025 में पंत और एलएसजी के लिए खुश होने का कोई खास कारण नहीं था, क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। लैंगर ने कहा कि हालांकि पंत पिछले साल अपना प्रभाव छोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे तथा इस दौरान उनके साथ बिताए गए समय से फ्रेंचाइजी और कोचिंग स्टाफ को उनके बारे में और अधिक समझने में मदद मिली। एक न्यूज चैनल से बातचीत में लैंगर ने बताया कि इस बार हम ऋषभ को पहले से अधिक सहज देख रहे हैं। वह अब खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानता है और हम उसका पूरा समर्थन करते हैं। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह खूब मस्ती कर रहा है। जब वह क्रिकेट खेलता है तो उससे अधिक रोमांचक खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं होता है।

यश दयाल बाहर, लेकिन हटाए नहीं गए: आरसीबी

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मंगलवार को पेसर यश दयाल का साथ दिया, जबकि उन्होंने कन्फर्म किया था कि वह इस समय आने वाले इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के लिए टीम में शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट्स में उनकी गैरमौजूदगी को चल रहे कानूनी मामलों से जोड़ा जा रहा है। आरसीबी के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने कहा कि दयाल एक "पर्सनल सिचुएशन" से जूझ रहे हैं, उन्होंने दोहराया कि फ्रेंचाइजी खिलाड़ी को सपोर्ट करती रहेगी और उनके साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में रहेगी।

आकाशदीप और एडवडर्स की जगह दुबे व पेन विकल्प

नई दिल्ली,एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल से पहले चोटिल आकाशदीप और जैक एडवडर्स की जगह सौरभ दुबे और डेविड पेन को शामिल किया है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। वह बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। आईपीएल मीडिया बयान में कहा गया कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ केकेआर में आकाश की जगह लेंगे। वह 30 लाख रुपये में केकेआर से जुड़ेंगे। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज पेन को एसआरएच ने जैक एडवडर्स की जगह लिया है जो पैर की चोट के कारण बाहर हैं। उन्हें पहले एसआरएच ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह डेढ करोड़ रूपये में एसआरएच से जुड़ेंगे। इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल नाथन एलिस की जगह उनके हमवतन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। इससे पहले गुजरात टाइटन्स और केकेआर के लिए खेल चुके जॉनसन 1.5 करोड़ रुपये में सीएसके में शामिल होंगे।

5 खिलाड़ियों को लक्ष्मण, 4 को रानी लक्ष्मीबाई अवार्ड

लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांस्य प्रतिमा के साथ दिए प्रशस्ति पत्र और चेक

3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र लक्ष्मण व रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार में दिए गए

06 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए, क्रिकेटर रिंकू सिंह नहीं पहुंच सके

1.64 करोड़ रुपये से 14 अन्य खिलाड़ियों को नकद धनराशि देकर किया गया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पांच खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवॉर्ड और चार खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 14 अन्य खिलाड़ियों को 1.64 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। छह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए। योगी ने बटन दबाकर एकलव्य क्रीड़ा कोष से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता का अंतरण भी किया।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई एवार्ड में प्रत्येक खिलाड़ी को 3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। नियुक्ति पत्र पाने वालों में हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल और पैरालंपिक ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को डीएसपी पद पर नियुक्ति दी गई। अजीत सिंह और सिमरन को जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी तथा क्रिकेटर रिंकू सिंह को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी पद दिया गया है। रिंकू सिंह समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य। अमृत विचार

14 खिलाड़ियों को नकद प्रोत्साहन

- पदक विजेताओं में विनय (पैरा पावरलिफ्टिंग) को 40 लाख रुपये, विक्रांत बालियान (वुशु), सागर दांगी (शूटिंग), दीपक कुमार व ले. कर्नल भानु पाठक (पर्वतारोहण) को 15–15 लाख रुपये दिए गए। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों को 2 लाख से 14 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

चेक लेतीं तनुश्री पांडेय।

लक्ष्मण अवॉर्ड

- उत्तम सिंह (हॉकी), अभिजीत कुमार (जिम्नास्टिक), जोंटी कुमार (कुश्ती), यश कुमार (पैरा कैनोइंग) और प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स)।

रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड

- प्राची (एथलेटिक्स), तान्या चौधरी (एथलेटिक्स), प्रगति केसरवानी (पैरा टेबल टेनिस) और वंतिका अग्रवाल (शतरंज) को सम्मानित किया गया।

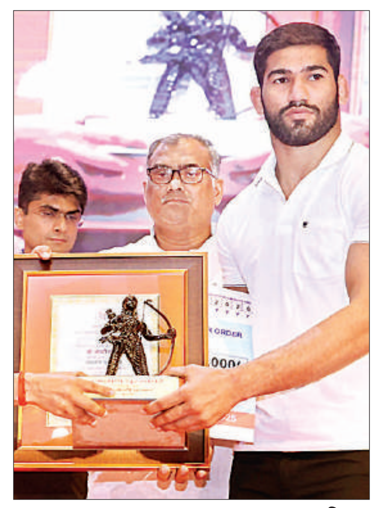

लोकभवन में आयोजित समारोह में लक्ष्मण अवार्ड लेते अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ी। अमृत विचार

सोमानी ने 16,290 करोड़ में राजस्थान रॉयल्स को खरीदा

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल टीम के मौजूदा शेयरहोल्डर कल सोमानी ने जयपुर की इस टीम को 1.63 अरब डॉलर में खरीदकर फ्रेंचाइजी अपने हाथ में ले ली है, जो लगभग 16,290 करोड़ रुपये है। टाइम्स ग्रुप, जो इस दौड़ में भी था, बोली की दौड़ में दूसरे स्थान पर रहा। सोमानी एक कंसोर्टियम को हेड करेंगे जिसमें वॉलमार्ट भी शामिल है, और उनके ग्रुप ने रॉयल्स में पूरी 100 परसेंट हिस्सेदारी खरीद ली है। उम्मीद है कि 2026 सीजन के बाद वह यूके में रहने वाले इमर्जिंग मीडिया के मनोज बडाले की जगह टीम की कमान संभालेंगे। स्कॉट्सडेल, एरिज़ोना के रहने वाले, 50 साल के कल सोमानी को क्रिकेट के अलावा गोल्फ़ में भी दिलचस्पी है। वह मोटर सिटी गोल्फ़ क्लब के फाउंडर्स में से एक हैं, जिसका गोल्फ के लेजेंड टाइगर वुड्स से जुड़ाव है। उनके बेटे, अर्जुन सोमानी, यूएस जूनियर सर्किट में एक होनहार टैलेंट हैं। सोमानी की दिलचस्पी पढ़ाई से लेकर खेल तक है और वह कई कंपनियों के फाउंडर हैं। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स की 1.6 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन कोई हैरानी की बात नहीं है। एलारा कैपिटल के करण तुरानी ने कहा कि आरआर डील ज़्यादा फ्रेंचाइज वैल्यूएशन को सही ठहराती है। कल सोमानी की लीडरशिप वाले कंसोर्टियम द्वारा राजस्थान रॉयल्स को 1.63 बिलियन डॉलर में खरीदना हमारे इस विचार को मज़बूत करता है कि आईपीएल फ्रेंचाइज की वैल्यू अब 1.5-2.0 बिलियन डॉलर की रेंज में है, जिसे मजबूत मीडिया मोनेटाइज़ेशन और ग्लोबल इन्वेस्टर की बढ़ती दिलचस्पी का सपोर्ट मिला है। माना जा रहा है कि बोली सोमवार को खत्म हो गई थी और विनर का नाम उसी समय फाइनल हो गया था।

आदित्य बिरला ग्रुप आरसीबी का अधिग्रहण करने को तैयार

- बेंगलुरु, एजेंसी। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आदित्य बिरला ग्रुप, द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन के एक गठजोड़ को 16,660 करोड़ रुपये (1.78 अरब डॉलर)के नकद सौदे में बेच दिया है। इस समूह ने यूएसएल के साथ फ्रेंचाइजी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता कर लिया है। इस सौदे में आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों को शामिल किया गया है।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार राशि होगी 10 लाख

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि हर मेडल के पीछे संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की कहानी होती है। जितना पसीना बहेगा, जीत उतना ही निकट आएगी। खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र, लक्ष्मण एवं रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार और पदक जीतने पर बधाई देते हुए ऐलान किया कि इन दोनों प्रतिष्ठित पुरस्कारों की राशि 3.11 लाख रुपये से बढ़ाकर 10–10 लाख रुपये की जाएगी। इसके लिए उन्होंने खेल विभाग को प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेरठ में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का लोकार्पण मई–जून में किया जाएगा। इसके साथ ही हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और हर विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं। सांसद और विधायक निधि से भी खेल मैदान और ओपन जिम को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 9 वर्षों में खिलाड़ियों को 200 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि दी गई है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 6 करोड़ रुपये, रजत पर 4 करोड़ और कांस्य पर 2 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले जहां खेल उपेक्षित थे, वहीं अब बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी व्यवस्था और प्रोत्साहन के कारण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

पैरालंपिक खिलाड़ी को लक्ष्मण अवार्ड देते मुख्यमंत्री।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग

मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची कप्तान हरमनप्रीत कौर

भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना दूसरे स्थान पर कायम

दुबई, एजेंसी।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है।

दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए काशवी भारतीय टीम में शामिल

- **नई दिल्ली, एजेंसी :** तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर काशवी गौतम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काशवी ने टेस्ट और वनडे दोनों सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन अब तक उनका टी20 डेब्यू नहीं हुआ है। चयनकर्ताओं ने उमा छेत्री को भी दल में ऋचा घोष के बैकअप के रूप में शामिल किया है। छेत्री ने 17 साल की जी कमालिनी की जगह ली है जिन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में टी20 डेब्यू करने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ़्रीका का ये दौरा डरबन में शुरू होगा जहां 17 और 19 अप्रैल को पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में अगले दो मैच तथा 27 अप्रैल को बेनोनी में दौरे का आख़िरी मैच खेला जाएगा।
- **भारतीय टीम :** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप–कप्तान), शेफ़ाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

काशवी गौतम।